नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 15

अंक : 29

सोमवार, 01 से 07 सितम्बर 2025

मूल्य : 5 रूपए

रू 250 वार्षिक

पहली बार 1200 यूनिट तक मिलेगी फ्री बिजली की सुविधाः सीएम रेखा गुप्ता 03

डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ की वैधता पर फैसला देने के लिए अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट... 08

NCR समाचार

अर्शदीप सिंह इतिहास रचने की दहलीज पर 10

बच्चों के कब्ज की समस्या को दूर करेंगे ये उपाय... 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in

BY C.R.O. TEAM

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

अनुष्का शेट्टी की फिल्म घाटी के लिए उत्साहित हैं प्रभास 12

दिल्ली-एनसीआर में बारिश ने तोड़ा 15 साल का रिकॉर्ड

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में इस साल मॉनसून जमकर बरस रहा है। मौसम विभाग (IMD) के अनुसार, सितंबर 2025 में बारिश ने 15 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अगस्त और सितंबर में झमाझम बारिश ने दिल्लीवालों को गर्मी से राहत दी, लेकिन जलभराव और ट्रैफिक जाम ने भी खूब सताया। आईएमडी के वैज्ञानिकों का कहना है कि मानसून ट्रफ और चक्रवाती हवाओं का असर दिल्ली-ठउफमें भारी बारिश का कारण बना। हालांकि, अब मॉनसून का जोर धीरे-धीरे कम होने की उम्मीद है, लेकिन 6 सितंबर तक हल्की बूंदाबांदी का सिलसिला जारी रहेगा।

यमुना में बढ़े जलस्तर का असर अब ट्रेन परिचालन सेवाओं पर दिखने लगा है। उत्तर रेलवे ने दिल्ली में यमुना का जलस्तर बढ़ने के बाद पुराने लोहे के पुल से ट्रेन का परिचालन बंद कर दिया है। इस कारण 138 ट्रेन के परिचालन सेवा पर असर पड़ा है। इसमें 54 ट्रेन रद्द कर दी गई है। इसमें ज्यादातर यूपी, हरियाणा व पंजाब के बीच छोटी दूरी की ट्रेन शामिल है।

उत्तर रेलवे के मुताबिक, पुराने लोहे के पुल को बंद करने के कारण 54 ट्रेन को रद्द करने के अलावा 43 ट्रेनों को डायवर्ट किया गया है। वहीं, 20 को शॉर्ट रूट पर चलाया गया है। इसके अलावा 21 को अपने गंतव्य से पहले सेवाएं खत्म कर दी गई है। जिन ट्रेन को रद्द किया गया है, उसमें ज्यादातर ट्रेन दिल्ली-गाजियाबाद, दिल्ली-साहिबाबाद, दिल्ली-पानीपत, शकूरबस्ती से पलवल, अंबाला कैंट से दिल्ली, दिल्ली से हरिद्वार और हरिद्वार से दिल्ली, दिल्ली-शामली, दिल्ली-सहारनपुर समेत अन्य ट्रेन हैं।

पंजाब, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश की बस सेवाएं प्रभावित

पंजाब, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन की वजह से दिल्ली से इन राज्यों के बीच चलने वाली बस सेवा भी प्रभावित हुई है। दिल्ली के कश्मीरी गेट और आनंद विहार अंतरराज्यीय बस टर्मिनल पर बसों की संख्या कम हो गई है।

इसकी वजह से यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। इन राज्यों के विभिन्न शहरों के लिए सफर करने वाले यात्रियों की ओर से पूछताछ केंद्रों व हेल्पलाइन नंबरों पर कॉल की संख्या बढ़ गई है। बीते दिनों में उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में मूसलाधार बारिश और भूस्खलन की वजह से सड़कें और पुल क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इससे कई मार्ग बंद हो गए हैं। शिमला के ग्रामीण इलाकों में भूस्खलन ने सड़क मार्गों को रोक दिया है। उत्तराखंड में गंगोत्री और यमुनोत्री हाईवे भूस्खलन के कारण बंद हैं।

पंजाब में 1988 के बाद सबसे भीषण बाढ़: 30 की मौत, 1,400 गांव डूबे

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब 1988 के बाद की सबसे विनाशकारी बाढ़ से जूझ रहा है, जिसमें अब तक 30 लोगों की जान जा चुकी है। सभी 23 जिले प्रभावित हैं और 1,400 से अधिक गांव जलमग्न हो गए हैं। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण सतलुज, व्यास और रावी नदियों में उफान ने स्थिति को भयावह बना दिया है। अगस्त में 253.7 मिमी बारिश, जो सामान्य से 74% अधिक है, ने संकट को और गहरा दिया। गुरदासपुर (324 गांव), कपूरथला (123 गांव), और फिरोजपुर (107 गांव) सबसे अधिक प्रभावित हैं।

फसल नुकसान और राहत कार्य

बाढ़ ने 1.48 लाख हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि पर फसलों को नष्ट कर दिया, जिससे धान की फसल को भारी क्षति पहुंची है। पंजाब सरकार ने विशेष गिरदावरी शुरू की है ताकि नुकसान का आकलन कर किसानों को मुआवजा दिया जा सके। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने केंद्र से 60,000 करोड़ रुपये की सहायता मांगी है। सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, और बीएसएफ की टीमें बांधों को मजबूत करने, भोजन और चारा पहुंचाने, और जल निकासी चैनलों को साफ करने में जुटी हैं। 174 राहत शिविरों में 7,144 लोग शरण लिए हुए हैं, जहां सूखा राशन, दवाइयां और पशु चारा उपलब्ध कराया जा रहा है।

7 सितंबर तक स्कूल-कॉलेज बंद

छात्रों और कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए पंजाब सरकार ने सभी स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और पॉलिटेक्निक संस्थानों को 7 सितंबर तक बंद रखने का आदेश दिया है। यह निर्णय भारी बारिश और जलभराव के कारण लिया गया है। कई ग्रामीण अपने घरों में रहना पसंद कर रहे हैं, जबकि कुछ लोग छतों और ऊंचे स्थानों पर शरण ले रहे हैं, क्योंकि पशुशालाएं पानी में डूब गई हैं।

नेताओं और हस्तियों का समर्थन

पंजाब के कैबिनेट मंत्रियों और आप नेता मनीष सिसोदिया ने तरनतारन के बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा कर तटबंधों की स्थिति का जायजा लिया। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान गुरुवार को अमृतसर, गुरदासपुर, और कपूरथला का दौरा करेंगे। शाहरुख खान, सोनू सूद, दिलजीत दोसांझ, कपिल शर्मा, और अन्य हस्तियों ने सोशल मीडिया पर पंजाब के प्रति संवेदना और समर्थन व्यक्त किया। शाहरुख ने एक्स पर लिखा, पंजाब की भावना कभी नहीं टूटेगी।

1988 की बाढ़ से तुलना

1988 की बाढ़ में 600-1,500 लोगों की मौत हुई थी और 9,000 गांव प्रभावित हुए थे। उस समय भाखड़ा और पौंग बांधों से पानी छोड़े जाने के कारण स्थिति बिगड़ी थी। इस बार भी बांधों से नियंत्रित जल निकासी और अपर्याप्त जल निकासी व्यवस्था ने संकट को बढ़ाया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन और अनियोजित निर्माण ने बाढ़ की तीव्रता को बढ़ाया है। पंजाब सरकार ने दीर्घकालिक बाढ़ प्रबंधन योजना की मांग की है।

राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों की दिल्ली में 10 सितंबर को बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों (सीईओ) की 10 सितंबर को दिल्ली में बैठक बलायी है जिसमें पूरे देश में राज्यों की मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करने की तैयारी के बारे में विशेष रूप से चर्चा की जायेगी।

चुनाव आयोग सूत्रों ने रविवार को यहां कहा," आयोग ने राज्यों के सीईओ के साथ हर तीन महीने में बैठक करने का एक सिलसिला शुरू किया है। इसी तरह की एक बैठक दिल्ली में 10 सितंबर को बुलायी गयी है।"

सूत्रों के अनुसार इस बैठक में आयोग राज्यों के सीईओ के साथ प्रशासनिक और बजट संबंधी

विषयों पर चर्चा करने के साथ साथ ही देशभर में मतदाता सूचियां के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की तैयारी पर चर्चा कर सकता है ।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के पद संभालने के बाद सीईओ के साथ इस तरह की नियमित बैठकों का सिलसिला शुरू हुआ है। श्री कुमार के कार्यकाल में आयोग ने चुनाव प्रक्रिया को और मजबूत एवं अधिक पारदर्शी बनाने, तथा मतदाताओं के साथ-साथ अन्य हितधारकों की सुविधा के लिए स्थापित नियमों के तहत कई नयी पहल की है।

इनमें राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के साथ नियोजित बैठक, बूथ स्तरीय अधिकारियों के लिए वर्कशॉप, आयोग का एकीकृत डिजिटल ऐप और ऐसी तमाम पहलें शामिल हैं।

एसआईआर को लेकर कांग्रेस और कुछ पार्टियों ने अपनी आपत्तियां व्यक्त की हैं और इसे एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बना रखा है। इस मुद्दे को उच्चतम न्यायालय में भी ले जाया गया है। न्यायालय ने बिहार की सूची के

ट्रंप के रूख में बड़ा बदलाव, बोले भारत के साथ रिश्ते अहम, मोदी अच्छे दोस्त

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका द्वारा भारत पर भारी टैरिफ लगाये जाने के बाद दोनों देशों में चल रही तनातनी के बीच पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत के साथ संबंधों को विशेष और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अच्छा दोस्त बताये जाने वाले बयान और उस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सकारात्मक जवाब के बाद इस मुद्दे के समाधान की उम्मीद बढ गयी है। श्री ट्रंप ने शुक्रवार को अपने पहले दिये गये बयान से बारह घंटे में ही पलटते हुए व्हाइट हाउस में भारत के साथ रिश्तों को बेहद खास बताते हुए कहा था कि वह और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमेशा अच्छे दोस्त रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि वह महान प्रधानमंत्री हैं। दोनों देशों के

संबंधों के बारे में श्री ट्रंप ने कहा कि चिंता की कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा कि उनकी प्रधानमंत्री मोदी के साथ अच्छी बनती हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने साथ ही यह भी कहा कि लेकिन उन्हें भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने को लेकर नाराजगी भी है। साथ ही उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच कभी-कभी इस तरह की बातें हो जाती हैं।

श्री मोदी ने शनिवार को इसके जवाब पर बेहद सकारात्मक प्रतिक्रिया करते हुए कहा कि वह श्री ट्रंप की भावनाओं का सम्मान करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा ,ह्न राष्ट्रपति ट्रम्प की भावनाओं और हमारे संबंधों के सकारात्मक मूल्यांकन की हम तहे दिल से सराहना करते हैं और उनका पूर्ण समर्थन करते हैं।

भारत और अमेरिका के बीच एक अत्यंत सकारात्मक और दूरदर्शी व्यापक एवं वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है।

उल्लेखनीय है कि श्री ट्रंप ने इससे पहले चीन में प्रधानमंत्री मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात के बाद कहा था कि लगता है हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है।

लेकिन बारह घंटे के अंदर ही श्री ट्रंप ने अपने रूख को बदलते हुए भारत के साथ रिश्तों को अहम बताया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भी प्रशंसा की और कहा कि चिंता की कोई बात नहीं है।

श्री ट्रंप के इस बयान तथा इस पर प्रधानमंत्री की सकारात्मक प्रतिक्रिया से दोनों देशों के बीच टैरिफ मुद्दे के जल्द समाधान की उम्मीद बढ गयी है।

उल्लेखनीय है कि श्री ट्रंप के भारत, रूस और चीन के बारे में दिये गये बयान के बारे में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में भारत अमेरिका संबंधों के बारे में पूछे गये सवाल के जवाब में कहा कि दोनों देशों के बीच वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है और दोनों उसके एजेन्डे के प्रति बचनबद्ध हैं।

ऑनलाइन गेमिंग कानून को चुनौती

सीजेआई के सामने पेश की गई याचिका

केंद्र सरकार की सुप्रीम कोर्ट में स्थानांतण याचिका

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र ने बृहस्पतिवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर ऑनलाइन गेमिंग अधिनियम, 2025 के संवर्धन और विनियमन को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं को विभिन्न उच्च न्यायालयों से शीर्ष अदालत में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया ताकि परस्पर विरोधी फैसलों से बचा जा सके।

आपको बता दें कि भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ के समक्ष यह याचिका पेश की गई। याचिकाकर्ता वकील ने कहा, ह्यह्यभारत सरकार ने स्थानांतरण याचिका दायर की है... ऑनलाइन गेमिंग विनियमन अधिनियम को तीन उच्च न्यायालयों में चुनौती दी गई है। चूंकि यह कर्नाटक हाई कोर्ट के समक्ष अंतरिम आदेशों के लिए सूचीबद्ध है, इसलिए क्या इसे सोमवार को सूचीबद्ध किया जा सकता है?

क्या है नया कानून

ऑनलाइन गेमिंग के खिलाफ दायर सभी याचिकाओं पर उच्चतम न्यायालय में सुनवाई हो : केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र ने बृहस्पतिवार को उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर ऑनलाइन गेमिंग अधिनियम, 2025 के संवर्धन और विनियमन को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं को विभिन्न उच्च न्यायालयों से शीर्ष अदालत में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया ताकि परस्पर विरोधी फैसलों से बचा जा सके। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ के समक्ष यह याचिका पेश की गई। याचिकाकर्ता वकील ने कहा, ह्यह्यभारत सरकार ने स्थानांतरण याचिका दायर की है ऑनलाइन गेमिंग विनियमन अधिनियम को तीन उच्च न्यायालयों में चुनौती दी गई है। चूंकि यह कर्नाटक उच्च न्यायालय के समक्ष अंतरिम आदेशों के लिए सूचीबद्ध है, इसलिए क्या इसे सोमवार को सूचीबद्ध किया जा सकता है?
सीजेआई ने याचिका को अगले सप्ताह विचार के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति व्यक्त की।

सीजेआई ने याचिका को अगले सप्ताह विचार के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति व्यक्त की। ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन अधिनियम, 2025 पहला केंद्रीय कानून है, जो वास्तविक धन वाले ऑनलाइन गेमिंग पर राष्ट्रव्यापी प्रतिबंध लगाता है, जिसमें काल्पनिक खेल जैसे लोकप्रिय प्रारूप भी शामिल हैं। यह कानून ऑनलाइन पैसे वाले खेलों को खेलने पर प्रतिबंध लगाता है और उल्लंघनों को संज्ञेय व गैर-जमानती अपराधों के रूप में वर्गीकृत करता है।

ध्वनिमत से पारित हुआ था विधेयक

आपको बता दें कि यह विधेयक 20 अगस्त को लोकसभा में पेश किया गया और दो दिन के भीतर संसद के दोनों सदनों में ध्वनिमत से पारित हो गया। इसे 22 अगस्त को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई और अब यह कानून बन गया है। इस कानून को मध्य प्रदेश, कर्नाटक और दिल्ली के उच्च न्यायालयों में चुनौती दी गई है।

मिलावट से देश चला रही है सरकार, ईंधन की कमाई से हो रही मालामाल : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि मोदी सरकार सिर्फ वोट चोरी ही नहीं पेट्रोल-डीजल की चोरी भी कर रही है और इसमें इथनॉल मिलाकर 50 रुपए में बेचने के दावे से मुकर कर ईंधन से लाखों करोड़ रुपए कमा रही है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यहां इंदिरा भवन में गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मोदी सरकार दावे कर सिर्फ सपने दिखाती है और जितने लोकलुभावने दावे करती है वे आखिर में जुमले ही साबित होते हैं।

उन्होंने कहा कि 2014 से ईंधन उपकर से सरकार 38.89 लाख करोड़ रुपए जुटा चुकी है और उसकी इथनॉल मिश्रण नीति आम लोगों की कीमत पर लूट का नया खाका बन गई है। उनका कहना था कि सरकार ने इथनॉल मिलाकर डीजल पेट्रोल के दाम आधा करने की बात की थी लेकिन इसे दोगुनी कीमतों पर बेचा जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार के वरिष्ठ मंत्री नितिन गडकरी ने जून 2014 में कहा था कि म्यूनिसिपल वेस्ट से जो इथनॉल

बनेगा, उसके चलते पेट्रोल 55 रुपए और डीजल 50 रुपए प्रति लीटर मिलेगा। सितंबर, 2018 में गडकरी ने कहा कि सरकार द्वारा पांच इथनॉल के पांच संयंत्र लगाए जाएंगे, जहां लकड़ी के बूरे और म्यूनिसिपल वेस्ट से एथेनॉल बनाया जाएगा। सच यह है कि आज तक लकड़ी के बूरे और म्यूनिसिपल वेस्ट से एक लीटर इथनॉल भी नहीं बनाया गया। इथनॉल 627 करोड़ लीटर बना है, इसमें 56 प्रतिशत गन्ना और बाकी अनाज इस्तेमाल हुआ है। इसमें कहीं भी लकड़ी के बूरे और म्यूनिसिपल वेस्ट का इस्तेमाल नहीं हुआ। एक लीटर इथनॉल बनाने में करीब 3,000 लीटर पानी की खपत होती है। यानी पर्यावरण को संरक्षित करने का दावा भी जुमला निकला। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी पर इथनॉल से कमाई करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके दोनों पुत्र इथनॉल को लेकर पिता की नीतियों के बल पर जबरदस्त कमाई कर रहे हैं।

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन : 9210761111

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ङ्क नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062, दूरभाष (मोबाईल) 9210761111 सम्पर्क करें।

संक्षिप्त खबरें

तीन मौतों के दोषी चालक को दो साल की सजा

रुद्रपुर। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जयेंद्र सिंह ने किच्छा में 13 साल पहले ट्रक से कुचलकर हुई तीन लोगों की मौत के मामले में दोषी चालक को दो साल के साधारण कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर सात हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है। किच्छा कोतवाली में 28 अगस्त 2012 को रोहित ने केस दर्ज कराया था। उनका कहना था कि 28 अगस्त 2012 को हरियाली बाजार में दिनेश, शिवानी और ज्योति बाइक संख्या यूके06 वी 8385 को सड़क किनारे खड़ी कर बातचीत कर रहे थे। इसी बीच सितारगंज की तरफ से आ रहे ट्रक संख्या यूपीएए 3285 ने रौंद डाला। हादसे में उनकी मौसेरी बहन शिवानी व ज्योति की मौके पर मौत हो गई थी। दिनेश को जिला अस्पताल ले जाया गया था, जहां उसकी मृत्यु हो गई थी। पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज किया था। विवेचक ने 29 अगस्त 2012 को आरोपी चालक अकील अहमद निवासी ग्राम धर्मपुर कला, थाना बिलारी, मुरादाबाद को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इस मुकदमे की सुनवाई मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में चली थी। अभियोजन पक्ष ने गवाहों और साक्ष्यों के आधार पर चालक पर दोष सिद्ध कर दिया। इस पर न्यायालय ने दोष सिद्ध को सजा सुनाई।

अस्पताल में तोड़फोड़ करने वाले नर्सिंग अधिकारी का वीडियो वायरल

सितारगंज। शराब पीकर उप जिला अस्पताल सितारगंज में तोड़फोड़ करने वाले नर्सिंग अधिकारी का कथित वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल है। वीडियो में अधिकारी शराब की नशे में धुत, निर्वस्त्र होकर गालीगलौज करता नजर आ रहा है। इधर, सीएमस ने अब आरोपी के खिलाफ कोतवाली में तहरीर दी है। सीएमएस डॉ. कुलदीप यादव ने बताया कि बुधवार रात को नर्सिंग अधिकारी ने शराब पीकर अस्पताल में जमकर हंगामा काटा। उसने अस्पताल की खिड़की, दरवाजे के शीशे और फर्नीचर तोड़ दिए। साथ ही निर्वस्त्र होकर अस्पताल में तैनात अन्य कर्मचारियों के साथ गाली-गलौज और अभद्रता की। बताया कि वह अपने गलत आचरण के कारण पिछले तीन महीने से सस्पेंड चल रहा है। उसे सीएमओ कार्यालय से अटैच किया गया है। पहले भी कई बार उसे सचेत किया गया है पर उसकी आदतें नहीं सुधरी। सीएमएस डॉ. कुलदीप यादव ने आरोपी नर्सिंग अधिकारी के विरुद्ध कोतवाल नरेश चौहान को तहरीर देकर अस्पताल में शराब पीकर तोड़फोड़, गालीगलौज, अराजकता फैलाने और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में केस दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की है।

ग्राम अलखदेवा में घर में हुई चोरी का पुलिस ने किया खुलासा

गदरपुर। गृह स्वामी की गैर मौजूदगी में बीते शुक्रवार देर रात हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। आरोपियों के पास से पुलिस ने सोने और चांदी के जेवर के अलावा अन्य सामान बरामद किए गए हैं। बृहस्पतिवार को गदरपुर थाने में सीओ विभव सैनी वारदात का खुलासा कर बताया 29 अगस्त को ग्राम अलखदेवा में अज्ञात चोरों ने ईश्वर सिंह मक्कड़ के घर चोरी की थी। वे अपने पुत्र सिमरनजीत सिंह के पास कनाडा गए हुए थे। उनके छोटे भाई कुलवंत सिंह की तहरीर पर केस दर्ज कर जांच की जा रही थी। पुलिस को आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे में दो संदिग्ध नजर आए। बृहस्पतिवार को पुलिस ने यूपी सीमा के ग्राम ज्ञानपुर बॉर्डर पर एक बाइक पर सवार दो व्यक्तियों को पकड़ा। पूछताछ में एक ने अपना नाम रिंकू कुमार निवासी श्मशान घाट के पास कंटोपा, थाना दिनेशपुर हाल पता तीरथनगर भोगपुर (तुमड़िया) डैम, जसपुर और दूसरे ने अपना नाम रंधावा सिंह निवासी ग्राम रामजीवनपुर नंबर तीन, थाना गदरपुर बताया। रंधावा सिंह गांव में वेल्डिंग के लिए आता था उसे पता था ईश्वर सिंह घर पर नहीं हैं। उसने रिंकू कुमार से संपर्क कर चोरी की घटना को अंजाम दिया। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की गई सोने की तीन अंगूठी, एक जोड़ी सोने के टॉप्स, घटना में प्रयुक्त लोहे की छेनी, एक शॉल और 315 बोर के एक तमंचे का कारतूस आदि बरामद किए। सीओ विभव सैनी ने बताया कि रिंकू कुमार का आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है। खुलासे पर पूर्व ग्राम प्रधान राजेंद्र सिंह मक्कड़ के नेतृत्व में ग्राम वासियों ने पुलिस टीम को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस मौके पर मनजीत सिंह, कुलवंत सिंह, एड. साजन सिंह, गुरमीत सिंह आदि मौजूद रहे।

फर्जी शादी पर संग्राम : दूल्हा न दूल्हन सिर्फ बराती मौज करेंगे...

राजधानी दून में रीति रिवाजों का बना ऐसा मजाक

देहरादून : दूल्हा है न दूल्हन सिर्फ बाराती मौज करेंगे। सांस्कृतिक परिधानों में पार्टी होगी और जाम छलकेंगे। ऐसी ही एक फर्जी शादी का आयोजन देहरादून का एक व्यापारिक प्रतिष्ठान करा रहा है। इसे लेकर इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब संग्राम छिड़ा है। कई संगठन के लोगों ने इसे भारतीय रीति रिवाजों का मजाक बताते हुए बंद कराने की मांग की है। लोगों के आक्रोश को देखते हुए पुलिस भी चौकन्ना हो गई। ऐसे में पुलिस ने आयोजकों को हिदायद भी दे दी कि अगर कुछ भी भावनाओं को आहत करने वाला हुआ तो कार्रवाई तय है।

बसे मजेदार नकली शादी का निमंत्रण...

एक व्यापारिक प्रतिष्ठान की ओर से छह सितंबर को आयोजित होने वाली फर्जी शादी का एक निमंत्रण पत्र वायरल हो रहा है। इस निमंत्रण को अंग्रेजी में बिल्कुल शादी के निमंत्रण की तरह लिखा गया है। ये एक पार्टी का सशुक्ल निमंत्रण है जिसे एक नकली शादी की शक्ल दी गई है। शीर्षक भी लिखा है कि सबसे मजेदार नकली शादी। निमंत्रण भी कुछ ऐसे कि स्वागत है आपका सबसे पागलपंती वाली शादी में। यहां दूल्हा होगा न दुल्हन केवल बराती शो चुराने आएंगे। इसे लेकर हिंदूवादी संगठन के लोगों में आक्रोश है।

आयोजकों को चेतावनी दी गई

प्रांत मिलन प्रमुख बजरंग दल विकास वर्मा ने कहा कि यह देवभूमि है। यहां के मंदिरों में लोग दूर-दूर से शादियां करने आते हैं। ऐसे में इस तरह के आयोजन देवभूमि की छवि को धूमिल करने वाले हैं। हिंदू रीति रिवाज का मजाक उड़ाने वाले हैं। वर्मा ने बताया कि

इस मामले में आयोजकों को चेतावनी दी गई है। हिंदू रक्षा दल के प्रदेश अध्यक्ष ललित शर्मा ने कहा कि यदि आयोजन करने वाले नहीं मानते तो उनके खिलाफ प्रदर्शन किया जाएगा। शादियां भारतीय परंपरा में एक संस्कार होते हैं उनका इस तरह से मजाक बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

युवक युवतियों के लिए ड्रेस कोड

इस फर्जी शादी के लिए बकायदा युवक और युवतियों के लिए अलग ड्रेस कोड रखा गया है। युवकों को कुर्ता पहनकर आना है जबकि युवतियां भारतीय पोशाक में आएंगी और मेहंदी भी लगी होनी चाहिए। बता दें कि इस तरह की पार्टियां बड़े शहरों में होती हैं। इनमें गोवा, गुरुग्राम और दिल्ली मुंबई जैसे शहर शामिल हैं। इनका धीरे-धीरे ट्रेंड देहरादून तक भी पहुंच गया है। पुलिस ने इस आयोजन की पूरी डिटेल मंगवाई है। आयोजकों को चेतावनी दी गई कि इस तरह के आयोजन से यदि भारतीय परंपराओं और धार्मिक भावनाओं को आहत पहुंची तो निश्चित रूप से इसमें कार्रवाई की जाएगी और आयोजन नहीं होने दिया जाएगा। -अजय सिंह, एसएसपी देहरादून

यमुनोत्री हाईवे : 13वें दिन भी रास्ता बंद, कई गांवों में नेटवर्क ठप, स्याना चट्टी कस्बे को किया जा रहा सुरक्षित

उत्तरकाशी: लगातार बारिश के कारण यमुनोत्री हाईवे 13वें दिन भी नहीं खुल पाया है, जिससे यात्रियों और स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ गई है। स्यानाचट्टी से आगे करीब चार स्थानों पर हाईवे बंद है जिसे खोलने का काम जारी है। हालांकि जंगलचट्टी में पहाड़ी से लगातार गिर रहे बोल्डरों के कारण सड़क खोलना एक बड़ी चुनौती बना हुआ है।

सड़क मार्ग बाधित होने के कारण यमुनोत्री धाम और गीठ पट्टी के कई गांवों में राशन सामग्री की आपूर्ति रुक गई है। वहीं इन क्षेत्रों में पिछले छह दिनों से बिजली और नेटवर्क सुविधा भी ठप पड़ी है जिससे लोगों को अंधेरे में रातें गुजारनी पड़ रही हैं और संचार में भी भारी दिक्कत आ रही है। स्थानीय नेताओं और ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द हाईवे और बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग की है।

इसके साथ ही आपदा प्रभावित क्षेत्रों में रसोई गैस सिलेंडर और अन्य आवश्यक सामग्री पहुंचाने का भी अनुरोध किया है। अपर जिलाधिकारी मुक्ता मिश्र ने भी बृहस्पतिवार को स्यानाचट्टी क्षेत्र का निरीक्षण कर अधिकारियों को समन्वय बनाकर जल्द से जल्द आवश्यक सुविधाएं बहाल करने के निर्देश दिए हैं।

कॉपर की वायर बेचने के नाम पर उद्योगपति से 20 लाख रुपये ठगे

गाजियाबाद। बुलंदशहर रोड स्थित औद्योगिक क्षेत्र स्थित मैसर्स कुमार मैटल क्राफ्ट कंपनी के मालिक दीपक कुमार शर्मा ने आरोपी राजेश जैन के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि राजेश जैन ने उन्हें कॉपर की वायर बेचने का झांसा दिया और बतौर एडवांस 20 लाख रुपये ऑनलाइन ठग लिए। बाद में पता चला कि जिस गोदाम पर माल लेने तीन ट्रक भेजे गए थे वह राजेश जैन का नहीं है। पीड़ित उद्योगपति ने आरोपी के खिलाफ कविनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि पीड़ित दीपक कुमार शर्मा के अनुसार 26 अगस्त को राजेश जैन नाम के व्यक्ति ने उन्हें कॉल किया और कॉपर की वायर बेचने का झांसा दिया। पूर्व से कंपनी मालिक राजेश जैन से परिचित थे तो उन्होंने विश्वास कर लिया। मोबाइल पर वीडियो कॉल कर राजेश ने गोदाम में कॉपर की वायर और लोकेशन भी दिखाई। इसके बाद दीपक शर्मा ने तीन ट्रक दिल्ली के मंडोली स्थित बताए गए गोदाम पर वायर लेने भेज दिए। इसी बीच राजेश का फोन आया और बताया कि तीनों गाड़ियों में मॉल लोड करा दिया है। 65 लाख रुपये की कीमत का माल ट्रकों में भरा है। ऐसे में भुगतान देने की बात कही। हालांकि दीपक ने विरोध किया कि माल आपूर्ति होने के बाद भुगतान होगा। ऐसे में राजेश जैन ने 20 लाख रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर करा लिए। करीब एक घंटे बाद ट्रक चालक ने दीपक शर्मा को बताया कि गोदाम से गाड़ी नहीं भेजी जा रही है। दीपक शर्मा ने राजेश जैन को कॉल किया तो उसका मोबाइल बंद आया।

सिस्टम से सवाल...पशुओं के लिए राहत का ठिकाना या फिर भूख का कैदखाना, बेजुबान अपना दर्द आखिर किससे कहें

- राजपुरा स्थित नगर निगम की गोशाला में पल रहे 324 पशुओं की हड्डियां अब साफ दिखने लगी हैं। वजह है भरपेट चारा न मिलना। शासन की मंशा थी कि इन बेघर जानवरों को सुरक्षित सहारा मिले, मगर जमीनी हकीकत यह है कि दया की मिसाल कही जाने वाली गोशाला आज कुपोषण और अव्यवस्था की दर्दनाक तस्वीर बन चुकी है।

हल्द्वानी : हल्द्वानी की राजपुरा गोशाला में पल रहे 324 गोवंश और अन्य पशु कुपोषण की गिरफ्त में हैं। जिन पशुओं को दया और सेवा की मिसाल माना जाता है वे अब अपनी उभरी हड्डियों से भूख और लाचारी की कहानी सुना रहे हैं। कभी सड़कों पर भटकते, हादसों को न्योता देते लावारिस पशु अब गोशाला की चारदीवारी के भीतर भी सुकून से नहीं जी पा रहे। राजपुरा स्थित नगर निगम की गोशाला में पल रहे 324 पशुओं की हड्डियां अब साफ दिखने लगी हैं। वजह है भरपेट चारा न मिलना। शासन की मंशा थी कि इन बेघर जानवरों को सुरक्षित सहारा मिले, मगर जमीनी हकीकत यह है कि दया की मिसाल कही जाने वाली गोशाला आज कुपोषण और अव्यवस्था की दर्दनाक तस्वीर बन चुकी है। लावारिस पशुओं के कारण शहर में बढ़ते हादसों और जानमाल के नुकसान पर हाईकोर्ट के आदेश के बाद प्रशासन ने राजपुरा और हल्दूचौड़ में गोशालाओं का निर्माण कराया। राजपुरा गोशाला का संचालन आश्रय संस्था को सौंपा गया। यहां गाय, सांड़, बैल, तीन भैंसें और बछड़े-बछिया समेत 324 पशु रह रहे हैं। गोशाला संचालिका निकिता सुयाल बताती हैं कि रोजाना 40 क्विंटल हरा और 30 क्विंटल सूखा चारा दिया जा रहा है। यानी हर पशु को प्रतिदिन औसतन 12.35 किलो हरा और 9.26 किलो भूसा मिल रहा है। जबकि वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी आर.के. पाठक के अनुसार एक स्वस्थ पशु को रोजाना 25 किलो हरा और 10 किलो सूखा चारा चाहिए। यानी हर दिन एक जानवर को करीब आधा ही चारा मिल पा रहा है। नतीजतन कई गायों की पसलियां तक दिखने लगी हैं।

आंकड़ों का गणित, भूख की सच्चाई

जरूरतः 324 पशुओं को प्रतिदिन 8100 किलो हरा और 3240 किलो सूखा चारा चाहिए। मिल रहाः 4000 किलो हरा और 3000 किलो सूखा चारा। कमीः हर जानवर को रोजाना 12.65 किलो हरा और 0.74 किलो सूखा चारा कम मिल रहा है।

अनुदान बनाम खर्च

पशुपालन विभाग हर पशु पर प्रतिदिन 80 रुपये अनुदान देता है। कुल अनुदानः 25,920 रुपये प्रतिदिन, यानी करीब 7.77 लाख रुपये मासिक। खर्च केवल चारे पर ही 24,280 रुपये प्रतिदिन।

कर्मचारियों के वेतन (12 कर्मचारी . 12,000) पर 1.44 लाख रुपये मासिक।

कुल मासिक खर्चः 8.72 लाख रुपये यानी अनुदान से करीब 1 लाख रुपये अधिक।

मौतें और मजबूरियां

गोशाला में अब तक 50 पशुओं की मौत हो चुकी है। संचालिका निकिता सुयाल और पशु चिकित्साधिकारी मनोज पाठक का कहना है कि इनमें से अधिकांश जानवर पहले से बीमार या हादसों में घायल थे। यह बात मान भी लें तो सच्चाई यह भी है कि कुपोषण और अव्यवस्था से उनकी हालत और बिगड़ गई। अंततः उनका जीवन खत्म हो गया।

जिम्मेदारों की दलीलें

पशु अस्पताल के डॉक्टरों की टीम रोजाना गोशाला में जाकर पशुओं की निगरानी करती है। घायल जानवरों का नियमित उपचार होता है। सभी जानवरों की टैगिंग के आंकड़े हमारे पास उपलब्ध हैं। राजपुरा की ट्रांजिट गोशाला से स्वस्थ्य पशुओं को गंगापुर कबडवाल की गोशाला में शिफ्ट कर दिया जाता है। -धीरेश जोशी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी

गोशाला में पशुओं के लिए रहने व पीने के पानी की व्यवस्था नगर निगम ने की है। इस गोशाला का संचालन निजी संस्था पशु पालन विभाग की निगरानी में कर रही है। हमारी टीम समय-समय पर चेकिंग करती है। शहर के पशुओं को पकड़कर यहां छोड़ा गया है। पशुओं का यदि कम खाना मिल रहा है तो इसकी जांच कराई जाएगी। - गणेश भट्ट, प्रभारी नगर आयुक्त

गोशाला में पल रहे पशुओं की दिन भर सेवा की जाती है। उन्हें समय पर खाना-पानी दिया जाता है। जिन पशुओं की मौत हुई, उसमें अधितर सड़क दुर्घटना में घायल होकर पहुंचे थे। पशुओं को खास मौके पर लोग भी चारा व फल देकर जाते हैं।

डिजिटल अरेस्टः साइबर ठगी रोकने के लिए हर थाने तक पहुंचाएं एसओपी, हाईकोर्ट ने दिए निर्देश

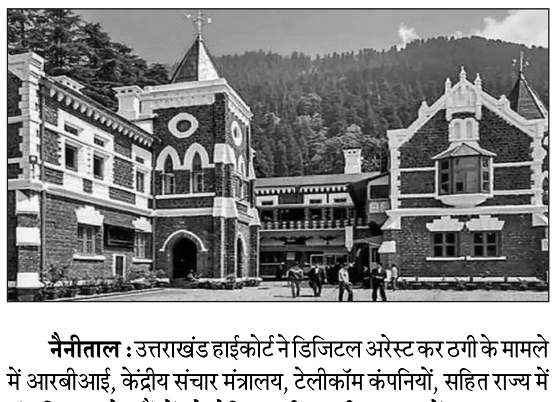

नैनीताल : उत्तराखंड हाईकोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट कर ठगी के मामले में आरबीआई, केंद्रीय संचार मंत्रालय, टेलीकॉम कंपनियों, सहित राज्य में संचालित प्राइवेट बैंकों को नोटिस जारी कर तीन सप्ताह में जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। कोर्ट ने साइबर अपराध को रोकने के लिए जारी एसओपी हर थाने तक प्रसारित करने के निर्देश दिए। पिछली तिथि में कोर्ट ने याचिकाकर्ता से आरबीआई सहित बैंकों को पक्षकार बनाने को कहा था। सुनवाई के दौरान आइजी कानून व्यवस्था नीलेश आनंद भरणे, और एसएसपी साइबर क्राइम नवनीत भुल्लर वर्चुअली कोर्ट में पेश हुए। उन्होंने बताया कि साइबर अपराध को रोकने के लिए विभाग ने एसओपी जारी कर दी है। कोर्ट ने निर्देश दिए कि एसओपी प्रदेश के हर थाने में प्रसारित करें और जागरूकता अभियान भी चलाएं जिससे लोग साइबर ठगी से बच सकें। इससे पूर्व की सुनवाई में उत्तराखंड उच्च न्यायालय में एक सनसनीखेज मामले का खुलासा हुआ था, जिसमें राज्य के जजों और पुलिस अधिकारियों के नाम से एनबीडब्ल्यू (गैर-जमानती वारंट) जारी कर जुमार्ना वसूलने वाले एक बड़े स्कैम का पदार्फाश हुआ था। इस मामले में चार बैंक अकाउंट्स के जरिए लोगों से पैसे ऐंठे जा रहे थे।

मुख्य न्यायाधीश जी नरेंदर और जस्टिस सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। मामले में सुरेन्द्र कुमार ने याचिका दायर कर कहा था कि एक माह पूर्व दो अलग फोन नंबरों से फोन कर उन्हें अपर जिला जज देहरादून की अदालत से गैर जमानती वारंट जारी होने व 30 हजार रुपये तत्काल जमा करने को कहा गया था। इस राशि को जमा करने को जिला देहरादून के नाम सहित चार अन्य स्कैनर भी दिए गए।

एक अर्पित के नाम पर छह अर्पित कर रहे नौकरी, वेतन भी ले रहे; स्वास्थ्य विभाग की नियुक्तियों में फजीर्वाड़ा

- अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के जरिये स्वास्थ्य विभाग में मई 2016 में एक्सरे टेक्नीशियन की भर्ती हुई। तत्कालीन निदेशक (पैरामेडिकल) एसी त्रिपाठी के आदेश पर 403 एक्सरे टेक्नीशियन की अलग अलग जिलों के अस्पतालों में नियुक्ति की सूची जारी की गई।

लखनऊ : स्वास्थ्य विभाग की नियुक्तियों में बड़ा फजीर्वाड़ा है। अर्पित सिंह के नियुक्ति पत्र पर अलग-अलग जिलों में छह अलग अलग लोग नौकरी कर रहे हैं। मानव संपदा पोर्टल पर भी सभी के नाम दर्ज हैं। हर माह वेतन भी ले रहे हैं। फिर भी विभागीय अधिकारी आंख बंद किए हैं।

अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के जरिये स्वास्थ्य विभाग में मई 2016 में एक्सरे टेक्नीशियन की भर्ती हुई। तत्कालीन निदेशक (पैरामेडिकल) एसी त्रिपाठी के आदेश पर 403 एक्सरे टेक्नीशियन की अलग अलग जिलों के अस्पतालों में नियुक्ति की सूची जारी की गई। सूची में सिर्फ एक अर्पित सिंह का नाम है। क्रमांक 80 पर रजिस्ट्रेशन क्रमांक 50900041299 पर अर्पित सिंह पुत्र अनिल कुमार सिंह, जन्मतिथि 12 जून

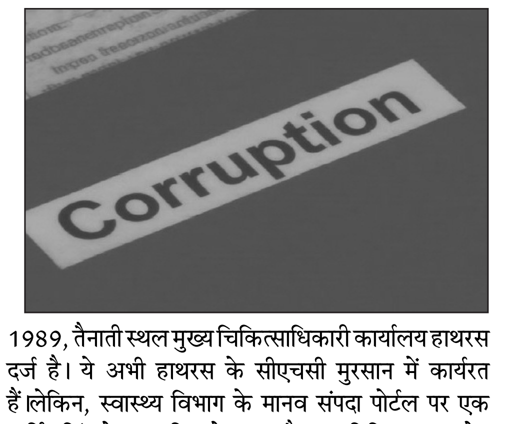

1989, तैनाती स्थल मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय हाथरस दर्ज है। ये अभी हाथरस के सीएचसी मुरसान में कार्यरत हैं। लेकिन, स्वास्थ्य विभाग के मानव संपदा पोर्टल पर एक अर्पित सिंह के नाम, पिता के नाम और जन्मतिथि पर छह लोग नौकरी कर रहे हैं। इनमें चार का स्थायी पता भी एक ही है। ये सभी शामली, रामपुर, फरुर्खाबाद, बांदा, बलरामपुर और बदायूं में कार्यरत हैं। छह कार्मिकों का नाम, पिता का नाम और जन्मतिथि एक होना संदेह पैदा करता है। जांच कराई जाएगी। फर्जी नियुक्ति होगी तो दोषियों को सजा मिलेगी।

पंतनगर में 5432 मुर्गियों को मारकर दफनाया

पंतनगर। विवि के नगला शैक्षणिक कुक्कुट फार्म में बर्ड फ्लू की पुष्टि होने पर प्रशासन की टीम ने करीब 5432 मुर्गियों को मारकर दफना दिया है। इससे यह फार्म अब मुर्गी विहीन हो गया है। तीन दिन से कोई भी अधिकारी या कर्मचारी इस मामले को लेकर कुछ बताने को तैयार नहीं है।

जीबी पंत विश्वविद्यालय के नगला डेयरी स्थित शैक्षणिक कुक्कुट फार्म में बीते माह करीब 16 हजार मुर्गियां थीं। बीती 13 अगस्त को 150 मुर्गियों के मरने से शुरू हुआ आंकड़ा देखते-देखते 500 मुर्गी प्रतिदिन तक पहुंच गया।

मृत मुर्गियों की जांच के लिए नमूने इंडियन वेटनरी रिसर्च इंस्टीट्यूट बरेली (आईवीआरआई) भेजे गए, जहां बर्ड फ्लू (एच 5 एन1 एवियन इन्फ्लुएंजा वायरस) निगेटिव आया। बावजूद इसके मुर्गियों के मरने का सिलसिला नहीं थमा।

इसके बाद नमूने वेटनरी कॉलेज भोपाल भेजे गए, जहां मुर्गियों में बर्ड फ्लू संक्रमण पाया गया। आननफानन एक सितंबर को ऊधम सिंह नगर के चीफ वेटनरी ऑफिसर डॉ. आशुतोष जोशी के नेतृत्व में टीम ने फार्म में बचीं 5432 मुर्गियों को वैज्ञानिक तरीके से मारकर दफनाया। फार्म के द्वार को बैरिकेडिंग लगाकर बंद कर दिया गया है।

पूर्व में पंतनगर विवि के शैक्षणिक कुक्कुट फार्म से भेजे सैंपल में आईवीआरआई बरेली की रिपोर्ट बर्ड फ्लू निगेटिव आई थी। फिर भोपाल भेजे गए सैंपल में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई। इसके बाद फार्म में 5432 मुर्गियों को मारकर दफना दिया गया है। एहतियातन महामारी के फैले रहने तक फॉर्म को बंद रखने के लिए कहा गया है।

नहीं थमा मौत का सिलसिला

बर्ड फ्लू की आशंका के चलते एहतियातन मुर्गियों को बर्तन की जगह पानी सीधे दिया गया। स्थिति पर नजर रखने के लिए डीन वेटरनरी की अध्यक्षता में कमेटी भी गठित हुई। पर मुर्गियों की मौत का सिलसिला नहीं थमा और अंततः उनमें बर्ड़ फ्लू की पुष्टि हुई।

एक किमी. क्षेत्र माना जाता है इन्फेक्टेड जोन

एसडीएम किच्छा गौरव पांडेय ने बताया कि जारी गाइडलाइन के अनुसार बर्ड फ्लू में एक किलोमीटर का क्षेत्र इन्फेक्टेड जोन माना जाता है। जबकि 10 किलोमीटर का क्षेत्र सर्विलांस जोन माना जाता है।

आज कई कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे सीएम

गुरुग्राम। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शुक्रवार को गुरुग्राम दौरे पर रहेंगे। निर्धारित शेड्यूल के अनुसार मुख्यमंत्री शहर में आधुनिक यातायात व्यवस्था को विस्तार देते हुए विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। डीसी अजय कुमार ने मुख्यमंत्री के निर्धारित शेड्यूल की जानकारी देते हुए बताया कि गुरुग्राम में ऐतिहासिक दिन होने जा रहा है। सबसे पहले प्रातः 9 बजे मुख्यमंत्री सैनी की अध्यक्षता में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक सेक्टर 43 स्थित पावरग्रिड के ऑडिटोरियम में आयोजित होगी। इस बैठक में जिले से जुड़ीं विभिन्न जनसमस्याओं को सुना जाएगा और मौके पर ही उनके समाधान के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए जाएंगे। डीसी अजय कुमार ने बताया कि जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक के उपरांत मुख्यमंत्री नायब सैनी, केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य तथा ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल के साथ गुरुग्राम में प्रस्तावित मेट्रो विस्तार परियोजना का भूमि पूजन करेंगे। यह कार्यक्रम गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) कार्यालय, सेक्टर-44 के सामने स्थित पार्किंग क्षेत्र में आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि भूमि पूजन कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, गुरुग्राम विधायक मुकेश शर्मा, सोहना विधायक तेजपाल तंवर तथा पटौदी विधायक बिमला चौधरी की भी उपस्थिति रहेगी। डीसी ने बताया कि भूमि पूजन के बाद गुरुग्राम विश्वविद्यालय परिसर में जनसभा का आयोजन किया जाएगा। यहां मुख्यमंत्री जनता को संबोधित करेंगे और मेट्रो विस्तार परियोजना से होने वाले लाभ की जानकारी देंगे। उन्होंने कहा कि यह परियोजना केवल यातायात सुविधा का विस्तार नहीं बल्कि गुरुग्राम की आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक प्रगति को भी नई गति देगी।

शेयर बाजार में निवेश पर मुनाफे का झांसा देकर 50.60 लाख रुपये ठगे

फरीदाबाद। शेयर बाजार में निवेश पर मुनाफे का झांसा देकर सेक्टर-22 निवासी व्यक्ति से 50.60 लाख रुपये ठग लिए गए। शिकायतकर्ता के अनुसार व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़कर ठगों ने खाता खुलवाया और निवेश पर 2-3 महीने में 850 प्रतिशत मुनाफे का भरोसा दिया। लालच में आकर शिकायतकर्ता ने रुपये निवेश कर दिए लेकिन रिफंड के दौरान और रुपये मांगे जाने लगे। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि साइबर क्राइम थाना एनआईटी पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ठगी को लेकर पुलिस को यह शिकायत सेक्टर-22 इलाके के रहने वाले सुभाष ने दी है। इनका कहना है कि आईआईएफएल कंपनी से ये 15 जुलाई 2025 में व्हाट्सएप लिंक के जरिये जुड़े थे। ये कंपनी एप से निवेश ग्रुप चलाती है। ग्रुप में लिंक देकर सदस्यों को खाता खोलने को कहा गया। फिर खाते में रुपये निवेश करने को ग्रुप के सदस्यों को कहा गया। इसके लिए वो बैंक खाते की डिटेल देते थे। फिर प्रिया देसाई ने इन्हें एक नए ग्रुप में जोड़ा जिसका नाम वीआईपी सर्विस ग्रुप 710 था। हर दिन शाम को उनके डायरेक्टर आनंद शेयर में निवेश का प्लान देते थे। इसमें निवेश करने पर 2-3 महीनों में 850 प्रतिशत मुनाफा होने का दावा किया गया।

रामलीलाओं और दुगार्पूजा को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की ऐतिहासिक घोषणाएं

पहली बार 1200 यूनिट तक मिलेगी फ्री बिजली की सुविधा: सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की रेखा सरकार ने इस बार रामलीलाओं व दुगार्पूजा को और अधिक भक्तिभाव और आस्था से परिपूर्ण व निर्बाध आयोजन व मंचन के लिए विशेष निर्णय लिए हैं। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने घोषणा की है कि अब रामलीला और दूगार्पूजा समितियों को सिंगल विंडो सिस्टम से सभी अनुमति व एनओसी उपलब्ध कराई जाएंगे। मुख्यमंत्री का यह भी कहना है कि प्रत्येक प्रत्येक समिति को अब आयोजन के लिए 1200 यूनिट तक मुफ्त बिजली भी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा सरकार की ओर से सफाई, पानी, स्वास्थ्य सुविधाएं आदि भी उपलब्ध कराई जाएंगी। मुख्यमंत्री ने आयोजकों से यह भी अपील की है कि वे अपने इस धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजनों में सामाजिक संदेश भी फैलाएं ताकि लोगों में जागरुकता आए और वे दिल्ली को लेकर एक पॉजिटिव अप्रोज रखें। मुख्यमंत्री ने आयोजकों से यह

भी अपील की कि वे अपने आयोजन को आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन 17 सितम्बर से लेकर 2 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा पखवाड़े से भी जोड़ें।

इस मसले को लेकर मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने दिल्ली सचिवालय में एक विशेष बैठक आयोजित की, जिसमें पूरी दिल्ली की रामलीला व दूगार्पूजा समितियों के पदाधिकारी मौजूद थे। बैठक में बिजली मंत्री श्री आशीष सूद, कला व संस्कृति मंत्री श्री कपिल मिश्रा के अलावा कई विधायक, दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव, डीडीए उपाध्यक्ष, एमसीडी कमिश्नर, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी व संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की रामलीलाएं और दुर्गा पूजा न केवल धार्मिक आस्था का उत्सव हैं बल्कि ये हमारी सांस्कृतिक धरोहर और सामाजिक एकता के प्रतीक भी हैं। ये पर्व हमारे सामाजिक ताने-बाने, एकता और भाई-चारे का भी प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि लिए हमारी सरकार की जिम्मेदारी है कि सभी आयोजन पूर्ण आस्था व भक्तिभाव, सुचारू और सुरक्षित ढंग से पूरे हों। इसलिए उन्हें हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाए, ताकि नागरिक पूरी श्रद्धा और आनंद के साथ उत्सव का हिस्सा बन सकें।

मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने यह भी कहा कि यह प्रभु श्रीराम की कृपा है कि 27 वर्षों बाद भारतीय जनता पार्टी की सरकार दिल्ली में बनी है। यह सरकार जनता की आशाओं-अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए संकल्पबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि इसीलिए हमारी सरकार ने निर्णय लिया है कि रामलीला व दुगार्पूजा के अयोजन के लिए जिला स्तर पर डीएम कार्यालय में सिंगल विंडो सिस्टम बनाया जाए, जहां सभी आयोजकों को सभी प्रकारी की अनुमति व एनओसी उपलब्ध होंगे। इसके लिए उन्हें अलग-अलग विभागों में नहीं घूमना पड़ेगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि प्रत्येक रामलीला व दुगार्पूजा आयोजन के लिए 1200 यूनिट तक निशुल्क बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा बिजली मीटर लगाने के लिए मात्र 25 प्रतिशत सिक्युरिटी ही जमा करानी होगी। यानि पिछले साल जितनी सिक्युरिटी थी, अब उसका एक चौथाई ही जमा करने के बाद बिजली का कनेक्शन मिल जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि आयोजन स्थलों पर सफाई, फॉगिंग, पानी के टैंकर, स्वास्थ्य सुविधाएं, एंबुलेंस, शौचालय, फायर टेंडर और पुलिस व्यवस्था के भी सुचारू इंतजाम किए जाएंगे। ट्रैफिक व्यवस्था और पार्किंग की स्पष्ट व्यवस्था भी करवाई जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन दोनों बड़े व विशेष आयोजन के लिए दो अलग-अलग कमेटियां बनाई जा रही हैं जो समितियों की समस्याओं का तुरंत समाधान करेंगी। इसमें एक समिति का चेयरमैन दिल्ली सरकार के मंत्री श्री रविंद्र इंद्राज सिंह को बनाया गया है। दूसरे की जल्द घोषणा की जाएगी। ये समिति आयोजकों के साथ निरंतर संवाद स्थापित करेगी, उनकी आवश्यकताओं और सुझावों को प्राथमिकता के आधार पर सुनेगी और तत्काल निर्णय लेकर उन्हें राहत प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज को सकारात्मक दिशा देना भी है। मुख्यमंत्री ने आयोजकों से आग्रह किया कि वे अपने आयोजन में सांस्कृतिक उत्सव के साथ-साथ विकसित दिल्ली के विजन को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनाएं। मुख्यमंत्री ने उनसे यह भी आग्रह किया कि आयोजक माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन 17 सितम्बर से लेकर 2 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा पखवाड़े से भी जोड़ें। वे अपने आयोजन में कम से कम एक दिन स्वास्थ्य शिविर लगाएं और सरकार द्वारा तैयार की गई प्रदर्शनी को अवश्य शामिल करें, ताकि जनता तक उपयोगी संदेश पहुंच सके।

जिम्मेदारियों से भागना केजरीवाल की फितरत है : वीरेन्द सचदेवा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है कि भाजपा ने हमेशा से माना ही नहीं कहा भी है कि आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल एक संवेदनहीन इंसान है जिन्हे जनता के दुख सुख से कोई संबंध नहीं वह केवल अपने राजनीतिक लाभ हानि का हिसाब रखते हैं और आज उन्होंने यह साबित भी कर दिया है।

श्री वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है कि आम आदमी पार्टी यानि अरविंद केजरीवाल शासित पंजाब बाढ़ ग्रस्त है, पंजाब में आज चारो ओर बबार्दी है, मुख्यमंत्री सरदार भगवंत मान अस्वस्थ हैं उस वक्त केजरीवाल पंजाब के जिन पंजाबियों ने उन्हे अभूतपूर्व समर्थन

दिया को भाग्य पर छोड़ कर गुजरात में राजनीतिक भ्रमण कर रहे हैं।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा है कि दिल्ली में भी जमुना किनारे बाढ़ का संकट है और चांदनी चौक एवं ओखला जिन दो विधानसभा क्षेत्रों में थोड़ा ज्यादा संकट है वहां से आज भी "आप" विधायक पर अरविंद केजरीवाल को उनकी भी चिंता नहीं है।

सरकार की लापरवाही से बढ़ा बाढ़ का नुकसान, पीड़ितों को नहीं मिल रही पर्याप्त मदद: आदेश भारद्वाज

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर जाने के कारण आई बाढ़ से स्थिति गंभीर हो गई थी। हालांकि अब जलस्तर कम हो रहा है, लेकिन बाढ़ पीड़ितों की समस्याएँ कम होने के बजाय बढ़ती जा रही हैं। इस बीच, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव के निर्देश पर, करावल नगर के जिलाध्यक्ष आदेश भारद्वाज और ब्लॉक अध्यक्ष खेमचंद सैनी व सुजीत सिंह ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने बदरपुर खादर, बुराड़ी और सोनिया विहार जैसे प्रभावित इलाकों में लगे बाढ़ राहत शिविरों का जायजा लिया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने दिल्ली की बीजेपी सरकार पर बाढ़ पीड़ितों की मदद में

लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। आदेश भारद्वाज ने कहा कि अगर सरकार ने समय रहते कदम उठाए होते, तो नुकसान को कम किया जा सकता था। उन्होंने आरोप लगाया कि हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से लाखों क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बावजूद सरकार ने कोई प्रभावी रणनीति नहीं बनाई। आदेश भारद्वाज ने दावा किया कि कांग्रेस ने 31 अगस्त को ही सरकार को बाढ़ के खतरे के बारे में आगाह कर दिया था, लेकिन उनकी चेतावनी को नजरअंदाज किया गया। इसका परिणाम यह हुआ कि हजारों लोग बाढ़ से प्रभावित हुए और आज राहत शिविरों में भी बुरी व्यवस्था है। राहत शिविरों में भोजन, पानी, दवाइयों और चिकित्सा सुविधाओं की कमी की शिकायतें सामने आईं। उन्होंने बीजेपी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार सिर्फ घोषणाएं कर रही है, जबकि जमीनी स्तर पर कोई राहत कार्य नहीं हो रहा है। लोग अपनी जान और आजीविका बचाने के लिए अकेले ही संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर आरोप लगाया कि सरकार की लापरवाही के कारण राहत शिविरों में रह रहे लोगों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

आदेश भारद्वाज ने केंद्र और दिल्ली सरकार से तुरंत प्रभावी कदम उठाने और पीड़ितों को मुआवजा देने की मांग की। उन्होंने खासतौर पर खेती की जमीनों में फसल के नुकसान का मुआवजा काश्तकारों (जो किराए पर खेती करते हैं) को देने की मांग की।

दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्य तेज किए, अजनाला में मैडीकल कैंप शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों में लगातार राहत और बचाव कार्यों में जुटी हुई है। डीएसजीएमसी ने बाढ़ प्रभावितों की मदद के लिए चिकित्सा सेवाएं भी शुरू की हैं। आज से, कमेटी ने अजनाला के हडरकलां और गुजरपुर गांवों में एसकेएस अस्पताल के सहयोग से एक मेडिकल कैंप की शुरूआत की है।

इस मेडिकल कैंप में डॉक्टरों की एक टीम मरीजों की जांच कर रही है और उन्हें मुफ्त दवाएं उपलब्ध करा रही है। इस कैंप की शुरूआत डीएसजीएमसी के महासचिव जगदीप सिंह काहलों और सदस्यों भूपिंदर सिंह गिन्नी और राजिंदर सिंह ख्याला की

मौजूदगी में हुई।

डीएसजीएमसी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलों ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के बाद मीडिया को बताया कि पिछले कई दिनों से राहत कार्य लगातार जारी हैं। डेरा बाबा नानक के डेरा पठाना और अजनाला में लंगर सेवा भी निरंतर चल रही है। कमेटी के सदस्य और 400 से ज्यादा स्वयंसेवक राहत कार्यों में लगे हुए हैं। लोगों को सूखा राशन, दवाएं, मच्छरदानी, तिरपाल और युवाओं को ट्रैक सूट जैसी जरूरी चीजें भी बांटी जा रही हैं।

स. कालका और स. काहलों ने बाढ़ प्रभावित लोगों को आश्वासन दिया है कि जब तक पानी पूरी तरह से निकल नहीं जाता और उनका जीवन सामान्य नहीं हो जाता, तब तक यह सेवा जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि दिल्ली की संगत भी दिल खोलकर राहत कार्यों में सहयोग कर रही है।

डीएसजीएमसी ने कहा कि पानी के निकलने के बाद बीमारियों के फैलने की आशंका को देखते हुए मेडिकल कैंप शुरू किए गए हैं। अभी दो गांवों में ये कैंप लगाए गए हैं, लेकिन जरूरत पड़ने पर और भी जगहों पर मेडिकल कैंप और एंबुलेंस सेवाएं चलाई जाएंगी। डीएसजीएमसी ने दोहराया कि वह पंजाब के लोगों की हर संभव मदद के लिए उनके साथ खड़ी है और आगे भी खड़ी रहेगी।

दिल्ली के कारोबारी से नंदू गिरोह ने मांगी पांच करोड़ रंगदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्रेटर कैलाश एक निवासी एक कारोबारी को धमकी देकर नंदू गैंग ने पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी है। पुलिस को शिकायत पर देने पर रंगदारी की रकम बढ़ाने के साथ ही कारोबारी और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई। कारोबारी को पिछले साल गोगी गैंग ने भी धमकी देकर पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी। ग्रेटर कैलाश थाना पुलिस ने शिकायत मिलने पर तीन सितंबर को मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में कारोबारी अंकुर अरोड़ा ने बताया कि 30 अगस्त की रात को उनके वाट्सएप पर एक मिस काल आई हुई थी। साथ ही उसी नंबर से कई मैसेज भी थे। मैसेज भेजने वाले ने खुद को कपिल सांगवान नंदू बताते हुए उनसे पांच करोड़ रुपये की रंगदारी की मांग की थी। आरोपितों के पास उनके और उनके परिवार के बारे में पूरी जानकारी है। साथ ही उनके घर व ऑफिस के एड्रेस भी उन्हें पता हैं। साथ ही उन्हें धमकी दी गई कि अगर इस बारे में पुलिस को बताया तो रंगदारी की रकम बढ़ाने के साथ ही कारोबारी और उसके परिवार को जान से मार दिया जाएगा।

आरोपितों ने कारोबारी को एक वीडियो भी भेजा जिसमें कुछ लोग फायरिंग करते दिखाई दे रहे हैं। उसके साथ ही मैसेज लिखा था कि कल ही छावला में दो जगह गोली चलवाई है, शौकीन प्रापर्टी पर पता कर लियो, अगली बारी तेरी है। अंकुर अरोड़ा को 19 माह में दूसरी बार धमकी देकर रंगदारी मांगी गई है।

यमुना का पानी मजनू का टीला की गलियों में घुसा, घर-दुकानें डूबीं, जनजीवन अस्त-व्यस्त

नई दिल्ली, एजेंसी। यमुना का उफनता पानी इस सप्ताह उत्तर दिल्ली के मजनू का टीला की तंग गलियों में घुस आया, जिससे दर्जनों घर और दुकानें जलमग्न हो गईं और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

पानी के उतरने के बाद इलाके में गीली लकड़ियां, टूटी मशीनें और ठहरे हुए नालों के गंदे पानी की बदबू अहसास कराती है कि बहुत कुछ अब नए सिरे से शुरू करना होगा।

नदी किनारे बसी इस तिब्बती कॉलोनी में आम दिनों में कैफे छात्रों से गुलजार रहते हैं, टैटू पार्लर की नियोन लाइट जलती हैं और किराए के कमरों में चलने वाले होम-स्पा व्यस्त रहते हैं। लेकिन अब बाढ़ ने रोजमर्रा की जिंदगी को संघर्ष में बदल दिया है।

बाढ़ ने रेस्टोरेंट से लेकर टैटू पार्लर, सैलून, होम-स्पा और परिधान दुकानों तक हर तरह के व्यवसाय को प्रभावित किया है। कई दुकान मालिक अब अपने दफ्तर में ही सोने को मजबूर हैं, जबकि मशीनों के खराब हो जाने से सेवाएं पूरी तरह ठप हो गई हैं।

रेस्टोरेंट चलाने वाले जुंगी ने बताया कि उनके रेस्टोरेंट के पीछे स्थित घर की छत तक पानी आ गया। 'पिछले 15 वर्ष से मेरा परिवार यह रेस्टोरेंट चला रहा है। हर बार जब यमुना का जलस्तर बढ़ता है, हमारा घर डूब जाता है। इस बार तो सब कुछ... बिस्तर, फर्नीचर, कपड़े... सब पानी में चला गया। रेस्टोरेंट ऊपरी मंज़िल पर है, इसलिए वह बच गया, लेकिन हमारा घर और सामान सब तबाह हो गया।'

कई दुकानदारों ने बताया कि उन्हें पास के होटलों में शरण लेनी पड़ी है।

मजनू का टीला में करीब दो दशक से रह रहे लाबसांग सेरिंग ने बताया कि कई परिवार ऊंचे इलाकों में किराए के कमरों में रह रहे हैं, जबकि कुछ लोग अपनी दुकानों के भीतर ही सो रहे हैं ताकि व्यवसाय से दूरी न हो।

इलाके में संचार व्यवस्था भी प्रभावित हुई है। मोबाइल नेटवर्क बाधित है और बिजली आपूर्ति भी अनियमित है। दुकानदारों ने बताया कि उन्होंने स्टाफ के साथ समन्वय के लिए वॉकी-टॉकी का इस्तेमाल शुरू किया है।

जुंगी ने कहा 'फोन बंद रखते हैं ताकि इमरजेंसी के लिए बैटरी बची रहे।'

कॉलोनी की निचली गलियों में चलने वाले व्यवसायों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। एक टैटू पार्लर के कर्मचारी ताशी ने कहा कि उनकी सभी मशीनें नष्ट हो गई हैं।

हमारी मशीनें हमने जमीन में लगा रखी थीं, और पूरा सेटअप पानी में डूब गया। इन मशीनों की कीमत लाखों में है। इनके बिना पार्लर नहीं चल सकता एक अन्य टैटू पार्लर के मालिक डेविड ने बताया कि अधिकतर इंक और उपकरण नष्ट हो गए हैं। हम दो रातों के लिए होटल में रुके। यहां गलियां इतनी तंग हैं कि पानी तेजी से नहीं निकलता। वहीं ठहर जाता है और मच्छरों व संक्रमण का खतरा पैदा करता है।

दुकानदारों का कहना है कि खराब सड़कों और कमजोर जल निकासी के कारण स्थिति और बिगड़ गई। जुंगी ने कहा सरकार अपनी तरफ से कोशिश कर रही है, लेकिन सड़कें बहुत संकरी हैं और पानी जल्दी नहीं निकलता। सांप और मच्छर हालात को और खराब कर रहे हैं। हम बस यही उम्मीद कर रहे हैं कि सब जल्दी सामान्य हो जाए। होम-स्पा में काम करने वाले कर्मचारियों ने भी भारी नुकसान की बात कही।

अपने घर के बेसमेंट में स्पा केंद्र चलाने वाली 26 वर्षीय न्यिमा ने कहा ह्यह्यमसाज बेड, ड्रायर्स, स्टीम मशीनें – सब खराब हो गए हैं। ग्राहकों ने बुकिंग रद्द कर दी है और हमें नहीं पता कि काम कब दोबारा शुरू हो पाएगा। इलाके के होटल अब अस्थायी आश्रय बन गए हैं, जहां परिवार और कर्मचारी एक कमरे में साथ रह रहे हैं।

मठ के पास स्थित एक होटल के कर्मचारी संदीप ने कहा हमारे होटल में पांच-छह कर्मचारी एक साथ रह रहे हैं। कुछ मालिकों ने किराया कम कर दिया ताकि लोग रुक सकें।

बाढ़ ने दुकानों में काम करने वालों की दिनचर्या को भी प्रभावित किया है। एक गिफ्ट शॉप में काम करने वाली अनीशा ने बताया कि उन्होंने बच्चों को पैसे लेकर तैरते हुए बेसमेंट से सामान निकालते देखा।

एक नजर

पूर्वांचल मोर्चा ने छठ पर्व के लिये रेलवे स्टेशन पर सुविधा केन्द्र की मांग की

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा पूर्वांचल मोर्चा अध्यक्ष श्री संतोष ओझा के नेतृत्व में आज एक प्रतिनिधिमंडल केन्द्रीय रेल मंत्री श्री अश्वनी वैष्णव से मिलकर उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मुख्य रुप से छठ महापर्व के पावन अवसर पर व्रतधारियों एवं श्रद्धालुओं की यात्रा सुगम बनाने हेतु प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर विशेष सहायता केन्द्र खोले जाने के लिए निवेदन किया गया। प्रतिनिधिमंडल में दिल्ली भाजपा के कार्यालय मंत्री श्री बृजेश राय, पूर्वांचल मोर्चा प्रभारी श्री विपिन बिहारी सिंह, सह प्रभारी श्री कौशल मिश्रा एवं श्री मनीष सिंह, मोर्चा महामंत्री श्री संजय तिवारी एवं विशाल सिंह चंदेल और श्री आशीष कुमार शामिल थे। ज्ञापन में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं श्री अश्वनी वैष्णव के कुशल नेतृत्व में ट्रेनों के विशेष 12000 फेरों की घोषणा करने के लिए धन्यवाद दिया। ज्ञापन में निवेदन किया गया है कि बिहार चुनाव के वक्त ही छठ महापर्व भी है और दिल्ली-एनसीआर सहित आस पास के इलाके जैसे नोएडा, गाज़ियाबाद, मेरठ, सोनीपत, गुड़गांव, फरीदाबाद इत्यादि क्षेत्रों में भी भारी संख्या में पूर्वांचल के लोग रहते हैं। यदि एनसीआर के स्टेशनों से भी ट्रेनों की संख्या बढ़ा दी जाये तो दिल्ली में छठ पूजा यात्रियों की संख्या का दबाव कम हो जायेगा। ज्ञापन में बताया गया कि साथ ही राजधानी दिल्ली एवं एनसीआर के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर व्रतधारियों एवं श्रद्धालुओं के लिए रेलवे मंत्रालय द्वारा अलग से सहायता-सुविधा केंद्र बना दिये जाएं तो इसका बहुत सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

धमकी देकर 13 साल की बच्ची से छह माह तक किया दुष्कर्म

नई दिल्ली, एजेंसी। सुभाष प्लेस इलाके में 13 साल की बच्ची को धमकी देकर छह माह तक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता के गर्भवती होने पर परिजनों को घटना की जानकारी हुई। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर शनिवार को आरोपी मकान मालिक को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, पीड़िता का परिवार किराए के मकान में रहता है। वहीं, घर से कुछ ही दूरी पर मकान मालिक भी परिवार के साथ रहता है। पीड़िता ने बताया कि बीते साल दिसंबर में मकान मालिक के 30 वर्षीय बेटे ने उसे अपने घर बुलाया और दुष्कर्म किया। आरोपी ने शादी का झांसा दिया और घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी। इसके बाद आरोपी ने तीन चार बार पीड़िता से दुष्कर्म किया। जब अगस्त माह में पीड़िता गर्भवती हो गई तो उसने आरोपी को जानकारी दी। आरोपी ने शादी करने से मना कर गर्भपात कराने के लिए कहा। इस बीच बीच परिजनों को पीड़िता के गर्भवती होने की जानकारी मिल गई। इसके बाद सारा घटनाक्रम सामने आया। परिजनों ने सुभाष प्लेस थाने में घटना की सूचना दी। इसके आधार पर दुष्कर्म, पोक्सो और धमकी देने की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया गया। पीएसआई वर्षा की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

सरकारी कॉलेजों में गवर्निंग बॉडी के गठन की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन नेशनल टीचर्स कांग्रेस (इंटेक) ने दिल्ली के 28 सरकारी कॉलेजों में गवर्निंग बॉडी के गठन की मांग की है। संगठन ने कहा है कि 12 सितंबर को होने वाली कार्यकारी परिषद की बैठक में इससे संबंधित एजेंडे को शामिल किया जाना चाहिए। इन कॉलेजों में 12 पूर्ण रूप से वित्तपोषित हैं। इंटेक चेयरमैन प्रो. पंकज गर्ग ने कहा कि इन संस्थानों में कार्यशील गवर्निंग बॉडी के लंबे समय से अभाव ने गंभीर प्रशासनिक और शैक्षणिक समस्याएं उत्पन्न कर दी है। इसके कारण शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्तियां काफी विलंब से हो रही हैं। इससे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और संस्थागत कार्यकुशलता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

हथियार बरामदगी मामले में युवक बरी

नई दिल्ली, एजेंसी। द्वारका जिला अदालत ने एक युवक को अवैध हथियार रखने के आरोप में बरी कर दिया। कुणाल उर्फ कैरा के खिलाफ वर्ष 2019 में प्राथमिकी दर्ज हुई थी। इसमें पुलिस ने दावा किया था कि उसके पास से देसी पिस्टल और कारतूस बरामद किए गए थे। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अभिनव अहलावत की अदालत ने अपने फैसले में कहा कि अभियोजन पक्ष आरोप सिद्ध करने में विफल रहा और जांच में कई गंभीर खामियां सामने आयी हैं। अदालत ने कहा कि पुलिस ने न तो मौके की डीडी एंट्री दर्ज की, न ही स्वतंत्र गवाहों को शामिल किया। बरामद हथियारों की सीलिंग और सबूतों की सुरक्षित रखरखाव प्रक्रिया का भी पालन नहीं किया गया।

ताला तोड़कर सवा लाख नकद और पांच तोला सोना ले उड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के खजूरी खास इलाके में अज्ञात चोरों ने घर का ताला तोड़कर 1.2 लाख नकद और करीब पांच तोला सोना पार कर दिया। पीड़ित को पड़ोसी ने घर का ताला टूटे होने की सूचना दी तो वे तत्काल मौके पर पहुंचे। इसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस मामला दर्ज कर छानबीन में जुटी है। पुलिस के मुताबिक, शिकायतकर्ता रोहित मोबाइल पार्ट्स बेचने का काम करते हैं। वह पिछले कुछ दिनों से पारिवारिक कारणों से अपना मकान छोड़कर किराए के मकान में रह रहे थे। 30 अगस्त को रात करीब 11:45 बजे उनके पड़ोसी पुनीत ने पीड़ित को कॉल कर बताया कि उनके घर का ताला टूटा हुआ है। घर पहुंचकर जांच करने पर पता चला कि मुख्य द्वार का दरवाजा टूटे होने के अलावा आलमारी में रखा नकदी व सोना गायब था। उन्होंने तत्काल पीसीआर कॉल कर पुलिस को सूचित किया। पुलिस सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है।

कांग्रेस ने की बाढ़ में डूबी फसलों के लिए मुआवजे की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने मांग की कि दिल्ली के लगभग 50 गांवों के किसान, जिनकी खड़ी फसलों का बाढ़ के पानी डूबने से हजारों एकड़ कृषि भूमि जलमग्न होने से हुए नुकसान का प्रति एकड़ 1,00,00 रुपये वित्तीय मुआवजा दिया जाना चाहिए। आर्थिक संकट झेल रहे अधिकतर किसानों ने कर्ज लेकर अपनी भूमि पर खेती करके अपने परिवार का पालन पोषण करते है, बाढ़ के कारण हुए नुकसान के बाद किसानों के समक्ष गंभीर हालात पैदा हो रहे है। देवेंद्र यादव ने रविवार को एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि भाजपा सरकार की निष्क्रियता के कारण यमुना में हथिनीकुंड बैराज से बड़ी मात्रा में छोड़े गए पानी और लगातार बारिश के कारण निचले तटीय क्षेत्रों में पानी भरने से कृषि भूमि को भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में थी, जब भी बारिश, बाढ़ या ओलावृष्टि के कारण फसल का नुकसान होता था, तो किसानों को 25,000-50,000 रुपये प्रति एकड़ तक की त्वरित वित्तीय राहत प्रदान की जाती थी। लेकिन दुर्भाग्यवश केजरीवाल सरकार ने 11 साल से अधिक समय में किसानों की पूरी तरह से उपेक्षा की और अब वर्तमान में भाजपा की सरकार किसानों की फसल डूबने से बर्बाद होने के बाद हुए नुकसान की अनदेखी करके किसानों के लिए वही रणनीति अपना रही है। देवेंद्र यादव ने कहा कि पल्ला, हिरंकी, बक्तावरपुर, सोनारपुर, तिजीपुर, जगतपुर और बुराड़ी सहित दिल्ली के लगभग 50 गांवों की कृषि भूमि पानी में पूरी तरह डूब गई है, जिससे हजारों ग्रामीणों में भारी आर्थिक संकट के बाद अनिश्चितता पैदा हो गई है, क्योंकि उनके पूरे परिवार की आजीविका पूरी तरह कृषि की उपज पर निर्भर थी।

व्यापार महासंघ के दखल पर नला बाजार व्यापारियों की तीनों मांगे मानी गई, बाजार पुन खोला गया

सागर शर्मा

राजस्थानः सागर शर्मा अजमेर से खबर दरगाह थाना पुलिस वृत्त अधिकारी लक्ष्मणराम ने कार्यवाही को बताया अनुचित-वंदिता राणा के नाम ज्ञापन ,अजमेर 21 अगस्त 2025 श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ के सस्थापक महासचिव एवं जिला सीएलजी व जिला शान्ति समिति के सदस्य रमेश लालवानी ने नला बाजार के व्यापारियो को सम्बोधित करते हुए और एक निजी होटल में दरगाह पुलिस के पुलिस उप अधीक्षक लक्ष्मणराम के साथ संयुक्त वार्ता में बताया कि 12 अगस्त को रीट कार्यालय के सभागार में जिला सीएलजी एवं जिला शान्ति समिति के मीटिंग में जिला मैजिस्ट्रेट लोक बंधु,पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा,एडीएम सिटी शहर गजेन्द्र सिंह राठौड,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दीपक कुमार की उपस्थित में दरगाह थाने से सदस्य योगेश शर्मा ने बताया कि दरगाह बाजार में दुकाने बन्द हो जाने के पश्चात फुटपाथ बाजार चालू हो जाता है उसके समस्त बाहरी लोग होते है और अनेक प्रकार के अवेघ कारोबार होते है।इसके पश्चात 18 अगस्त को कार्यवाही नही होने की बात सीएलजी ग्रुप में पोस्ट की।इससे दरगाह पुलिस ने नला बाजार में उनको निशाना बनाकर नला बाजार के व्यापारियो पर कार्यवाही करना प्रारम्भ किया रात्रि में अनेक व्यापारियो का समान ले गये एक व्यापारी को थाने ले गये।

इससे आक्रोशित होकर व्यापारियो ने बुधवरा रात्रि से अपने प्रतिष्ठान बन्द रखो और गुरूवार को भी बन्द रखकर बाजार में पुलिस के विरूद्व विशाल प्रदर्शन किया।इसके पश्चात दोपहर में लगभग 12.30 बजे पुलिस उप अधीक्षक एक होटल में श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ के प्रतिनिधि मण्डल से अध्यक्ष महेन्द्र बंसल,संस्थापक व महासचिव रमेश लालवानी,नला बाजार के अध्यक्ष राजेश चैरसिया,योगेश शर्मा,हीरा लाल ,सरदार भजन सिंह एवं अन्य के प्रतिनिधि मण्डल से वर्ता की जिसमें महासंघ ने पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के नाम ज्ञज्ञपन सीओ को देते हुए मांग की कि मदार गेट से ई रिक्शा प्रवेश बन्द हो,रात्रि में थडी मार्केट को बन्द किया जाये और दुकानदारों को प्राचीन समय से दो फुट पर रखी जाने वाली सामग्री को जारी रखा जाये।सीओ लक्ष्मणराम ने रात्रि की कार्यवाही को अनुचित बताया और तीनो मांगो को मानते हुए दुकाने खोलने का महासंघ के पदाधिकारियो से अनुरोध किया इससे महासंघ ने बाजारो को दोपहर एक बजे दुकाने खोलने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर महेन्द्र बंसल, रमेश लालवानी, ठाकुर प्रसाद, उमेश शर्मा, चन्द्रप्रकाश सोनी, प्रिवेश जोशी, राजेश चैरसिया, हीरालाल, प्रदीप अग्रवाल, कुशल शर्मा, अनिल गर्ग, ताराचन्द, मनीष।

यूनिक पब्लिक मिडिल स्कूल मे 79 वे स्वतंत्रता दिवस पर झंडा वंदन कर तिरंगा फहराया गया

आरिफ मोहम्मद

मध्य प्रदेशः स्कूल में संस्था द्वारा मां सरस्वती की फोटो पर माल्यार्पण आराधना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया जिसमें छात्र छात्राओं ने भारत माता की जय के उद्घोष नारे लगाए राष्ट के प्रति उत्साह पूर्वकछोटे छोटे बच्चों ने अपनी मधुर आवाज में राष्ट्रगीत की प्रस्तुति दी जिनका उत्साह यूनिक पब्लिक स्कूल संस्था द्वारा बढ़ाया गया। संस्था यूनिक पब्लिक स्कूल में छात्र परिषद् के गठन हेतु चुनाव प्रक्रिया कुछ समय पहले करवाई गई थी जिसमें सभी छात्र छात्राओं ने मतदान प्रणाली का प्रयोग कर मतदान किया था चुनाव परिणाम की घोषणा स्वतंत्रता दिवस के मौके पर की गई

अध्यक्ष उपाध्यक्ष) प्रेसिडेंट वाइस प्रेसिडेंट एवं छात्रा प्रमुख छात्र प्रमुख (हेड बॉय हेड गर्ल) को छात्र छात्रा परिषद का गठन कर परिषद को अपने कर्तव्यों की शपथ दिलाई गई ,एवं संस्था प्रधान एवं शिक्षकों ,संस्था की संचालक श्री मति वर्षा गोपाल जी पंड्या द्वारा हेड गर्ल, हेड बॉय, प्रेसिडेंट, वॉयस प्रेसिडेंट एवं मानिटर को बैज लगा कर परिषद को क्रियान्वित किया गया । स्वतंत्रता के महान बलिदानों को विद्यार्थियों द्वारा अपने संस्मरण के माध्यम से याद किया गया। छात्रा प्रमुख (हेड गर्ल) अक्सा खान

छात्र प्रमुख (हेड बॉय)मीत माली, अध्यक्ष (प्रेसिडेंट प्रीति परमार,) उपाध्यक्ष (वॉयस प्रेसिडेंट) तुषाग्र चौहान सभी कक्षाओं के मानिटर हेतु मनोनीत किया गया। परिषद का गठन लोकतांत्रिक तरीके से अपने मताधिकार के आधार पर किया गया। परिषद के चुनाव का संपादन अविनाश पंड्या, श्रीमती बबीता माली, क्रिस्टीना भूरिया, कृतिका खण्डेलवाल द्वारा किया गया

यूनिक पब्लिक मिडिल स्कूल में संस्था एवं छात्र छात्राओं द्वारा रक्षा बंधन हर्ष उल्लास से राखी बांध एवं श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर मटकी फोड़ का आयोजन संस्था द्वारा कर सभी आयोजनों को सफल बनाया उक्त कार्यक्रम में यूनिक पब्लिक मिडिल स्कूल के

श्री गोपाल पंड्या सर श्री मति वर्षा पंड्या मेम श्री अविनाश सर श्री कार्तिक सर श्री राहुल सर क्रिस्टीना मेम कृतिका मेम अंतिम मेम बबीता मेम अंजुम मेम मंजू मेम मुस्कान मेम पूरा स्टाफ उपस्थित रहा।

राजस्थान में हर गांव में संस्कार पाठशाला, शिक्षक भर्ती शुरू

रमेश कुमार

राजस्थानः मिनिस्ट्री ऑफ कल्चर भारत सरकार द्वारा पंजीकृत सर्वत्र शिक्षा समिति द्वारा पूरे राजस्थान के प्रत्येक गांव में संस्कार शिक्षक भर्ती शुरू की हुई है ! राज्य परियोजना निदेशक रमेश शाक्य ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्कार शिक्षक के लिए बारहवीं पास होना अनिवार्य है। जिनको सर्वत्र शिक्षा समिति द्वारा हर माह 9240 रुपए मानदेय दिया जाता है ! ओर बच्चों को निःशुल्क शिक्षा दी जाती है संस्कार पढ़ाए जाते है ! रमेश शाक्य ने कहा कि संस्कार शिक्षक के लिए आवेदन शुरू है इच्छुक आवेदन करवा सकते है ! वहीं जिला परियोजना नियंत्रण अधिकारी जिला हनुमानगढ़ अमित सारस्वत ने बताया कि सर्वत्र शिक्षा समिति से जुड़े ओर रोजगार करे।

गाजियाबाद में शर्मसार करने वाली घटना 23 वर्षीय मंदबुद्धि युवती से सामूहिक दुष्कर्म, पुलिस ने दर्ज की FIR

संदीप कुमार

उत्तर प्रदेशः लोनी कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली एक कॉलोनी से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां 23 वर्षीय मंदबुद्धि युवती, जो बोल और सुन नहीं सकती है, के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। आरोपियों ने युवती को बहला-फुसलाकर पास के जंगल में ले जाकर दरिंदगी की। परिजनों को जब घटना की जानकारी हुई तो उन्होंने तुरंत पुलिस को शिकायत दी। पीड़िता के पिता की तहरीर पर लोनी कोतवाली पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

पुलिस की कार्रवाई पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम का गठन किया गया है। आस-पास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। साथ ही आसपास के लोगों से पूछताछ भी की जा रही है, ताकि आरोपियों की पहचान जल्द की जा सके। पुलिस का कहना है कि दोषियों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। इलाके में आक्रोश इस घटना से पूरे इलाके में आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की जघन्य वारदात समाज के लिए कलंक है। लोग आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और कड़ी से कड़ी सजा की मांग कर रहे हैं। परिवार सदमे में पीड़िता का परिवार इस घटना से गहरे सदमे में है। परिवार का कहना है कि उनकी बेटी मानसिक रूप से कमजोर है और बोल व सुन नहीं सकती, ऐसे में उसकी असहायता का फायदा उठाकर दरिंदों ने घिनौना काम किया है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि आरोपियों की पहचान कर उन्हें जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। अधिकारियों ने कहा है कि पीड़िता को न्याय दिलाने में कोई कोताही नहीं बरती जाएगी।

एक नजर

मीरजापुर की मधुरिमा तिवारी को राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय शिक्षा पुरस्कार से नवाजा

सूरज मौर्य/उत्तर प्रदेशः शिक्षक दिवस के अवसर पर नई दिल्ली विज्ञान भवन उत्तर प्रदेश की तरफ से मेहनत लगन परिश्रम से कार्य करने वाली लोकप्रिय शिक्षिका श्रीमती मधुरिमा तिवारी उनके उत्कृष्ट कार्य दूरदर्शी सोच बच्चों को संस्कार में पिरोकर उत्कृष्ट शिक्षक कार्य करते हुए विद्यालय को उच्च कोटि का कहां रुके बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ प्रकृति से जोड़कर उनको सजाने और संवारने का कार्य किया आज विद्यालय जिले में ही। नहीं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी चमक को बिखेर रहा है बच्चों के भविष्य संवारने के लिए उत्कृष्ट कार्य हेतु महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रीय शिक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने माधुरी मां की उत्कृष्ट कार्य की सराहना करते हुए उनके कार्यों की प्रशंसा की।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अजमेर बाढ़ प्रभावित स्वस्तिक नगर का दौरा कर दिया मुआवजे का आश्वासन

सागर शर्मा/राजस्थानः अजमेर में राजस्थान उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी पहुंची अजमेर के स्वस्तिक नगर जहां बेराज की पाल टूटने की वजह से आज के दो दिन पूर्व बाड़ आई थी जिसके चलते लोगों का काफी हद तक नुकसान भी हुआ कई घर शातिगृहस्त भी हुए वहां की हालत जानने व वहां के

लोगों की परेशानी सुनने आई उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी कॉलोनी के हालात जानने के बाद उप मुख्यमंत्री ने लोगो को मुआवजा दिलवाने का भी आश्वासन दिया । ओर वही दूसरी ओर अजमेर सिख समुदाय द्वारा कर रहे सेवा का भी जायजा लिया और फॉयसागर रोड स्थित गुरुद्वारे में मत्था टेका वही सिख समुदाय को आगे बढ़ कर के रहे व्यवस्था के लिए धन्यवाद किया वही सरकार द्वारा किसी भी प्रकार की सहायता के लिए तत्पर रहने की बात कही।

अलवर में दलित महिला के साथ बर्बरता, फेफड़े फटे, icu में भर्ती

फूलचंद मालवीय/राजस्थानः अलवर जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक अनुसूचित जाति की महिला के साथ बेरहमी से मारपीट की गई। इस घटना में महिला के फेफड़े फट गए और वह गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती है। महिला के पैरों के गहने, जिनमें चांदी की कड़ी शामिल है, भी निकाले गए हैं, महिला को अचेत अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। वह वर्तमान में आईसीयू में जिंदगी और मौत के बीच लड़ रही है। डॉक्टरों की टीम उसकी हालत पर नजर रखे हुए है और उसे बचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। स्थानीय प्रशासन ने जांच के आदेश दिए हैं और पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। प्रशासन ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार करने का दावा कर रही है महिला के परिवार वाले न्याय की मांग कर रहे हैं और चाहते हैं कि दोषियों को कड़ी सजा मिले। परिवार का कहना है कि जब तक दोषियों को सजा नहीं मिलेगी, तब तक उन्हें चैन नहीं मिलेगा यह घटना अलवर जिले में एक बड़ा मुद्दा बन गई है और लोगों में आक्रोश है। लोग दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं और चाहते हैं कि ऐसे अपराधियों को कड़ी सजा मिले स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसी घटनाएं समाज के लिए एक बड़ा खतरा हैं और हमें इनके खिलाफ आवाज उठानी चाहिए।

राणापुर में हर्ष उल्लास के साथ नगर परिषद अध्यक्ष ने स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगा फहराया

आरिफ मोहम्मद

मध्य प्रदेशः राणापुर स्वतंत्रता दिवस की 79वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में राणापुर नगर के समस्त शासकीय अर्ध शासकीय संस्थाओं में ध्वजारोहण किया गया ।

एवं स्वतंत्रता दिवस के मौके पर मिठाइयां वितरीत की गई । उक्त समारोह बस स्टैंड स्थित परिसर में संपन्न हुआ, यहां

नगर परिषद अध्यक्ष सुश्री दीपमाला दिलीप नलवाया ने झंडा फहराया। इस अवसर पर उपस्थित जनता और छात्र छात्राओं को अपने संदेश में सुश्री दीपमाला नलवाया ने स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हुए अपने कार्यकाल में हुए विकास कार्यों का ब्यौरा प्रस्तुत किया । सुश्री दीपमाला नलवाया ने राणापुर को स्वच्छ एवं सुंदर विकासशील नगर बनाने की बात कही । कार्यक्रम का संचालन संदीप सकलेचा और दीपक टेलर ने किया ।

आभार नगर परिषद् सीएमओ लक्ष्मीकांत शर्मा ने व्यक्त किया। इस अवसर पर नगर के गणमान्य नागरिक,भाजपा और कांग्रेस के पदाधिकारी,पत्रकार, विभिन्न विभागों के अधिकारी,स्कूलों के प्राचार्य, शिक्षक शिक्षिकाएं आदि उपस्थित थे। मुख्य आयोजन के अलावा नगर की सभी स्कूलों में संस्था प्रमुखों ने ध्वजारोहण किया । अनेक संस्थाओं में सांस्कृतिक आयोजन भी किये गए । कन्या उमावि,सरस्वती ज्ञान मंदिर,श्री राज राजेंद्र पब्लिक स्कूल,गोल्डन फ्यूचर,सरस्वती शिशु मंदिर,यूनिक पब्लिक,विद्या मंदिर ,न्यू वे पब्लिक स्कूल आदि संस्थाओं ने बच्चो को स्वतंत्रता के वीर शहीदों के रूप में सजाकर रैली निकाली। जनपद पंचायत में जनपद अध्यक्ष श्रीमती निर्मला भानु भूरिया ने,बी ईओ कार्यालय में बी ईओ राकेश सोनी ने,बीआरसी कार्यालय में बीआरसी ने ,सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर बीएमओ उषा गेहलोत ने, पुलिस थाने पर टीआई दिनेश रावत ने,सांदीपनी उमावि में प्राचार्य अली ने,कन्या उमावि में प्राचार्य दशमसिंह बघेल ने ध्वजारोहण किया ।

दादरी में अवैध पटाखा फैक्ट्री का भंडाफोड़, 1500 किलो विस्फोटक बरामद

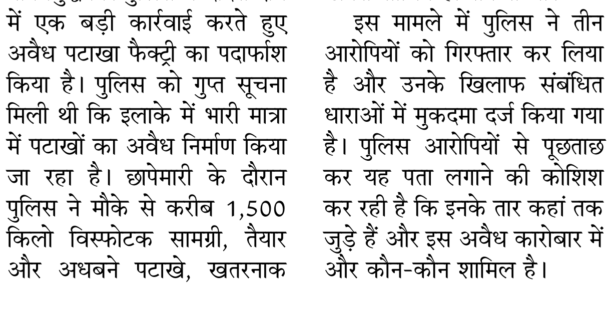

नरेंदर

उत्तर प्रदेशः गौतमबुद्धनगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दादरी में अवैध पटाखा फैक्ट्री का भंडाफोड़ गौतमबुद्धनगर पुलिस ने दादरी क्षेत्र में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध पटाखा फैक्ट्री का पदार्फाश किया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि इलाके में भारी मात्रा में पटाखों का अवैध निर्माण किया जा रहा है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से करीब 1,500 किलो विस्फोटक सामग्री, तैयार और अधबने पटाखे, खतरनाक रसायन और निर्माण उपकरण बरामद किए। इतनी बड़ी मात्रा में बरामद विस्फोटक आसपास के लोगों की जान के लिए गंभीर खतरा साबित हो सकता था।

इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उनके खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इनके तार कहां तक जुड़े हैं और इस अवैध कारोबार में और कौन-कौन शामिल है।

जामिया हमदर्द ने एनआईआरएफ रैंकिंग 2025 में फामेर्सी में भारत में शीर्ष स्थान को रखा बरकरार

कमर अली इदरीसी
एनसीआर समाचार

नई दिल्लीः भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग ढांचा (एनआईआरएफ) 2025 में जामिया हमदर्द ने एक बार फिर फामेर्सी श्रेणी में भारत में प्रथम स्थान (नंबर 1) प्राप्त कर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन को दोहराया है।

यह रैंकिंग माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा 4 सितंबर 2025 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित एक विशेष समारोह में घोषित की गई। समारोह में देशभर की शीर्ष उच्च शिक्षण संस्थाओं को सम्मानित किया गया।

जामिया हमदर्द को यह गौरव लगातार सातवीं बार प्राप्त हुआ है। एनआईआरएफ रैंकिंग की शुरूआत 2016 में हुई थी और तब से लेकर अब तक जामिया हमदर्द सात बार फामेर्सी में नंबर 1 पर रहा है, जिसमें एनआईआरएफ 2024 भी शामिल है।

एनआईआरएफ रैंकिंग शिक्षण एवं अधिगम संसाधन, अनुसंधान एवं व्यावसायिक प्रथाएं, स्नातक परिणाम, पहुंच और समावेशिता, तथा धारणा जैसे प्रमुख मानकों पर आधारित होती है।

फामेर्सी श्रेणी में शीर्ष स्थान के अतिरिक्त, जामिया हमदर्द ने अन्य श्रेणियों में भी उल्लेखनीय प्रदर्शन किया:

विश्वविद्यालय श्रेणी में 47वां स्थान, समग्र श्रेणी में 74वां स्थान, चिकित्सा श्रेणी में 40वां स्थान, प्रबंधन श्रेणी में 87वां स्थान

इस प्रकार, जामिया हमदर्द देश के शीर्ष 50 विश्वविद्यालयों तथा शीर्ष 100 समग्र संस्थानों में शामिल है। यह भी उल्लेखनीय है

कि एनआईआरएफ 2025 में कुल 14,163 संस्थानों को विभिन्न श्रेणियों में मूल्यांकन हेतु शामिल किया गया था।

इस उपलब्धि पर माननीय कुलाधिपति जनाब हम्माद अहमद एवं माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) एम. अफशार आलम ने फामेर्सी संकाय की डीन प्रो. (डॉ.) उमा भंडारी, रजिस्ट्रार कर्नल ताहिर मुस्तफा, आईक्यूएसी निदेशक, एनआईआरएफ नोडल अधिकारी एवं शैक्षणिक डीन प्रो. (डॉ.) एस. रईसुद्दीन, आईक्यूएसी के उप-निदेशक एवं एनआईआरएफ रैंकिंग समन्वयक प्रो. (डॉ.) एम. शहर यार, एनआईआरएफ टीम के सभी सदस्यों, संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों तथा स्टाफ को इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

कुलपति प्रो. अफशार आलम ने माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री से रैंकिंग प्रमाणपत्र एवं ट्रॉफी प्राप्त करने के पश्चात अपनी प्रसन्नता व्यक्त की कि कड़े प्रतिस्पर्धा और बढ़ती संस्थाओं की संख्या के बावजूद जामिया हमदर्द ने फामेर्सी में शीर्ष स्थान बनाए रखा है। उन्होंने सभी हितधारकों, विशेषकर संकाय सदस्यों से आह्वान किया कि वे आत्मसंतोष में न रहते हुए संस्थान की उत्कृष्टता को बनाए रखने हेतु निरंतर प्रयासरत रहें। अंत में, उन्होंने माननीय कुलाधिपति जनाब हम्माद अहमद का जामिया हमदर्द के अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ बनाने हेतु निरंतर समर्थन के लिए विशेष आभार व्यक्त किया।

पेंशनर्स परिषद की मासिक बैठक सम्पन्न शिक्षक सम्मान व पेंशन संबंधी मुद्दों पर चर्चा

अजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश: राजकीय सिविल पेंशनर्स परिषद की मासिक बैठक आज दिनॉक 08-09-2025 प्रातः 10:30 बजे परिषद कक्ष कोषगार कार्यालय परिसर मुरादाबाद में सम्पन्न हुई आज की बैठक की मुख्य अतिथि श्रीमती रेनू बौद्ध मुख्य कोषाधिकारी मुरादाबाद रही। बैठक में माह सितम्बर में जन्में सदस्यों सर्व श्री जयानन्द सुयाल, पी० एस० गिल, एवं श्री सोमपाल सिंह को पेन व गुलाव की कली भेंट कर जन्म दिन की बधाई दी गई एवं चिर आयु की शुभकामनाऐं दी गई । बैठक में शिक्षक सम्मान समारोह भी किया गया जिसमें परिषद के सदस्य शिक्षक श्री राम प्रसाद सिंह, श्रीमती मालती देवी को अंग वस्त्र पहनाकर एवं गुलाब के फूल की कली देकर मुख्य कोषाधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया। मुख्य कोषाधिकारी द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि यह मेरा परम सौभाग्य है कि मुझे आपके बीच कार्यक्रम में उपस्थित होने का मौका मिला किसी भी पेन्शनर्स को कोई कोषागार कार्यालय से शिकायत या परेशानी हो तो वह सीधे मुझसे सम्पर्क स्थापित करें ताकि उनकी समस्याओं को समय रहते निराकरण कार्यालय से हो सके। परिषद के सरंक्षक श्री सरदार सिंह

द्वारा सभी सदस्यों से एक जुट होने का आहवान किया गया तथा बैठकों में अधिक से अधिक उपस्थिति दर्ज कराने पर जोर दिया। सचिव यश कुमार त्यागी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए करते हुए कहा कि शिक्षक वह नही जो छात्र के दिमाग में तथ्यों को जबरन ठूसे बल्कि वास्तविक शिक्षक तो वह है जो उसे आने वाले कल की चुनौतियों के लिए तैयार करे साथ ही शिक्षक के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आपका धैर्य समर्पण ओर प्रेषणा अनमोल है शिक्षक ही समाज और देश का निमार्ता है। परिषद के अध्यक्ष श्री प्रेम प्रकाश सक्सेना ने भी शिक्षक दिवस पर प्रकाश डालते हुए गुरू डा० सर्वपल्ली राधा` कृष्णन जी की जयन्ती शिक्षक दिवस पर कहा कि गुरु की कृपा से ही शिष्य अज्ञान से आत्मबोध, अहंकार से प्रकाश की ओर अग्रसर होता है । शिष्य के व्यक्तित्व को संस्कार सेवा ओर सत्य की भावना से गढ़ते हुए उसे जीवन के उच्चतम आदर्शों से जोडने वाले महान गुरूजन को सादर नमन करता हूँ । शिक्षक के प्रति श्री धनसिंह कोषाध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष श्री सुनील कुमार शर्मा एवं श्री घनश्याम सिंह चौहान संयुक्त सचिव द्वारा अपने अपने विचार रखे गये। बैठक में आपूर्ति विभाग से सेवा निवृत्त पेन्शनर्स परिषद के सदस्यों द्वारा एक प्रत्यावेदन देकर अवगत कराया कि सम्भागीय वरिष्ठ वित्त एवं लेखाधिकारी (खाद्य) मुरादाबाद सम्भाग मुरादाबाद द्वारा अपने पत्र सॅ0 556 दिनॉक 13 अगस्त 2025 द्वारा जिला पूर्ति अधिकारी मुरादाबाद जिसकी प्रति उपायुक्त खाद्य को भी की गई में चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिलों को तकनीकी हेतु उनके सम्मुख प्रस्तुत किया जाए ताकि वित्तीय अनियमितता न हो । यह पत्र शासन की नियिमावली से हटकर है जिससे आपूर्ति विभाग से सेवानिवृत्त पेन्शनर परिषद के सदस्यों में काफी आक्रोश व्याप्त है इस पर अध्यक्ष द्वारा परिषद के सदस्यों को आश्वासन दिया कि इस सम्बन्ध में उच्चाधिकारियों को नियमावली प्रस्तुत करते हुए आवश्यक कार्यवाही करने हेतु अनुरोध किया जायेगा। सभी सदस्यों ने बैठक में सरकार से मॉग की गई कि माह जुलाई 2025 से बढने वाले मॅहगाई राहत की धनराशि का आदेश शीघ्र घोषित करें। भारत सरकार/ उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 65, 70, 75, एवं 80 वर्ष पर क्रमशः 5, 10, 15 एवं 20 प्रतिशत वृद्धि करने सम्बन्धी ज्ञापन पर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है इसके अतिरिक्त अन्य राज्यों की

तरह पेंशनरों /वरिष्ठ नागरिकों को यात्रा में छूट प्रदान नही किया जाना भी पेंशनरों को अनदेखा किया जा रहा है। करोना काल के बढे हुए मँहगाई राहत (18 माह) का आज तक भुगतान करने के प्रति भी कोई कार्यवाही नही की गई है। ऑठ वें वेतन आयोग की प्रक्रिया भी अभी तक लम्बित हैं । परिषद मॉग करती है कि उनके द्वारा ज्ञापनों में दिये गये बिन्दुओं पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर तत्काल निर्णय लेकर पेंशनरों की समस्याओं का निराकरण किया जाए। बैठक की अध्यक्षता प्रेम प्रकाश सक्सेना अध्यक्ष एवं संचालन यश कुमार त्यागी द्वारा किया गया।

बैठक में परिषद के सदस्य बिजय कुमार सक्सेना, राजीब सक्सेना,कृष्ण कान्त शर्मा, के0 के0 सिंह, कुशल पाल सिंह, अजब सिंह चौहान, महिपत सिंह, धनश्याम सिंह चौहान, नरेश चन्द्र, राम स्वरूप, रूपकिशोर, प्रमोद कुमार सकसेना, शैलेश त्यागी, राम गोपाल चौधरी, कंचन कुमार नेत्रपाल सिंह राकेश कुमार भटनागर राजकुमार आदि उपस्थित रहे ' यश कुमार त्यागी सचिव सम्पादक महोदय दैनिक जागरण, अमर उजाला, हिन्दुस्तान, बिजनौर टाइम्स, उत्तर केसरी, अमृत विचार, दैनिक आज, आवाम-ए-हिन्द, भूमित्र, दैनिक युग बन्धु विधान केसरी, दैनिक कैसरिया, राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक हिन्दू, शाह टाइम्स, मुरादाबाद उजाला, टेन्शन, सिटी न्यूज चैनल, एस एस न्यूज चैनल, एल० डी०एन० न्यूज चैनल।

संपूर्ण समाधान दिवस में 138 में से 14 शिकायतों का मौके पर निस्तारण

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेश: जनपद मीरजापुर 8 सितंबर 2025 शासन के मंशानुरूप जनपद के सभी तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसील लालगंज में जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा ने आए हुए फरियादियों की समस्याओं को सुना गया। तहसील लालगंज में जिलाधिकारी के समक्ष मौके पर 138 प्रार्थना पत्रों में से 14 का निस्तारण करते हुए शेष प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को इस निर्देश के साथ प्रेषित की संबंधित अधिकारी गुणवत्तापूर्ण व पारदर्शी ढंग से निस्तारण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि निस्तारण में लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी उन्होंने कहा कि शिकायतों का फीडबैक शासन स्तर से शिकायतकर्ता से दूरभाष पर वार्ता कर लिया जा रहा है अधिकारी व्यक्तिगत रुचि लेते हुए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जो भी फरियादी तहसील दिवस में एक बार शिकायत लेकर आ रहा है, निस्तारण संतुष्टिपूर्ण न होने पर यदि दोबारा वही फरियादी वही शिकायत लेकर आता है तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी मौके पर जाकर शिकायतकर्ता से वार्ता कर शिकायत का निस्तारण करें उन्होंने कहा कि हर घर जल योजना अंतर्गत जो भी शिकायत आ रही हैं संबंधित अधिकारी उन समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए निस्तारण करना सुनिश्चित करें उन्होंने उप जिलाधिकारी लालगंज को निर्देशित करते हुए कहा कि पिछले तहसील दिवस की जो भी शिकायतें निस्तारण हो गई हैं उनमें से कुछ शिकायत को टीम बनाकर जांच कराए जांच में अगर शिकायत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण न हुई हो तो संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई करें। इसी प्रकार जनपद के अन्य तहसीलों में तहसील मड़िहान में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 अजय कुमार सिंह के समक्ष 53 प्रार्थना पत्रों में से 01 का निस्तारण, तहसील चुनार में अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे विजेता के समक्ष 56 प्रार्थना पत्र में से 02 का निस्तारण, तहसील सदर में अपर जिलाधिकारी भू राजस्व देवेंद्र प्रताप सिंह के समक्ष 95 प्रार्थना पत्रों में से 17 का निस्तारण किया गया शेष प्रार्थना पत्र को सम्मिलित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिया गया तहसील लालगंज में उप जिलाधिकारी महेंद्र सिंह एवं सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

आरक्षण को नौवीं अनुसूची में शामिल करने व संविधान संशोधन के विरोध में सर्व रउ संघर्ष समिति की बैठक

सतीश

हरियाणा: भारतीय संविधान के साथ छेड़छाड़ ना करने, सर्वोच्च न्यायालय में लंबित याचिका को खारिज करने व आरक्षण को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने का है मामला। सर्व अनुसूचित जाति संघर्ष समिति के तत्वावधान में बैठक का आयोजन समिति कार्यालय में समिति के प्रधान चंदन सिंह जलवान की अध्यक्षता में किया गया ।

बैठक में वंचित एवं हासिया पर रखे समाज के संवैधानिक अधिकारों के साथ छेड़छाड़ करने के विषय पर विभिन्न संगठनों ने रोष व्यक्त किया और सामूहिक हस्ताक्षर युक्त पत्र राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग को लिखकर मांग की है कि आर्थिक आधार पर भारतीय संविधान के साथ कोई भी छेड़छाड़ ना करने, सर्वोच्च न्यायालय में लंबित याचिका को खारिज करने व आरक्षण को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल किया जाए । बैठक का संचालन समिति के महासचिव एवं कबीर सामाजिक उत्थान संस्था, दिल्ली के वाइस चेयरमैन बिरदी चंद गोठवाल द्वारा किया गया । बैठक को संबोधित करते हुए समिति के प्रधान चंदन सिंह जलवान ने कहा कि आरक्षण में आर्थिक आधार, क्रीमीलेयर, अनुसूचित जाति का वर्गीकरण आदि आधारहीन बातों को समाज में विभाजन और वैमनस्य को पैदा करने के लिए लाया जाता है । परिवर्तनकारी साहित्य मंच के अध्यक्ष एवं पूर्व प्राचार्य डॉ शिवताज सिंह ने कहा कि संविधान में आरक्षण का प्रावधान सामाजिक विषमता समाप्त करने के लिए उपेक्षित तबकों को अनिवार्य पर्याप्त प्रतिनिधित्व देने के लिए किया गया था। आरक्षण के मामले में आर्थिक अवधारणा की कोई बात ही बेमानी है। यह मात्र वितंडावाद है । महासचिव गोठवाल ने कहा कि क्या सचमुच भारत में जातिगत भेदभाव और उत्पीड़न खत्म हो गया है। क्या नीचे से ऊपर तक अनुसूचित जातियों को अधिकार विहीन करने वाली प्रवृत्ति यहां के लोगों के खून में नहीं है, जिस पर संवैधानिक पाबंदी अनिवार्य है। पूर्व डीजीएम महेंद्र खन्ना व पूर्व वरिष्ठ प्रबंधक प्यारेलाल चवन ने कहा कि यह समाज के उपेक्षित तबकों को वहीं का वहीं रखने वाला एक घातक मनोविज्ञान है।

इस अवसर पर धानक समाज के प्रमुख समाजसेवी शिवनारायण मोरवाल, गुरु रविदास महासभा के पूर्व प्रधान बलबीर सिंह बबेरवाल, उपाध्यक्ष एवं वाल्मीकि सभा के राजेश चांवरिया, पूर्व वरिष्ठ प्रबंधक जयपाल सिंह, अटेली खण्ड के प्रधान किशनलाल, प्रमुख सलाहकार प्रभु दयाल व दयानंद सांवरिया, सुमेर सिंह गोठवाल, थानेदार हरि सिंह रेवाला, सूबेसिंह गोठवाल, पूर्व डीएफओ वीरसिंह गोठवाल, रामशरण रेवाला, रामचंद्र गोठवाल, रामकिशन धोलेड़ा, धर्मवीर कटारिया, कन्हैया लाल, नारनौल खण्ड के प्रधान सुरेश नारनोलिया, हजारीलाल खटावला, रामचंद्र सैनी, प्रवीण प्रजापत आदि अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

हमीरपुर में 9 कनिष्ठ सहायक और 22 चिकित्सकों को नियुक्ति पत्र वितरित, पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया का उदाहरण

राधा कृष्ण

उत्तर प्रदेश: प्रक्रिया के अंतर्गत चिकित्सा विभाग में नव चयनित 1112 कनिष्ठ सहायकों एवं 22 टेक्निशियन के सापेक्ष जनपद से चयनित 9 कनिष्ठ सहायकों तथा स्थानीय स्तर पर आउटसोर्स के माध्यम से वॉक इन इंटरव्यू के द्वारा चयनित 22 चिकित्सकों को कलेक्ट्रेट स्थित डॉ एपीजे अब्दुल कलाम सभागार में मा. विधायक सदर डॉ मनोज प्रजापति एवं अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा जिलाधिकारी घनश्याम मीना की उपस्थिति में नियुक्त पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर लोक भवन लखनऊ में प्रदेश स्तर पर नव चयनित 1112 कनिष्ठ सहायकों एवं 22 टेक्निशियन के नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में मा. मुख्यमंत्री जी द्वारा दिए गए संबोधन को कलेक्ट्रेट सभागार में उपस्थित सभी नव चयनित कनिष्ठ सहायकों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों व कर्मचारियों आदि द्वारा गंभीरतापूर्वक सुना गया।इस दौरान मा. मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 8.50 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी तथा 2 करोड़ से अधिक युवाओं को निजी क्षेत्र/

एमएसएमई में रोजगार प्रदान किया गया है।आयोग द्वारा सभी भर्तियां निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से की जा रहीं हैं और प्रतियोगी अपनी योग्यता से नौकरी प्राप्त कर रहे हैं।सरकारी नौकरियों की परीक्षाएं भी नकलविहीन, सकुशल एवं शांतिपूर्वक संपन्न हो रही हैं।नौकरियों को प्राप्त करने में किसी भी प्रकार की सिफारिश या भाई भतीजावाद की कोई जगह नहीं है।हमारी सरकार में किसी भी व्यक्ति के साथ कोई भी पक्षपात या इस दौरान मा. विधायक ने सभी नव चयनित कनिष्ठ सहायकों तथा चिकित्सकों को बधाई देते हुए कहा कि चिकित्सा विभाग में कनिष्ठ सहायकों की भर्ती होने से सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन में गति मिलेगी तथा जनपद स्तर पर चिकित्सकों के आ जाने से स्वास्थ्य व्यवस्थाएं सुदृढ़ होंगी। उन्होंने कहा कि आपका चयन पूरी तरह से निष्पक्ष एवं पारदर्शी हुआ है इसलिए आप भी बिना किसी भेदभाव के निष्पक्षता पूर्वक लोगों की समस्याओं का निस्तारण करें।

इस मौके पर जिलाधिकारी ने नव चयनित कनिष्ठ सहायकों एवं चिकित्सकों को बधाई व शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमें आशा है कि आपके कार्य एवं व्यवहार से जनपद की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में परिवर्तन देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि पहली नौकरी अपने आप में अनूठी होती है, जिससे हमारे जीवन के कई संघर्ष जुड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि यह विभाग बहुत महत्वपूर्ण है जहां आप सीधे लोगों से जुड़कर अपनी सेवाएं दे सकते हैं।जनपद की स्वास्थ्य व्यवस्था सुदृढ़ करने की उद्देश्य से हाल ही में 22 चिकित्सक तथा वर्ष भर में 34 चिकित्सक स्वास्थ्य विभाग से जोड़े गए हैं।नव चयनित चिकित्सकों के विभाग में जुड़ने से जिले की स्वास्थ्य व्यवस्थाएं सुधरेंगी। उन्होंने कहा कि आप सभी चिकित्सक जन सामान्य की समस्याओं को अपना समझें और बेहतर उपचार दें ताकि लोगों के मन में आपके प्रति गहरी छाप बने।सभी लोग पूरी कर्तव्यनिष्ठा व ईमानदारी से कार्य करते हुए लोगों को अच्छी सेवाएं देकर लाभांवित करें। कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि अशोक तिवारी, चेयरमैन नगरपालिका परिषद हमीरपुर कुलदीप निषाद, सीएमओ डॉ गीतम सिंह, सूचना अधिकारी सतीश कुमार, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी अनिल यादव सहित चिकित्सा विभाग के अन्य अधिकारी व कर्मचारी गण आदि मौजूद रहे।

एक नजर

बरेली एसटीएफ ने फर्जी सॉफ्टवेयर बनाकर ठगी करने वाले इंजीनियर को दबोचा

छत्र पाल/उत्तर प्रदेश: एसटीएफ की बरेली यूनिटनेशनिवार रात सुभाषनगर पुलिया से जंक्शन रोड पर घेराबंदी कर ठग को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपी की पहचान प्रेमनगर के राजेंद्र नगर निवासी जयवीर गंगवार पुत्र मेवाराम के रूप में हुई है। गिरफ्तारी के दौरान एसटीएफ ने आरोपी के पास से एक लैपटॉप, मोबाइल, दो फर्जी आधार कार्ड और चार एटीएम/डेबिट कार्ड बरामद किए। आईटी कंपनी छोड़ बनाई ठगी की स्क्रिप्टपूछताछ में जयवीर ने बताया कि वह कंप्यूटर साइंस से बीटेक करने के बाद नोएडा की एक आईटी कंपनी में नौकरी करता था।

यहीं से उसे फर्जी सॉफ्टवेयर बनाने का आइडिया आया। नौकरी छोड़कर उसने घर पर ही आधार बनाने का नकली सॉफ्टवेयर तैयार कर लिया। इसके बाद वह फेसबुक और व्हाट्सएप ग्रुप्स पर विज्ञापन डालकर लोगों से संपर्क करता था। जब कोई ग्राहक तैयार हो जाता तो जयवीर एनीडेस्क के जरिए उनके कंप्यूटर में सॉफ्टवेयर इंस्टॉल करता और आईडी-पासवर्ड देकर भरोसा जीत लेता। लेकिन जब यह सॉफ्टवेयर काम नहीं करता तो वह नए-नए बहाने बनाकर और पैसे मांगता और आखिर में मोबाइल बंद कर देता।

रतलाम में धूमधाम से गणपति विसर्जन, नम आंखों से दी विदाई

अशरफ अली/मध्य प्रदेश: रतलाम में गणपति बप्पा मोरिया चार लड्डू चोरियां, अगले बरस तो जल्दी आ के जयकारे लगा कर गणपति बप्पा को नम आंखों से विदाई दी ।बड़ी धूम धाम ढोल नगाड़ों, डीजे,बैंड के सात लोग नाचते झूमते बाप्पा की भक्ति में नजर आए ।कही कार में तो कही बाइक पर तो बैलगाड़ी में बप्पा को विसर्जन के लिए जाते हुए नजर आए।

अनंत चतुर्थी के साथ ही 10 दिवसीय गणेश उत्सव का समापन शनिवार को हुआ। दोपहर बाद शुभ मुहूर्त में गणपति बप्पा को चल समारोह के रूप में अलग अलग स्थानों पर विसर्जित किया गया ।शहर के कालका माता, हनुमान ताल , झामर पाटली,बंजली बायपास स्थित तालाबों में गणपति बप्पा का विसर्जन किया गया।

वहीं पुलिस व्यवस्था भी माकूल रही जगह जगह पुलिस के जवान व्यवस्था समलते हुए नजर आए किसी भी तरीके की व्यवस्था भंग न हो ईश को ध्यान में रखते हुए जगह जगह पुलिस व्यवस्था नजर आई।

झालोद नगर में उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ गणपति विसर्जन, प्रशासन रहा सतर्क

श्रेयकुमार शोधनकुमार/गुजरात: झालोद नगर में गणपति जी की विसर्जन उत्साह पूर्वक पूर्ण झालोद नगर में श्री गणपति जी की विसर्जन में सब भक्तों को उत्साह और उमंग के साथ शोभा यात्रा निकली और अगले बरस तू जल्दी आना के नारे के साथ शोभा यात्रा झालोद नगर में निकली यात्रा। ओर झालोद नगर में लुहारवाडा मित्र मंडल द्वारा ७४ साल पूरा करके सार्वजनिक मित्र मंडल द्वारा अनोखी झाकी का भी आयोजन करवाया। ओर मीठा चौक मित्र मंडल में १३ फूट की गणपति जी मूर्ति श्री शनि महाराज की प्रतिमा की गणेश जी की मूर्ति का उद्घाटन किया और पूरे झालोद नगर में शोभा यात्रा निकली और करीमंत रात को ९ बजे मिठाचोक गणपति जी की मूर्ति का विसर्जन किया। ओर जय देवा गुप वड़बाजार की गणपति जी मूर्ति ओर उसका डेकोरेशन का भी आयोजन हुआ था। झालोद नगर में कोई अन बनवा न बने उसके लिए पोलिस स्टाफ ओर नगर पालिका स्टाफ का खूब खुद अभिनंदन।

मुखबिरी के शक में बुजुर्ग की पीट-पीटकर हत्या, परिजनों का थाने पर हंगामा

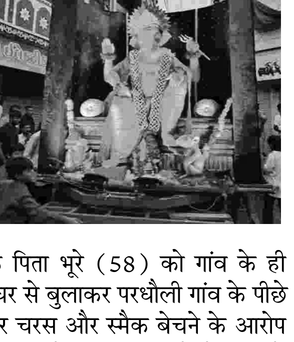

राजू/उत्तर प्रदेश: सीबीगंज थाना क्षेत्र में चरस व स्मैक बेचने वाले आरोपियों पर मुखबिरी का शक इतना भारी पड़ा कि उन्होंने गांव के एक 58 वर्षीय बुजुर्ग की बेरहमी से पिटाई कर दी। इलाज के दौरान बुजुर्ग ने दम तोड़ दिया। गुस्साए परिजनों ने थाने का घेराव कर हंगामा किया, तब जाकर पुलिस ने हत्या की रिपोर्ट दर्ज की। गांव तिलियापुर निवासी अजीम का आरोप है कि उनके पिता भूरे (58) को गांव के ही इमरान रजा और वसीम बहाने से घर से बुलाकर परधौली गांव के पीछे ले गए और जमकर पीटा। दोनों पर चरस और स्मैक बेचने के आरोप हैं और शक था कि भूरे उनकी पुलिस से मुखबिरी करते थे। रात में खुशबुद्दीन उर्फ अंडा ने अजीम को कॉल कर बताया कि उनके पिता प्रधान के प्लॉट में घायल हालत में पड़े हैं। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने पुलिस को जानकारी दी, लेकिन इंस्पेक्टर सुरेंद्र पाल सिंह ने कार्रवाई करने के बजाय उपचार कराने की बात कही। उपचार के दौरान भूरे की मौत हो गई। परिजनों ने थाने का घेराव कर आरोप लगाया कि थाना प्रभारी हर बार एनसीआर दर्ज करने से बचते हैं और कार्रवाई टालते रहते हैं। इस मामले में भी वही रवैया अपनाया गया। दबाव बढ़ने पर अजीम की तहरीर पर आरोपियों इमरान रजा और वसीम के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई।

संपादकीय

जीएसटी पर सियासत या राहत

भारतीय कर व्यवस्था में वर्ष 2017 से लागू हुआ जीएसटी यानी "गुड्स एंड सर्विस टैक्स" उस समय एक ऐतिहासिक सुधार माना गया था। इसे "एक देश, एक टैक्स" की संकल्पना के रूप में प्रस्तुत किया गया और जनता को विश्वास दिलाया गया कि इससे कर व्यवस्था सरल होगी, भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी और व्यापारियों को सुविधा मिलेगी। शुरूआत में ही सरकार और उसके आर्थिक सलाहकारों ने ऊँचे टैक्स की दरों को जायज ठहराते हुए बताया था कि यह राष्ट्रहित में है और दीर्घकाल में इससे राजस्व बढ़ेगा, विकास दर तेज होगी तथा राज्यों को भी मजबूती मिलेगी।

लेकिन बीते नौ वर्षों में जनता ने देखा कि जीएसटी का बोझ केवल आम उपभोक्ताओं पर बढ़ता गया। जरूरी सामानों से लेकर रोजमर्रा की वस्तुओं पर टैक्स दरें ऊँची बनी रहीं। महँगाई लगातार बढ़ती रही और हर घर का बजट बिगड़ता गया। व्यापारी समुदाय ने भी कई बार शिकायत की कि जीएसटी की जटिल व्यवस्था और ऊँचे टैक्स स्लैब ने उनके कारोबार को प्रभावित किया। छोटे और मझोले उद्योगों को तो कई बार अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़नी पड़ी। अब अचानक वही सरकार यह कह रही है कि जीएसटी की दरें घटाई जाएंगी और इससे जनता को सीधी राहत मिलेगी। नवरात्र के अवसर पर इस घोषणा को "टैक्स राहत की दिवाली" कहा जा रहा है। निश्चित ही यह कदम आम उपभोक्ता के लिए सुकून भरा संदेश है। जूते, कपड़े, टीवी, डीटीएच जैसी वस्तुओं पर टैक्स घटाना हर परिवार को सीधे प्रभावित करेगा। लोग त्योहारों के समय खरीदारी कर पाएंगे और बाजार में चहल-पहल बढ़ेगी। लेकिन सवाल यह उठता है कि जो तर्क पहले ऊँचे टैक्स के समर्थन में दिए गए थे, वही तर्क आज घटाने के समर्थन में क्यों दिए जा रहे हैं?

यह विरोधाभास केवल टैक्स दरों तक सीमित नहीं है। यह सरकार की आर्थिक नीतियों की सोच पर भी सवाल खड़े करता है। अगर ऊँचे टैक्स ही विकास का आधार थे, तो नौ साल बाद अचानक उन्हें कम करना कैसे विकास के लिए आवश्यक हो गया? और यदि वास्तव में कम टैक्स से बाजार और जनता को राहत मिल सकती है, तो इतने वर्षों तक जनता को ऊँचे टैक्स का बोझ क्यों झेलना पड़ा?

आम नागरिक इन सवालों का जवाब चाहता है। वह देख रहा है कि टैक्स नीतियाँ कई बार राजनीति और चुनावी रणनीतियों से जुड़कर बदल जाती हैं। त्योहारों के अवसर पर टैक्स कटौती की घोषणा निश्चित रूप से लोगों को आकर्षित करती है, लेकिन क्या यह दीर्घकालिक समाधान है?

बिहार की सियासत का तीसरा केंद्र बने प्रशांत किशोर (पीके) की पार्टी जनसुराज पर सबकी निगाहें टिकी हैं। कयास लगाये जा रहे हैं कि प्रशांत इस चुनाव में बड़ा खेल करेंगे। वह अपने दम पर सरकार बनाने से लेकर दोनों बड़े गठबंधनों (एनडीए और महागठबंधन) का खेल बिगाड़ने तक का हो सकता है। एनडीए और महागठबंधन से समान दूरी बनानेवाले लोग आजकल पीके की तरफ खींचे चले आ रहे हैं। कहना न होगा कि ऐसे लोगों की संख्या भी कम नहीं है। इनमें रिटायर्ड आईएएस, आईपीएस और उद्योगपतियों की संख्या काफी है। इसके लिए प्रशांत किशोर बिहार के बाहर रहने वाले प्रवासियों के संपर्क में हैं।

बिहार में इस बार प्रशांत करेंगे बड़ा खेल

-राधा रमण-

बिहार में सियासी सरगर्मी चरम पर है। राज्य में विधानसभा चुनाव की घोषणा अगले माह होने की संभावना है। ऐसा इसलिए कि चुनाव आयोग ने अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन इस माह 30 सितंबर को करने की घोषणा की है। वैसे भी बिहार विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर को समाप्त हो रहा है। उसके पहले चुनावी गतिविधियां हर हाल में समाप्त करनी होगी और नई सरकार का गठन करना संवैधानिक मजबूरी है।

इस बार भाजपा बिहार में सरकार बनाने पर आमादा दिखती है। उसके लिए 'अभी नहीं तो कभी नहीं' की स्थिति है। फिलहाल प्रदेश में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है। उसके 80 विधायक हैं। भाजपा के लिए यह संख्या सर्वाधिक है। 243 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए कम से कम 122 विधायक चाहिए। सवाल यह कि बाकी के विधायक कहां से आएंगे? पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व में प्रवक्ता रहे डॉ विनोद शर्मा कहते हैं कि बिहार में इस बार एनडीए की लहर है। नीतीश कुमार की अगुवाई में सरकार ने समाज के हर तबके के लोगों को राहत पहुंचाई है। किसानों को 120 यूनिट बिजली मुफ्त मिल रही है, आंगनबाड़ी कार्यकताओं का मानदेय बढ़ा है। पत्रकारों, बुजुर्गों, विधवाओं और जेपी आंदोलन के मीसाबंदियों के पेंशन में दोगुनी से अधिक की बढ़ोतरी की गई है। यही नहीं, स्वरोजगार के लिए महिलाओं को सस्ते दर पर कर्ज देने के लिए सरकारी खजाना खोल दिया गया है। सड़कें चकाचक हैं और नौकरियों की बहार है। जनता को और क्या चाहिए?

इसमें दो राय नहीं कि बिहार की महिलाओं के सिर पर नीतीश का जादू सिर चढ़कर बोलता रहा है। यह वोट इस बार नीतीश के पक्ष में कितना जाएगा, यह चुनाव परिणाम के बाद पता चलेगा, क्योंकि बिहार के अधिकांश जिले बाढ़ की चपेट में हैं और करीब 17 लाख आबादी सड़कों और राहत केंद्रों में शरण लिये हुए है। इनमें सर्वाधिक संख्या महिलाओं और बच्चों की है। दूसरी तरफ राज्य में अपराधी पुलिस के रसूख को खुलेआम चुनौती दे रहे हैं। विपक्ष इसे एनडीए का जंगलराज बता रहा है। महिलाएं इस अराजकता से भी पीड़ित हैं। ऐसे में महिला वोटरों में बिखराव हो जाए तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। राज्य में नीतीश की बिरादरी कुर्मी जाति का वोट करीब 6 प्रतिशत है, यह वोट भी अभी तक नीतीश के पक्ष में पड़ता रहा है। यही वजह है की नीतीश पिछले 20 वर्षों से अधिक समय से बिहार की सत्ता पर काबिज हैं।

बिहार में महागठबंधन भी इस बार पूरा जोर लगाये हुए है। राज्य में महागठबंधन की वोटर अधिकार यात्रा को अपेक्षाकृत अधिक सफलता मिली। वोटर अधिकार यात्रा 17 अगस्त को शेरशाह सूरी की धरती सासाराम से शुरू होकर 1 सितंबर को पटना के गांधी मैदान से निकल कर डाकबंगला चौराहे पर समाप्त हो गई। पुलिस प्रशासन ने इसे आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी। इसमें महागठबंधन के सभी घटक दलों के नेता शामिल रहे। वोट अधिकार यात्रा में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, शिवसेना (उद्धव गुट) के प्रवक्ता संजय राउत, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले, टीएमसी सांसद यूसुफ पठान, कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डी शिव कुमार, माले के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, वीआईपी के मुकेश सहनी, भूपेन्द्र बघेल, अशोक गहलौत, प्रियंका गांधी समेत कई नेता शामिल रहे। विपक्ष राज्य से पलायन, बेरोजगारी और कानून व्यवस्था का मुद्दा जोर-शोर से उठा रहा है। लोगों को नौकरी और डोमिसाइल नीति बनाने की बात कह रहा है। एसआईआर के खतरे के प्रति आगाह कर रहा है। सरकार बनने पर महिलाओं को ढाई हजार रुपये प्रतिमाह देने और सुशासन का ख़्वाब दिखा रहा है।

इस बीच बिहार के माउन्टेन मैन दशरथ मांझी के परिजनों के लिए गयाजी के गहलोर गांव में पक्का घर बनवाकर राहुल गांधी ने अपनी जय-जयकार करा ली है। दशरथ के बेटे भागीरथ मांझी इसके लिए नीतीश कुमार से लेकर जीतनराम मांझी और भाजपा के कई बड़े नेताओं का चक्कर लगाकर थक चुके थे। इससे आसपास के गांवों में भी राहुल के लिए हमदर्दी जगी है। देखने वाली बात होगी कि यह सहानुभूति वोट में कितनी तब्दील हो पाती है।

बिहार की सियासत का तीसरा केंद्र बने प्रशांत किशोर (पीके) की पार्टी जनसुराज पर सबकी निगाहें टिकी हैं। कयास लगाये जा रहे हैं कि प्रशांत इस चुनाव में बड़ा खेल करेंगे। वह अपने दम पर सरकार बनाने से लेकर दोनों बड़े गठबंधनों (एनडीए और महागठबंधन) का खेल बिगाड़ने तक का हो सकता है। एनडीए और महागठबंधन से समान दूरी बनानेवाले लोग आजकल पीके की तरफ खींचे चले आ रहे हैं। कहना न होगा कि ऐसे लोगों की संख्या भी कम नहीं है। इनमें रिटायर्ड आईएएस, आईपीएस और उद्योगपतियों की संख्या काफी है। इसके लिए प्रशांत किशोर बिहार के बाहर रहने वाले प्रवासियों के संपर्क में हैं। उधर, राज्य में जनसुराज की गतिविधियां लगातार जारी हैं। विधानसभा स्तर तक कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किये जा रहे हैं। पीके ने पलायन के मुद्दे को ठीक से पकड़ा है। वह कहते हैं कि बिहार की बदहाली में यहां के नेताओं की बड़ी भूमिका है। जब तक झारखंड राज्य नहीं बना था, बिहार की बदहाली कम दिखती थी। अब सरेआम हो चुकी है। वह मतदाताओं से कहते हैं कि इस बार का मतदान अपने बच्चों का भविष्य बनाने के लिए कीजिए। बिहार में रोजी-रोजगार की व्यवस्था के लिए वोट कीजिए। प्रशांत अपनी सभाओं में नीतीश और लालू दोनों को बिहार की बदहाली के लिए बराबर का जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। कहते हैं कि पिछले 35 वर्षों से बिहार में इन्हीं दोनों का शासन रहा है। वह दोनों को नागनाथ और सांपनाथ बताते हैं। कहते हैं कि दोनों विषधर हैं, दोनों डंसते हैं। प्रशांत किशोर जाने-माने चुनावी रणनीतिकार रहे हैं। वर्ष 2014 के संसदीय चुनाव में नरेंद्र मोदी के चुनावी रणनीतिकार रहे थे। भाजपा को सत्ता में लाने का श्रेय उन्हें दिया जाता है। 2015 के विधानसभा चुनाव में वह जनता दल (यू) की तरफ से महागठबंधन के रणनीतिकार रहे थे। तब नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाने में उनकी अहम्‌ भूमिका थी। इससे उनकी लोकप्रियता और कमाई दोनों बढ़ी है। इस बार वह जनता दल (यूनाइटेड) और राष्ट्रीय जनता दल दोनों पर बराबर हमलावर हो रहे हैं। आश्चर्य यह कि प्रशांत किशोर पर जवाबी हमला जदयू और राजद कम बल्कि भाजपा ज्यादा कर रही है।

पिछले दिनों चार सीटों के हुए उपचुनाव में जनसुराज तीन सीटों पर दूसरे स्थान पर रही थी। उसे 10 प्रतिशत से ज्यादा वोट मिले थे। पीके बताते हैं कि भाजपा को दस प्रतिशत वोट पाने में 20 साल लगे थे। उपचुनाव के समय हमारी तैयारी प्रीमैच्योर थी। तब भी इतने वोट मिले। वह कहते हैं कि ह्यविधानसभा चुनाव में जनसुराज या तो अर्श पर रहेगी या फर्श पर रहेगी। बीच की गुंजाइश काफी कम है। अगर लोगों ने जाति-धर्म से हटकर मतदान किया तो हम अकेले अपने बूते पर सरकार बना सकते हैं।

आरएसएस के 100 सालः सोच वही, भाषा बदली

-राम पुनियानी-

02 अक्टूबर 2025 को आरएसएस की स्थापना के 100 साल पूरे हो रहे हैं। आरएसएस हिन्दुत्ववादी राजनीति करता रहा है और उसका लक्ष्य है हिन्दू राष्ट्र की स्थापना। जो शपथ उसके स्वयंसेवक लेते हैं, उसमें वे वायदा करते हैं कि वे हिंदू राष्ट्र के प्रति वफादार रहेंगे। आरएसएस ने तेजी से अपनी मूलभूत इकाई, शाखा की संख्या बढ़ाई है। इन शाखाओं में पहले युवा और लड़के और अब हर उम्र के लोग कबड्डी और खो-खो जैसे भारतीय खेल खेलते हैं। उन्हें विचारधारात्मक प्रशिक्षण भी दिया जाता है, जिसे शाखा बौद्धिक कहा जाता है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम काफी विस्तृत और अलग-अलग अवधि का होता है। आरएसएस केवल पुरूषों का संगठन है और महिलाओं के लिए इसका एक सहायक संगठन है जिसका नाम राष्ट्र सेविका समिति है। यहां यह ध्यान देने योग्य है कि महिला संगठन के नाम से स्वयं शब्द गायब है।

शाखाओं में दिए जाने वाले व्याख्यानों में छत्रपति शिवाजी महाराज और राणा प्रताप जैसे हिन्दू राजाओं का महिमामंडन किया जाता है। वहीं मुस्लिम राजाओं को क्रूर खलनायकों के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। इनमें मुसलमानों के प्रति नफरत के बीज बोए जाते हैं। आरएसएस एक विशाल संगठन है जिसकी 83,000 शाखाएं, लाखों स्वयंसेवक और सैकड़ों प्रचारक हैं जिन्होंने समाज के नजरिए को बदल कर रख दिया है और मुसलमानों के प्रति, और पिछले कुछ दशकों में ईसाईयों के प्रति भी, गहरी नफरत पैदा कर दी है।

आरएसएस के शताब्दी समारोहों की शुरूआत उसके सरसंघचालक डॉ। मोहन भागवत के दिल्ली के विज्ञान भवन में 26, 27 और 28 अगस्त 2025 को तीन व्याख्यानों की श्रृंखला से हुई। डॉ। भागवत का तीन अन्य महानगरों में भी इसी तरह व्याख्यान देने का कार्यक्रम है। दिल्ली में दिए गए तीन व्याख्यानों में उन्होंने मोदी और स्वयं के 75 वर्ष के होने पर पदत्याग के संबंध में बात की। उन्होंने ऐसी किसी भी संभावना को खारिज कर दिया। वहीं दूसरी ओर उन्होंने दंपत्तियों का आव्हान किया कि वे तीन बच्चे पैदा करें क्योंकि जनसंख्या वृद्धि दर घट रही है। संभवतः यह इस कपोलकल्पित भय को कम करने के उद्देश्य से कहा गया कि आगे चलकर देश में मुसलमानों का बहुमत हो जाएगा।

इन व्याख्यानों का केन्द्रीय भाव था हिन्दुत्व को इस प्रकार परिभाषित करना ताकि इसमें मुसलमानों और ईसाईयों को भी सम्मिलित किया जा सके। हम देख रहे हैं कि समाज में मुसलमानों का हाशियाकरण होता जा रहा है और वे एक दायरे में सिमटते जा रहे हैं। साथ ही पिछले कुछ दशकों में इन दोनों समुदायों पर हमलों का अनवरत सिलसिला जारी है। हमलों की संख्या और गंभीरता दोनों बढ़ रही हैं। नई परिभाषा में धर्म का जिक्र किए बिना इस भूभाग पर रहने वाले हर व्यक्ति को हिन्दू कहा जा रहा है! आरएसएस प्रमुख कहते हैं कि ह्यह्य।।ह्यहिन्दवी, भारतीय और सनातन पर्यायवाची शब्द हैं।।ह्यइन शब्दों का जो आशय है वह भौगोलिक सीमाओं तक सीमित नहीं है। पिछले 40,000 सालों से हमारा डीएनए वही रहा हैह्यह्य।

हिन्दू की परिभाषा विभिन्न कालखंडों में बदलती रही है। जहां हिंदू शब्द से शुरूआत में आशय था सिन्धु के पूर्व के इलाके में रहने वाले सभी लोग, वहीं धीरे-धीरे इस इलाके में प्रचलित समस्त धार्मिक परंपराओं जैसे ब्राम्हणवाद, नाथ, तंत्र, सिद्ध और आजीवक आदि सभी को सामूहिक रूप से एक ही धर्म हिन्दू में सम्मिलित किया जाने लगा। यह वर्गीकरण पिछले दो सौ वर्षों में सशक्त होता गया हालांकि अम्बेडकर का विचार था कि हिन्दुत्व में ब्राम्हणवाद ही प्रमुख परंपरा है। आज हिन्दू से आशय मुख्यतः एक धर्म से है हालांकि शुरूआत में यह एक भौगोलिक क्षेत्र में रहने वालों को दिया गया नाम था।

हमें यह याद रखना चाहिए कि हिन्दुत्व में कई सम्प्रदाय सम्मिलित हैं। ह्यद्वि राष्ट्र सिद्धांतह्य के प्रतिपादक सावरकर अपनी पुस्तक ह्यएसेन्शियल्स ऑफ हिन्दुइज्मह्य में हिन्दू को इस तरह परिभाषित करते हैं- ह्यह्यहिन्दू वह है जो सिन्धु से समुद्र तक फैले इस भूभाग को अपनी पितृभूमि और पुण्यभूमि मानता है।ह्यह्य बाद में 1990 में भाजपा के अध्यक्ष बने मुरली मनोहर जोशी ने सभी भारतीयों को हिन्दू बताते हुए मुसलमानों को अहमदिया हिन्दू और ईसाईयों को क्रिस्टी हिन्दू कहा। यह इन अल्पसंख्यक समुदायों पर हिन्दू पहचान लादने की शुरूआती कोशिश थी।

अब भागवत इसी नजरिए को आगे बढ़ाते हुए कहते हैं कि हिन्दवी, भारतीय और सनातन पर्यायवाची हैं। इन शब्दों का एक दूसरे के स्थान पर इस्तेमाल किया गया है। सनातन का अर्थ है शाश्वत, हमेशा रहने वाला। हिन्दू धर्म के पवित्र ग्रंथ, अनुष्ठान और तीर्थस्थल मुसलमानों और ईसाईयों से भिन्न हैं। ईसाई और इस्लाम धर्म को मानने वाले अपने को ह्यहिन्दूह्ल नहीं कहलाना चाहेंगे।

अपने नजरिए पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए भागवत हिन्दुओं को चार श्रेणियों में बांटते हैं जिसका उद्देश्य गैर-हिन्दुओं को हिन्दू धर्म के झंडे तले लाना है। वे कहते हैं, ह्यह्यहिन्दुओं की चार श्रेणियां हैं-जो स्वयं को हिन्दू मानते हैं और इस बात पर गर्व करते हैं; जो स्वयं को हिन्दू मानते हैं किंतु इस बात से गौरवान्वित महसूस नहीं करते; जो यह जानते हैं कि वे हिन्दू हैं, मगर इस बात का जिक्र तक नहीं करते और चौथे वे जो स्वयं को हिन्दू नहीं मानतेह्यह्य। यह धूर्ततापूर्वक हिंदुओं की पहचान के विभिन्न पहलुओं को गैर-हिन्दुओं पर लादने का प्रयास है। व्यावहारिक दृष्टि से तो सावरकर की परिभाषा का ही बोलबाला है।

हालांकि आरएसएस के विचारक यह दावा करते हैं कि हिन्दू धर्म सहिष्णु और समावेशी है, लेकिन हकीकत इससे बहुत अलग है। भागवत दंभपूर्ण लहजे में कहते हैं, ह्यह्यहिन्दू वह है जो दूसरों की आस्थाओं को नीचा दिखाए बिना अपने मार्ग पर चलने में विश्वास रखता है और दूसरों की आस्था का अपमान नहीं करता। जो इस परंपरा और संस्कृति का पालन करते हैं, वे हिन्दू हैंह्यह्य।

महात्मा गांधी भी इस उदात्त नजरिए के हामी थे और उनकी हत्या नाथूराम गोडसे नामक एक ऐसे व्यक्ति ने की थी जिसका प्रारंभिक प्रशिक्षण आरएसएस शाखाओं में हुआ था। एक अन्य स्तर पर ये परिभाषाएं अन्य धर्मों के सच्चे अनुयायियों पर भी लागू की जा सकती हैं।

टरक्की के शहर, अकेलेपन के घर

-डॉ. सत्यवान सौरभ-

महानगरों में लाखों लोग रहते हैं, परंतु अधिकांश अपने पड़ोसियों को भी नहीं पहचानते। एक सर्वेक्षण के अनुसार लगभग 40 प्रतिशत शहरी भारतीयों ने स्वीकार किया कि वे खुद को अकेला महसूस करते हैं। यह आँकड़ा दिखाता है कि आधुनिक शहरी जीवन ने भले ही हमें भौतिक सुविधाएँ दी हों, परंतु भावनात्मक और सामाजिक रूप से हमें कमजोर किया है। तकनीक ने भी इस अकेलेपन को बढ़ाया है। स्मार्टफोन और सोशल मीडिया पर निर्भरता ने वास्तविक मानवीय बातचीत को सीमित कर दिया है। मेट्रो या बस में सफर करते हुए अक्सर लोग एक-दूसरे से संवाद नहीं करते, बल्कि मोबाइल स्क्रीन में डूबे रहते हैं।

शहरीकरण ने भारत के सामाजिक जीवन और मानवीय संबंधों को गहराई से प्रभावित किया है। यह केवल आर्थिक प्रगति का साधन नहीं बल्कि एक ऐसा सामाजिक परिवर्तन भी है जिसने हमारे पारंपरिक रिश्तों, विश्वास और आपसी सहयोग की प्रकृति को बदल दिया है। शहरी जीवन की रफ्तार, अवसरों की विविधता और सेवाओं तक आसान पहुँच ने निश्चित ही नागरिकों को नए विकल्प दिए हैं, परंतु इसके साथ ही यह प्रक्रिया मानवीय संवेदनाओं और सामुदायिक रिश्तों को भी चुनौती देती रही है।

शहरों के विस्तार ने लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे अवसरों के करीब लाया। पहले जहाँ ग्रामीण भारत में इन सुविधाओं तक पहुँच कठिन थी, वहीं शहरी क्षेत्रों ने इन्हें आसान बनाया। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता जैसे महानगरों में विश्वस्तरीय अस्पताल, विश्वविद्यालय और सांस्कृतिक केंद्र मौजूद हैं। यह स्थान केवल सेवाएँ ही उपलब्ध नहीं कराते, बल्कि ज्ञान और विचारों के आदान-प्रदान के मंच भी बनते हैं। इसी वजह से शहरी जीवन को आधुनिक भारत का इंजन कहा जाता है। यहाँ के निवासी विभिन्न भाषाई, धार्मिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आते हैं, जिससे विविधता का अनुभव होता है और सहिष्णुता की भावना विकसित होती है।

साथ ही, शहरी जीवन में सांस्कृतिक समृद्धि और नागरिक चेतना भी प्रबल होती है। कला दीघाएँ, पुस्तकालय, रंगमंच, साहित्यिक सभाएँ और जनआंदोलन जैसी गतिविधियाँ शहरों की पहचान रही हैं। चाहे वह कोलकाता की अकादमी ऑफ फाइन आर्ट्स हो या दिल्ली का इंडिया हैबिटेट सेंटर–ये स्थान सामूहिक संवाद और रचनात्मकता को बढ़ावा देते हैं। इसके अतिरिक्त, बेंगलुरु जैसे शहरों में आईटी उद्योग और स्टार्टअप संस्कृति ने पेशेवर सहयोग और नेटवर्किंग की नई संभावनाएँ खोली हैं। नागरिक स्वयं भी संगठित होकर अपने अधिकारों और सुविधाओं के लिए आवाज उठाते हैं। गुरुग्राम की आवासीय कल्याण समितियों द्वारा कचरा प्रबंधन और जलभराव के खिलाफ अभियान इसका उदाहरण हैं।

लेकिन इन सब सकारात्मक पहलुओं के बीच शहरीकरण का एक दूसरा चेहरा भी है, जो कहीं अधिक गहन सामाजिक संकट की ओर इशारा करता है। सबसे बड़ी चुनौती है सामुदायिक बंधनों का क्षरण। गाँवों में जहाँ पड़ोसियों और रिश्तेदारों के बीच गहरे संबंध होते हैं, वहीं शहरों में रहने वाले लोग अक्सर अनजानेपन और दूरी का अनुभव करते हैं। गेटेड सोसाइटी और उच्च-आय वर्गीय कॉलोनियों ने सामाजिक जीवन को खंडित कर दिया है। लोग अपने छोटे-से घेरे में सिमट जाते हैं और "अन्य" के प्रति अविश्वास पनपने लगता है। यह प्रवृत्ति समाज में सामूहिक विश्वास और सहयोग की भावना को कमजोर करती है।

शहरी जीवन का दूसरा बड़ा संकट है अकेलापन। भीड़भाड़ और व्यस्तता के बावजूद लोग व्यक्तिगत रूप से अलग-थलग पड़ जाते हैं। महानगरों में लाखों लोग रहते हैं, परंतु अधिकांश अपने पड़ोसियों को भी नहीं पहचानते। एक सर्वेक्षण के अनुसार लगभग 40 प्रतिशत शहरी भारतीयों ने स्वीकार किया कि वे खुद को अकेला महसूस करते हैं। यह आँकड़ा दिखाता है कि आधुनिक शहरी जीवन ने भले ही हमें भौतिक सुविधाएँ दी हों, परंतु भावनात्मक और सामाजिक रूप से हमें कमजोर किया है।

तकनीक ने भी इस अकेलेपन को बढ़ाया है। स्मार्टफोन और सोशल मीडिया पर निर्भरता ने वास्तविक मानवीय बातचीत को सीमित कर दिया है। मेट्रो या बस में सफर करते हुए अक्सर लोग एक-दूसरे से संवाद नहीं करते, बल्कि मोबाइल स्क्रीन में डूबे रहते हैं। यह प्रवृत्ति समाजशास्त्री जॉर्ज सिमेल की उस धारणा को सही साबित करती है जिसमें उन्होंने आधुनिक शहरों को "भीड़ में अकेलेपन" का प्रतीक कहा था।

साथ ही, शहरी जीवन की भीड़-भाड़ और संसाधनों की कमी ने तनाव और संघर्ष को भी जन्म दिया है। पानी, बिजली, यातायात और पार्किंग जैसे मुद्दों पर झगड़े आम हो गए हैं।

ट्रंप की नीति 'अमेरिका फर्स्ट' को अमेरिकन ने ही नकारा

-डॉ. मयंक चतुर्वेदी-

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सत्ता में आने के बाद 'अमेरिका फर्स्ट' का नारा देते हुए व्यापार युद्धों की शुरूआत की और टैरिफ को अपनी आर्थिक नीति का प्रमुख हथियार बना लिया। उनका दावा रहा है कि इससे अमेरिकी उद्योग दोबारा खड़ा होगा और विदेशी आयात पर निर्भरता घटेगी। लेकिन हाल के आँकड़े और वैश्विक रेटिंग एजेंसियों की चेतावनियाँ उनके इन दावों की पोल खोल रही हैं। यह आंकड़ें और चेतावननी बता रही हैं कि कई अमेरिकन ने ही डोनाल्ड ट्रंप के ह्लअमेरिका फर्स्टह्ल का नारा नकार दिया है।

दरअसल, इस संबंध में ग्लोबल एजेंसी ह्यमूडीजह्ल एनालिटिक्स ने स्पष्ट कहा है कि अमेरिका आज मंदी की कगार पर खड़ा है और सकल घरेलू उत्पाद का लगभग एक-तिहाई हिस्सा पहले से ही गंभीर संकट में फँस चुका है। रिपोर्ट बताती है कि अमेरिका के कई राज्य या तो मंदी का सामना कर रहे हैं या निकट भविष्य में उसमें घिरने वाले हैं। केवल कुछेक राज्यों में ही आर्थिक वृद्धि दर्ज की जा रही है जबकि बहुसंख्यक राज्यों में ठहराव या गिरावट का माहौल है। यह परिदृश्य उस देश की असली हालत दिखाता है जो खुद को दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था कहता है।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर अपने सबसे कमजोर प्रदर्शन पर पहुंचा

राष्ट्रैपति ट्रंप की नीतियों का सबसे गहरा प्रहार अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर हुआ है। आयात शुल्कों के कारण कच्चे माल और पुर्जों की कीमतें इतनी बढ़ गई हैं कि उत्पादन महँगा और अलाभकारी हो गया है। जिन उद्योगों को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला से लाभ मिल रहा था, वे अचानक महंगे उत्पादन की मार झेलने लगे हैं। रिपोर्ट के अनुसार अगस्त 2025 में अमेरिका का मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स घटकर 48.7 पर आ गया, जो लगातार छठा महीना है जब इस क्षेत्र में गिरावट दर्ज हुई। इंस्टीट्यूट फॉर सप्लाई मैनेजमेंट का सर्वे भी यही संकेत देता है कि उद्योगपतियों का विश्वास डगमगा चुका है और वे विस्तार की जगह सिमटने की रणनीति अपना रहे हैं। कई कंपनियाँ छंटनी कर रही हैं और नई नौकरियाँ देने से बच रही हैं। यह स्थिति महामंदी से भी बदतर बताई जा रही है।

अमेरिका में रोजगार तेजी से घट रहे

रोजगार के मोर्चे पर भी तस्वीर चिंताजनक है। ट्रंप प्रशासन ने बार-बार रोजगार सृजन का दावा किया लेकिन हकीकत इसके उलट है। सरकारी नौकरियों में कटौती ने हालात को और खराब कर दिया है। केवल जनवरी से मई के बीच वाशिंगटन डीसी क्षेत्र में ही बाईस हजार से अधिक सरकारी नौकरियाँ खत्म हो चुकी हैं। उत्तर-पूर्व और मध्य-पश्चिम के राज्य भी इससे प्रभावित हुए हैं। सरकारी नौकरियों की कटौती का असर केवल रोजगार तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह आम लोगों की आय और उपभोग क्षमता पर भी सीधा प्रहार करता है। जब लोगों के पास काम नहीं होगा तो उनकी खपत घटेगी और बाजार सिकुड़ेगा, जिससे मंदी का चक्र और गहराता जाएगा।

पैंतीस ट्रिलियन डॉलर पर जा पहुंचा है अमेरिकन कर्ज

इन सबके बीच अमेरिका का राष्ट्रीय कर्ज भी तेजी से बढ़ रहा है। आज यह कर्ज लगभग पैंतीस ट्रिलियन डॉलर तक पहुँच चुका है। कर कटौती और बढ़ते सैन्य व्यय ने इस बोझ को और बढ़ा दिया है। हालत यह है कि अमेरिकी बजट का एक बड़ा हिस्सा केवल ब्याज भुगतान में चला जाता है और शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा तथा बुनियादी ढाँचे जैसे अहम क्षेत्रों पर खर्च सीमित होता जा रहा है। दीर्घकाल में इसका असर अमेरिकी जनता की जीवनशैली और सामाजिक सुरक्षा पर पड़ना तय है।

अमेरिकी उपभोक्ताओं पर सीधा बोझ बढ़ रहा

ट्रंप लगातार दावा करते रहे हैं कि उनकी टैरिफ नीति अमेरिका को चीन जैसे देशों पर निर्भरता से मुक्त करेगी और घरेलू उद्योगों को नई ताकत देगी। लेकिन वास्तविकता यह है कि आयात महँगा होने से अमेरिकी उपभोक्ताओं पर सीधा बोझ पड़ा है। रोजमर्रा की वस्तुएँ महँगी हुई हैं, महँगाई बढ़ी है और उपभोग घटा है। व्यापारिक साझेदार देशों ने भी पलटवार करते हुए अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ लगाया है। इससे अमेरिकी निर्यात घटा है और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धा कमजोर हुई है। जिस नीति को अमेरिका की मजबूती का औजार बताया जा रहा था, वही उसकी कमजोरी का कारण बन गई है।

कूटनीतिक मोर्चे पर भी अलग-थलग हो रहा अमेरिका

अमेरिका की मंदी का असर केवल उसके भीतर सीमित नहीं रहेगा बल्कि इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा। जब अमेरिकी मांग घटेगी तो चीन, भारत, जापान और यूरोप जैसे देशों का निर्यात प्रभावित होगा। डॉलर की अस्थिरता वैश्विक वित्तीय बाजारों में उथल-पुथल मचाएगी और विदेशी पूँजी का प्रवाह कमजोर होगा। उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव बढ़ेगा। ट्रंप की नीतियों ने अमेरिका को न केवल आर्थिक बल्कि कूटनीतिक मोर्चे पर भी अलग-थलग कर दिया है। व्यापार युद्धों ने सहयोगी देशों के बीच अविश्वास पैदा किया है और अमेरिका की साख पर गहरी चोट की है।

सुधारों की बजाय टकराव और दावों की राजनीति में उलझा दिखता है ट्रंप प्रशासन

यदि अमेरिकी प्रशासन को अपनी अर्थव्यवस्था को वास्तविक मजबूती देनी है तो उसे संरक्षणवाद छोड़कर निवेश और नवाचार की दिशा में कदम बढ़ाने होंगे। शिक्षा और कौशल विकास में निवेश, नई तकनीकों और हरित ऊर्जा को प्रोत्साहन और सामाजिक सुरक्षा तंत्र की मजबूती जैसे कदम ही अमेरिका को टिकाऊ विकास की ओर ले जा सकते हैं।

NCR समाचार
संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार
प्रातः 9:00 से सायं 9:00
फोनः 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

संक्षिप्त समाचार

असलहा सटाकर धमकाने व पिटाई के मामले में प्रधान के पति समेत दो पर केस

वाराणसी , एजेंसी। क्षेत्र के रामपुर निस्फी गांव निवासी एक पीड़ित ने गांव के प्रधान प्रति व उनके भाई पर मारने, पीटने व असलहा सटाकर धमकाने की शिकायत की, जहां न्याय नहीं मिला तो पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाई। इसमें बाद प्रधान के पति समेत दो खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। इस बाबत सुरेरी थाना के प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार मिश्र ने बताया कि सुरेरी थाना क्षेत्र के रामपुर निस्फी गांव निवासी अरविंद पटेल ने सोमवार की रात्रि सुरेरी थाने पर प्रार्थना पत्र दिया। उन्होंने गांव के संजय यादव व उनके भाई प्रधान पति विनोद यादव पर सोमवार की रात्रि कसेरू चौराहे पर स्थित ओम प्रकाश की दुकान से वापस लौटते समय गाली–गलौज कर पिटाई करने व असलहा सटाकर धमकाने की शिकायत किए थे।

सपा की 36 गाड़ियों का चालान, भरने होंगे 8.47 लाख; इसमें अखिलेश-डिंपल काफिले की 9-9 लग्जरी कारें भी शामिल

लखनऊ , एजेंसी। समाजवादी पार्टी की 36 गाड़ियों का चालान हुआ है। इनमें सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और उनकी पत्नी व मैनपुरी से सांसद डिंपल यादव के काफिले की 9–9 गाड़ियां भी शामिल हैं। इन चालानों को भरने के लिए सपा को 847050 रुपये का भुगतान करना होगा। यह आगरा–लखनऊ एक्सप्रेसवे पर ओवरस्पीड में कार्रवाई का मामला बताया जा रहा है। वहीं, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का कहना है कि एक्सप्रेसवे के सिस्टम पर भाजपा के लोग बैठे हैं, जिसके चलते यह कार्रवाई हुई है। हालांकि, इन चालानों की जानकारी भी सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेंस के दौरान दी। अखिलेश ने यह भी कहा कि उन्होंने चालान राशि भरने के निर्देश अपने पार्टी कार्यालय को दे दिए हैं। साथ ही कहा कि समय आने पर वे इसका समुचित जवाब देंगे। सपा के उच्च पदस्थ सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, जिन गाड़ियों का चालान हुआ है, उनमें आईसुजु, मर्सडीज बीपी, रेंज रोवर, लैंड क्रूजर, डिफेंडर, इनोवा क्रिस्टा और फार्च्युनर जैसी गाड़ियां शामिल हैं। प्रति कार चालान की न्यूनतम राशि 500 रुपये से लेकर अधिकतम 80500 रुपये तक है।

मशाल जुलूस निकाल जताया विरोध प्रदर्शन

अम्बेडकरनगर, एजेंसी। बाराबंकी के रामस्वरूप विश्वविद्यालय में विधि विद्यार्थियों पर हुई लाठीचार्ज के विरोध में शुक्रवार देर शाम अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने मशाल जुलूस निकाल विरोध जताया। जिला संयोजक आदित्य मोदनवाल के नेतृत्व में अकबरपुर रोडवेज से मशाल जुलूस निकाला गया, जो पटेल नगर तिराहे पर जाकर समाप्त हुआ। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि छात्रों के साथ इस प्रकार का व्यवहार कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस मौके पर जिला सह संयोजक सूर्यांश त्रिपाठी, अंकित सिंह, आलोक मौर्य, संतोष, कुनाल, राघव, शनि सहित बड़ी संख्या में छात्र व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राजस्थान गया परिवार.. चोरों ने ताले तोड़कर नकदी-गहने किए चोरी

गाजियाबाद , एजेंसी। स्याना। कोतवाली क्षेत्र में चोरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। अब चोरों ने नगर के मोहल्ला गणपति विहार में चोरों ने एक बंद मकान का ताला तोड़कर लाखों रुपये कीमत के गहने व नकदी चोरी कर ली। वारदात के वक्त पीड़ित परिवार राजस्थान गया हुआ था। शुक्रवार सुबह लौटने पर उन्हें मामले की जानकारी हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पीड़ित राहुल कुमार ने बताया कि वह बृहस्पतिवार को परिवार के अन्य सदस्यों के साथ राजस्थान गए थे। जब वह शुक्रवार सुबह लौटे तो मकान के ताले टूटे हुए थे। जबकि, घर के अंदर कमरों में सामान बिखरा हुआ था। अलमारी में रखी करीब 50 हजार नकदी और लाखों रुपये के सोने चांदी के गहने चोरी थे। सीओ प्रखर पांडेय ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। कुछ महत्वपूर्ण सुराग भी हाथ लगे हैं। घटना का शीघ्र खुलासा कर दिया जाएगा।

सिकंदरपुर कर्ण के दर्जन भर गांव बाढ़ की चपेट में

अचलगंज। सिकंदरपुर कर्ण ब्लॉक क्षेत्र के इलाकों में भी बाढ़ का पानी पहुंच गया है। कई गांवों में किसानों की फसलें नष्ट हो गई हैं। वहीं, आवागमन भी बाधित हो गया है। लगातार बढ़ रहे गंगा के जलस्तर से अब सिकंदरपुरकर्ण के कटरी गांव भी चपेट में आने लगे हैं। मौजूदा समय बंदीपुर, खन्नापुर, टिकरी, पदमारा, बलाई, मॉलमऊ, घोसरापुर, मझरा, टेढ़वा, कोलुहागाढ़ा चंदनपुर, विभौरा समेत एक दर्जन गांवों में बाढ़ का पानी पहुंच गया है। इससे खरीफ की फसलों व सब्जियों को नुकसान होने लगा। इसके अलावा इससे दर्जनों गांवों का आवागमन भी बाधित हो रहा। इसके साथ ही जानवरों के चारे पानी की भी समस्या आने लगी है। प्रधान वीरेंद्र यादव ने बताया कि गांव के राजकीय कन्या विद्यालय के सामने सड़क पर पानी बहने लगा है। इससे विद्यालय के साथ ही सामान्य जन जीवन अस्त व्यस्त हो रहा है। लेकिन अभी किसी भी स्थान पर राहत केंद्र सक्रिय नहीं किए गए हैं।

प्रदेश में एमबीबीएस का नया सत्र शुरू, कॉलेजों में शिक्षकों का टोटा, 50 फीसदी टीचरों के पद खाली

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश के चिकित्सा संस्थानों एवं मेडिकल कॉलेजों में चिकित्सा शिक्षकों के औसतन 50 फीसदी पद खाली हैं। हालत यह है कि राजधानी लखनऊ में डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में 37, केजीएमयू में 20 तो पीजीआई में भी 16 फीसदी पद खाली हैं। ऐसे में छोटे शहरों में स्थित मेडिकल कॉलेजों का अंदाजा लगाया जा सकता है। चिकित्सा शिक्षकों के नहीं मिलने की वजह सिर्फ आर्थिक नहीं है, बल्कि नौकरशाही के हस्तक्षेप, संसाधनों की कमी आदि भी है।

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने प्रदेश में पांच सितंबर से एमबीबीएस सत्र शुरू करने का निर्देश दिया है। पहले चरण की काउंसिलिंग पूरी हो चुकी है, लेकिन ज्यादातर कॉलेजों में चिकित्सा शिक्षकों की कमी है। पिछड़े जिलों के मेडिकल कॉलेज अपनी मान्यता बचाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहे हैं। इन कॉलेजों में खाली पदों पर जारी किए जा चुके हैं।

कई स्थानों पर साक्षात्कार चल रहा है। असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए डॉक्टर मिल रहे हैं, लेकिन एसोसिएट और प्रोफेसर पद पर संकट बना हुआ है। इस संकट का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि लखनऊ के केजीएमयू में 645 में 135 पद खाली हैं। डॉ. राम मनोहर लोहिया संस्थान में 440 में 165 पद और एसजीपीजीआई में 403 में 67 पद खाली हैं। प्रदेश के राजकीय एवं स्वशासी मेडिकल कॉलेजों में सृजित कुल पदों के सापेक्ष करीब 50 फीसदी पद खाली हैं। इसे भरने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है।

भर्ती प्रक्रिया में देरी : प्रदेश में 13 राजकीय मेडिकल कॉलेजों में लोक सेवा आयोग से भर्ती होती है। इनमें सिर्फ चार नियमित प्रधानाचार्य हैं। चिकित्सा शिक्षकों के अलग-अलग समय पर करीब 480 पदों के लिए आयोग में भर्ती प्रस्ताव भेजा गया है। यहां स्थानीय कमेटी द्वारा एडॉक पर चिकित्सा शिक्षक रखे जा रहे हैं। इसके बाद भी ज्यादातर कॉलेजों में 60 से 70 फीसदी ही चिकित्सा शिक्षक हैं।

निजी प्रैक्टिस पर रोक, वेतन कम और तबादले का झंझट : कई शिक्षकों ने बताया कि अनुबंध पर रखे जाने वाले शिक्षकों को प्राइवेट प्रैक्टिस पर छूट है जबकि नियमित शिक्षक होने पर निजी प्रैक्टिस (बाहर मरीज देखने) पर रोक है। असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में करीब 1.20 लाख रुपये प्रतिमाह मिलता है, जो काफी कम है। दो से तीन साल में तबादला भी हो जाता है। समयवद्ध तरीके से पदोन्नति नहीं होती है।

शिक्षकों के नहीं मिलने की यह भी वजहें : नाम नहीं छापने की शर्त पर चिकित्सा शिक्षकों ने बताया कि वे चिकित्सा शिक्षक सिर्फ सम्मान को ध्यान में रखकर बनते हैं। चिकित्सा शिक्षक की प्राथमिकता सिर्फ नौकरी नहीं होती है बल्कि सम्मान होता है, लेकिन नौकरशाही उन्हें निशाना बनाती है। कॉलेजों में संसाधनों का अभाव, शोध के लिए माहौल की कमी, परिवार के लिए अनुकूल माहौल न होना आदि का सामना करना पड़ता है। शिक्षकों को कार्य और उपचार के अलावा ढेर सारे काम करने पड़ते हैं। क्योंकि मेडिकल कॉलेजों में बिजली, फायर सर्विस, सीवर निगरानी सहित अन्य संसाधनों को लेकर कोई काडर नहीं है। किसी अप्रिय घटना होने पर कार्रवाई तय है।

पुलिस पर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास, फायरिंग की, मुठभेड़ में बदमाश को लगी गोली; गिरफ्तार

जौनपुर , एजेंसी। जौनपुर के खेतासराय और खुटहन पुलिस ने मुठभेड़ में एक अन्तर्जनपदीय कुख्यात, शातिर पेशेवर चोर गिरफ्तार को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से तमंचा कारतूस और मोटर साइकिल बरामद किया।

पुलिस के मुताबिक, बीती रात 10 बजे थानाध्यक्ष खुटहन चंदन कुमार राय पहलमापुर नहर पुल पर संदिग्ध व्यक्ति/ वाहन की चेकिंग की जा रहे थे। इसी दौरान गभीरन की तरफ से मोटरसाइकिल से आ रहे एक व्यक्ति को रोकने का इशारा किया किए। लेकिन उसने या कि बाइक पुलिस पर चढ़ाने का प्रयास किया और कलापुर की तरफ भागने लगा।

थानाध्यक्ष ने कंट्रोल रुम व थानाध्यक्ष खेतासराय रामाश्रय राय को सूचना देते हुए पीछा करना शुरू किया। तरसावा मोड़ पर दोनों तरफ से खुद को देखकर बदमाश बाइक घुमाकर भगाना चाहा कि गड्ढे में फंस गया।

पुलिस ने की कार्रवाई

आरोप है कि उसने पुलिस पर तमंचे से फायर किया। इधर पुलिस ने भी फायर किया, जो बदमाश के पैर में गोली लगी। पुलिस के मुताबिक, बदमाश ने, अपना नाम दीपक दूबे उर्फ रिंकू पंडित दौलतपुर पिलकिछा थाना खुटहन जौनपुर बताया।

पुलिस ने अभिरक्षा में लेकर उसे खेतासराय की द्वितीय मोबाइल वाहन से इलाज के लिए पीएचसी खेतासराय भेजा है। बदमाश के खिलाफ खुटहन, बदलापुर, मड़ियाहूं, खेतासराय, आसपुर देवसरा (प्रतापगढ़), थाना गोसाईगंज (सुल्तानपुर) में मुकदमे दर्ज हैं।

एक दिन में हुई 43.2 एमएम बारिश...बिगड़ गए हालात, सड़कें बन गईं नदियां; 12वीं तक के सभी स्कूल बंद

आगरा , एजेंसी। तीन घंटे हुई मूसलाधार बारिश से शुक्रवार को शहर की सड़कें तालाब बन गईं। गली-मोहल्लों से लेकर पॉश इलाकों तक घरों में पानी भर गया। दुकानों में पानी भरने से सामान खराब हो गया। संजय प्लेस, एमजी रोड, तोता का ताल रोड, यमुना किनारा से फतेहाबाद रोड, बिजलीघर पुल के नीचे जलभराव की वजह से जाम लग गया। मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार तक बारिश का अनुमान जताया है।

पिछले दो दिन से हो रही बारिश के बाद शुक्रवार सुबह से ही आसमान में बादल छाए थे। दोपहर में एक बार मौसम साफ होता दिखा, लेकिन उसके बाद बादल ऐसे बरसे कि शहर का हर कोना तरबतर हो गया। दोपहर करीब साढ़े बारह बजे बारिश शुरू हुई जो करीब साढ़े तीन बजे तक जारी रही। मूसलाधार बारिश के चलते सिकंदरा हाईवे, मेंटर अस्पताल से कैलाशपुरी जाने वाली सड़क, तक पानी भरने से घंटों वाहन जाम में रेंगते रहे। एमजी रोड, लोहामंडी, ग्वालियर रोड, प्रतापपुरा, बोदला रोड, आवास विकास, हरीपर्वत समेत विभिन्न सड़कों पर पानी भरने से जाम के हालात बन गए। उधर, यमुना किनारा पर स्ट्रेची ब्रिज के नीचे चार फीट पानी भर गया। इस दौरान स्कूटर व बाइक सवार निकलने की कोशिश में फंस गए।

कई वाहन पानी भरने से खराब होकर रास्ते में बंद हो गए। जीवनी मंडी, मड़िया कटरा, जयपुर हाउस, सिकंदरा चौराहा, से कामायनी कट तक जाम लगा रहा। गुरुद्वारा से बाईपुर तक हाईवे पर पानी भर गया। रावतपाड़ा, सुभाष बाजार व रोशन मोहल्ला, मोतीगंज में दुकानों में रखा सामान पानी से खराब हो गया। तहसील में वादकारियों को जलभराव से खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

सोमवार को खुलेंगे कक्षा 12 तक के स्कूल : बारिश और प्रारंभिक अर्हता परीक्षा को देखते हुए कक्षा नर्सरी से 12 तक के स्कूल शनिवार को बंद रहेंगे। इनमें शासकीय, अशासकीय सहाता प्राप्त परिषदीय, मान्यता प्राप्त (बेसिक), मान्यता प्राप्त (माध्यमिक), सीबीएसई, आईसीएसई बोर्ड के विद्यालय शामिल हैं। इस संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक चंद्रशेखर ने आदेश जारी किया है। उन्होंने कहा है कि आदेश का कड़ाई से पालन कराया जाएगा।

अखिलेश का भाजपा पर तीखा हमला, कहा- आयोग ने भाजपा नेताओं को दिया कोड; घर बैठे बढ़ा रहे वोट

लखनऊ, एजेंसी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव आयोग ने भाजपा नेताओं को कोड दे दिया है। इसके जरिये वे घर बैठकर वोट बढ़ा रहे हैं। सरकार पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) के एसडीएम तैनात नहीं कर रही है। यह पूछे जाने पर किन राज्यों में इस तरह के कोड दिए गए हैं, अखिलेश ने कहा कि कई स्थानों पर ऐसा हुआ है।

अखिलेश ने शुक्रवार को प्रदेश मुख्यालय पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है कि किसी व्यक्ति का वोट बनने से न छूटे और एक भी फर्जी वोट न बनने पाए। लेकिन, भाजपा सरकार, अधिकारियों और चुनाव आयोग की तिकड़ी बन गई है। चुनाव आयोग भाजपा का जुगाड़ आयोग बन गया है। चुनावों में वोटों की डकैती हो रही है। सपा ने कई बार शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि सपा के सभी फ्रंटल संगठन के लोगों की जिम्मेदारी है कि एक भी वोट लिस्ट से कटने न पाए। पंचायत चुनाव में भी इसका विशेष ख्याल रखें। जीएसटी को लेकर अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार चुनाव को देखते हुए नया जीएसटी लाई है।

उन्होंने कहा कि अगर इस सरकार के एजेंडे में शिक्षा व नौकरी होती तो 27 हजार प्राथमिक स्कूल बंद नहीं करती। 69 हजार शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों को अभी तक आंदोलन नहीं करना पड़ता। विश्वविद्यालयों और संस्थाओं में एक ही विचारधारा के लोगों को बैठा दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा पहले इस्तेमाल करती है, फिर बर्बाद कर देती हैं। बाराबंकी में छात्रों पर लाठीचार्ज परिषद बनाम वाहिनी की लड़ाई है। उन्होंने एबीवीपी पर अखिल भारतीय वीडियो पिटाई कहकर कटाक्ष भी किया।

अवनीश अवस्थी ने जो किया, वो भूलने वाली बात नहीं : सपा अध्यक्ष ने उन्हें टोंटी चोर की संज्ञा दिए जाने के मामले में कहा कि यह साजिश तत्कालीन आईएएस अफसर अवनीश अवस्थी और ओएसडी अभिषेक कौशिक की है। सरकार जान ले और सरकार चलाने वाले भी जान लें कि यह बात भूलने वाली नहीं है।

हवालात से भागा था...मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी अरेस्ट, पुलिस पर की थी फायरिंग ; 9 केस दर्ज हैं

वाराणसी , एजेंसी। वाराणसी के जैतपुरा थाना क्षेत्र के हनुमान फाटक रेलवे क्रॉसिंग मालगोदाम मार्ग पर शुक्रवार की रात 12.30 बजे वाहन चोरी के आरोपी इरशाद उर्फ राजू को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार किया। बाएं पैर में लगी गोली से घायल इरशाद उर्फ राजू को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

रविवार को वह जैतपुरा थाने के हवालात से भाग निकला था। डीसीपी काशी जोन ने 25 हजार का इनाम भी घोषित किया था।

डीसीपी क्राइम सरवणन टी. ने बताया कि इरशाद उर्फ राजू निवासी भेलूपुर का है। इसके ऊपर वाहन चोरी समेत नौ केस दर्ज हैं। ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत जैतपुरा पुलिस चेकिंग कर रही थी। इस बीच, जैतपुरा थाना प्रभारी बृजेश मिश्रा और चौकाघाट चौकी इंचार्ज शुभम मिश्रा को सूचना मिली कि रविवार को थाना के हवालात से भागा आरोपी इरशाद हनुमान फाटक रेलवे क्रॉसिंग मालगोदाम मार्ग से कहीं भगाने के फिराक में है।

इस पर पुलिस ने घेराबंदी की तो पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में पुलिस की गोली से घायल हुआ। इस बाबत एसीपी चेतगंज ईशान सोनी ने बताया कि आरोपी के कब्जे से 315 बोर का तमंचा बरामद हुआ है।

रोडवेज की 11 बसें कंडम, 30 नई बसों का भेजा प्रस्ताव

बहराइच , एजेंसी। जिले की 11 रोडवेज बसों को कंडम घोषित कर दिया गया है। इन बसों में नौ बहराइच व दो रुपईडीहा डिपो की शामिल है। कंडम बसों को रीजनल कार्यालय भेजने की तैयारी है। वहां इन्हें नीलाम किया जाएगा। दूसरी तरफ बेड़े में बसों की कमी को दूर करने के लिए 30 नई बसों का प्रस्ताव मुख्यालय भेजा गया है।

बहराइच डिपो से 103 बसों का संचालन होता था। इसमें से एक माह पूर्व नौ बसें अपनी आयु पूरी कर चुकी थी। इनको रोडवेज बस के बेड़े से निकालकर कंडम घोषित कर दिया गया। मौजूदा समय में जिला मुख्यालय से 94 बसों का संचालन किया जा रहा है। एआरएम बहराइच ज्ञानचंद्र का कहना है कि बीस नई बसों का मांग पत्र भेजा गया है।

वहीं रुपईडीहा रोडवेज से 68 बसें संचालित हो रही थीं। इसमें से दो बसों की आयु पूरी होने के बाद कंडम घोषित किया गया है। अब यहां से 66 बसों का संचालन विभिन्न मार्गों पर किया जा रहा है। एआरएम रामप्रकाश ने बताया कि कंडम घोषित हो चुकी दो बसों को नीलाम करने के लिए पत्र मुख्यालय भेजा जा चुका है। इसके साथ ही दस नई बसों की डिमांड भेजी गई है।

ऑपरेशन महाकाल: तीन और भूमाफिया के नाम सामने आए, कमेटी अगले तीन-चार दिन में रिपोर्ट दर्ज करेगी कार्रवाई

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में ऑपरेशन महाकाल में तीन और भूमाफिया के नाम सामने आ गए हैं। उनके खिलाफ डीसीपी कार्यालयों में कई शिकायतें पहुंची हैं। सभी की जांच जारी है। एक दो दिन में जांच की रिपोर्ट संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था के नेतृत्व में बनी कमेटी को प्रस्तुत की जा सकती है। इस कमेटी के निर्देश पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, नौबस्ता, यशोदानगर, चकेरी, बिधनू, बिठूर, मंधना, चौबेपुर, कोहना, नवाबगंज क्षेत्र से ऑपरेशन महाकाल के अंतर्गत प्लॉट, जमीन और प्रतिष्ठान के लिए रुपये लेकर उसमें कब्जा नहीं देने की कई शिकायतें आई हैं। इनकी जांच की गई तो कई शिकायतें एक ही नाम के आरोपी के खिलाफ मिलीं। यह शिकायतें चारों जोन के डीसीपी कार्यालयों में आई थीं, जिनकी जांच एडीसीपी, एसीपी और थाना प्रभारी से कराई गई।

तीन से चार दिन में रिपोर्ट दर्ज होगी

इसकी रिपोर्ट जेसीपी कानून व्यवस्था की कमेटी को भेजी गई है। जेसीपी कानून व्यवस्था आशुतोष कुमार ने बताया कि यह शिकायतें नौबस्ता, बिठूर और नवाबगंज क्षेत्र के हैं। इनका कार्य शहर के कुछ अन्य हिस्सों में भी चल रहा है। आरोपियों ने रुपये लिए, बैनामा कराया जबकि कब्जा नहीं दिया। रुपये देने वालों ने जब कब्जे के लिए कहा तो उन्हें धमकी दी गई। ऐसे तीन भूमाफिया के खिलाफ तीन से चार दिन में रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

कमेटी ने 44 मामलों की जांच पूरी की : ऑपरेशन महाकाल में अब तक 230 शिकायतें आई हैं जिनमें से 44 की जांच पूरी हो गई है। इन जांचों की रिपोर्ट को जेसीपी कानून व्यवस्था के नेतृत्व की बनी कमेटी के पास भेजा गया है। वहां हर रिपोर्ट की समीक्षा और कई पहलुओं पर जांच के बाद कार्रवाई के लिए निर्देश जारी हो रहे हैं। जेसीपी कानून व्यवस्था ने बताया कि कमेटी जांच करने के बाद ही एफआईआर के निर्देश जारी कर रही है। नेगी भाइयों, लाली शुक्ला, महेश यादव समेत अन्य के खिलाफ एफआईआर हो चुकी है।

हिस्ट्रीशीटर और शातिर भी शामिल : डीसीपी की जांच में भूमाफिया के साथ जमीन के खेल में कुछ हिस्ट्रीशीटर और शातिरों के शामिल होने की जानकारी भी हुई है। पुलिस ऑपरेशन दिव्य दृष्टि के अंतर्गत पंजीकृत किए गए हिस्ट्रीशीटरों की लोकेशन और कॉल डिटेल को भूमाफिया के साथ जोड़कर देख रही है। अगर उनकी कॉल डिटेल और मोबाइल लोकेशन में साक्ष्य मिलते हैं] तो उनको पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा। कुछ हिस्ट्रीशीटरों से पूछताछ शुरू हो गई है।

अमेरिका ने इक्वाडोर के दो गिरोहों को विदेशी आतंकी संगठन घोषित किया: रुबियो

एजेंसी

क्विटो (इक्वाडोर)। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने घोषणा की कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने इक्वाडोर के दो कुख्यात गिरोहों 'लॉस लोबोस' और 'लॉस चोनेरोस' को विदेशी आतंकी संगठनों की सूची में शामिल कर लिया है। यह कदम ट्रंप प्रशासन की ओर से ड्रग कार्टेल्स और आपराधिक गिरोहों पर सख्ती की नई कड़ी मानी जा रही है। रुबियो इक्वाडोर की राजधानी क्विटो पहुंचे, जहां उन्होंने नेताओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह कदम अमेरिका और इक्वाडोर की सरकारों को इन गिरोहों पर मिलकर कार्रवाई करने के कई विकल्प देगा, जिनमें इनके नेताओं को मार गिराना, अमेरिका में इनके संपत्तियों और बैंक खातों पर कार्रवाई करना और खुफिया जानकारी साझा करना शामिल है। उन्होंने इन गिरोहों को 'दरिंदे, आतंकवादी' बताते हुए कहा, 'अब हम सिर्फ नावों पर ड्रग डीलरों को पकड़ने की कोशिश नहीं करेंगे, बल्कि राष्ट्रपति (ट्रंप) ने युद्ध छेड़ने की बात कही है क्योंकि ये गिरोह 30 साल से हम पर युद्ध कर रहे हैं और अब तक किसी ने जवाब नहीं दिया। इस घोषणा से पहले अमेरिकी सेना ने हाल ही में वेनेजुएला के गिरोह 'ट्रेन डे अरागुआ' के कथित ड्रग-तस्करों के जहाज पर हमला कर 11 लोगों को मार गिराया था।

इटैलियन फैशन डिजाइनर जियोर्जियो अरमानी का 91 वर्ष की उम्र में निधन

मिलान। विश्व फैशन जगत के दिग्गज इटैलियन डिजाइनर जियोर्जियो अरमानी का 91 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। अरमानी ग्रुप ने इस दुखद खबर की पुष्टि की। कंपनी की ओर से जारी बयान में कहा गया, 'इल सिग्नोर अरमानी, जैसा कि उन्हें हमेशा सम्मानपूर्वक पुकारा जाता था, अपने प्रियजनों के बीच शांतिपूर्वक इस दुनिया को अलविदा कह गए। वे हमारे लिए एक अटूट प्रेरणास्रोत थे।' अरमानी ने अपने डिजाइन्स के जरिए न केवल इटली की पहचान बनाई बल्कि हॉलीवुड की रेड कार्पेट संस्कृति को भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनकी खासियत थी कि सादगी और एलिगेंस को मिलाकर क्लासिक अंदाज पेश करना। 1980 में फिल्म 'अमेरिकन गिगोलो' में अभिनेता रिचर्ड गेर द्वारा पहने गए अरमानी सूट ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान दिलाई।

ट्रंप ने जेलेंस्की से बातचीत में कहा- यूरोप रूसी तेल की खरीद बंद करे, चीन पर भी दबाव डाले

वॉशिंगटन/कीव। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार सुबह यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और यूरोपीय नेताओं के साथ हुई फोन कॉल में कहा कि यूरोप को तुरंत रूसी तेल की खरीद बंद करनी चाहिए और चीन पर भी आर्थिक दबाव डालना चाहिए। यह जानकारी एक व्हाइट हाउस अधिकारी ने दी। अधिकारी के अनुसार, यह बातचीत 'कोएलिशन ऑफ द विलिंग' के तहत हुई, जिसमें फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और अन्य यूरोपीय नेता शामिल थे। इसी दौरान मैक्रों और यूरोपीय नेताओं ने ट्रंप को कॉल में जोड़ा। ट्रंप ने जोर देकर कहा कि रूस को युद्ध के लिए धन यूरोप से मिल रहे तेल-राजस्व से मिल रहा है, जो सिर्फ पिछले एक साल में 1.1 अरब यूरो तक पहुंच गया। ट्रंप ने इस कॉल में यह भी कहा कि यूरोप को चीन पर आर्थिक दबाव बढ़ाना होगा, क्योंकि बीजिंग रूस को अप्रत्यक्ष रूप से सहारा दे रहा है। उन्होंने संकेत दिया कि अगर पुतिन शांति की दिशा में कदम नहीं उठाते हैं, तो अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को 'कड़े कदम' उठाने होंगे। वहीं, फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने भी कहा कि ट्रंप ने अमेरिका और यूरोप को मिलकर रूस पर नए प्रतिबंध लगाने का सुझाव दिया है, जिसमें खास तौर पर तेल और गैस को निशाना बनाने की बात शामिल है। स्टब ने बताया कि ट्रंप का जोर इस बात पर था कि हमें संयुक्त रूप से कदम उठाकर रूस की 'वार मशीन' को आर्थिक रूप से कमजोर करना होगा।

यूरोपीय नेताओं और जेलेंस्की के पेरिस में एकत्र होने पर रूस ने चेतावनी दी

पेरिस। रूस ने आज पुनः चेतावनी दी है कि मॉस्को भविष्य के शांति समझौते में यूक्रेन में किसी भी पश्चिमी सैनिक की मौजूदगी को स्वीकार नहीं करेगा। रूस की यह टिप्पणी ऐसे समय पर आई है जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की पेरिस में शीर्ष यूरोपीय नेताओं के एक समूह से मिल रहे हैं। अमेरिका के एबीसी न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा, रूस किसी भी रूप में यूक्रेन में अस्वीकार्य विदेशी हस्तक्षेप पर चर्चा करने का इरादा नहीं रखता है। उन्होंने कहा, पश्चिमी युद्ध भड़काने वाले यूक्रेन को अपने सैन्य विकास के लिए एक परीक्षण स्थल के रूप में देखते हैं। मॉस्को ने फरवरी 2022 में शुरू हुए अपने पड़ोसी देश पर रूस के पूर्ण आक्रमण को समाप्त करने के समझौते के तहत यूक्रेन में किसी भी स्तर पर पश्चिमी सैनिकों की तैनाती के प्रस्तावों को अनेक बार खारिज किया है। इसके बावजूद नाटो नेताओं और यूक्रेन सरकार शांति प्रस्ताव के तहत विदेशी सैनिकों की तैनाती की संभावना पर चर्चा कर रहे हैं। यूक्रेन का कहना है कि यह किसी भी अमेरिकी मध्यस्थता वाले शांति समझौते को सुगम बनाने के लिए आवश्यक सुरक्षा गारंटी का एक हिस्सा है। जखारोवा ने कहा कि जिन सुरक्षा उपायों पर चर्चा हो रही है, वे यूक्रेन के लिए सुरक्षा की गारंटी नहीं हैं, बल्कि वे यूरोपीय महाद्वीप के लिए खतरे की गारंटी हैं।जेलेंस्की के पेरिस पहुंचने के बाद फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के कार्यालय के अनुसार, मैक्रों व अन्य नेता पूर्वी समयानुसार सुबह लगभग 8 बजे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से वर्चुअली बातचीत करेंगे।

डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ की वैधता पर फैसला देने के लिए अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से अपील की

एजेंसी

न्यूयॉर्क । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से निचली अदालत के उस फैसले को तुरंत पलटने का अनुरोध किया है, जिसमें उनके कई व्यापक टैरिफ को अवैध पाया गया है। यह याचिका शुक्रवार को अमेरिकी संघीय सर्किट अपील न्यायालय द्वारा 7-4 मतों से दिए गए उस फैसले के बाद आई है, जिसमें ट्रंप ने आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम के माध्यम से लगभग सभी व्यापारिक साझेदारों पर टैरिफ लागू करके अपने अधिकार का अतिक्रमण किया था। इसमें कहा गया था कि उनका यह कदम राष्ट्रपति के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता और टैरिफ लगाना कांग्रेस की एक प्रमुख शक्ति है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, मई की शुरुआत में न्यूयॉर्क स्थित अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय ने टैरिफ को गैरकानूनी घोषित किया था। ट्रंप

प्रशासन द्वारा दायर दस्तावेजों में कहा गया है कि जून 2026 तक फैसले में देरी करने से ऐसी स्थिति पैदा हो सकती है जिसमें 750 अरब से एक ट्रिलियन डॉलर तक के टैरिफ पहले ही वसूले जा चुके होंगे, और उन्हें वापस लेने से महत्वपूर्ण व्यवधान पैदा हो सकता है। सॉलिसिटर जनरल जॉन सॉयर ने बुधवार रात दायर दस्तावेज में कहा, इस मामले में दांव इससे ज्यादा नहीं हो सकता।अमेरिकी व्यवसायों ने 24 अगस्त तक अमेरिकी अदालतों द्वारा अवैध माने गए टैरिफ को कवर करने के लिए 210 अरब डॉलर से अधिक का भुगतान किया है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, अगर सुप्रीम कोर्ट इस फैसले को बरकरार रखता है, तो अमेरिकी वित्त मंत्रालय को एकत्रित टैरिफ राजस्व वापस करना पड़ सकता है। ट्रंप ने अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम का इस्तेमाल व्यापारिक साझेदारों पर भारी शुल्क लगाने के लिए किया, अप्रैल में राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की और तर्क दिया कि व्यापार असंतुलन ने घरेलू विनिर्माण को नुकसान पहुंचाया है और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा किया है। फिर भी, अपील अदालत ने अपने फैसले को 14 अक्टूबर तक प्रभावी होने से रोक दिया, जिससे ट्रंप को सुप्रीम कोर्ट में अपील करने का समय मिल गया।

नेपाल में सभी इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स ने बंद की सोशल मीडिया साइट्स

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल सरकार के आदेश पर देश के सभी मोबाइल और इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स ने सभी सोशल मीडिया साइट्स को बंद कर दिया है। देश में रजिस्टर्ड न होने वाली सोशल मीडिया साइट्स अब नेपाल में नहीं चल रही हैं। नेपाल सरकार ने एक आदेश जारी करते हुए नेपाल में रजिस्टर्ड नहीं होने वाले सोशल मीडिया साइट्स पर प्रतिबंध लगाने का फैसला लिया था। सरकार के इस निर्देश के बाद नेपाल की सभी मोबाइल कंपनियों और इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स एसोशिएसन ने सोशल मीडिया साइट्स बंद कर दिया है। अब नेपाल में फेसबुक, मैसेंजर, वाट्सएप, ट्विटर, यूट्यूब, इंस्टाग्राम सहित 26 सोशल मीडिया साइट्स बंद हो गई हैं। सभी मोबाइल कंपनियों और इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स कंपनियों ने अलग-अलग बयान जारी करके सरकार के निर्देश पर इन 26 सोशल मीडिया साइट्स को बंद किए जाने की जानकारी दी है। इसी बीच सरकार के सूचना तथा संचार मंत्रालय के प्रवक्ता गजेन्द्र ठाकुर ने बताया कि फेसबुक, इंस्टाग्राम और वाट्सएप जैसे सोशल मीडिया साइट्स की पैरेंट कंपनी मेटा ने नेपाल सरकार से संपर्क स्थापित करने का प्रयास किया है। ठाकुर ने बताया कि मेटा के सिंगापुर दफ्तर से मंत्रालय में फोन करके कंपनी रजिस्ट्रेशन के लिए आवश्यक दस्तावेज की मांग की है।

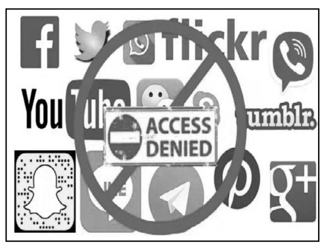

अरबों डॉलर की तीस्ता मेगा परियोजना बहुआयामी आपदा को देगी जन्म, जल एवं पर्यावरण विशषज्ञों ने चेताया

एजेंसी

ढाका। प्रतिष्ठित जल एवं पर्यावरण विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अरबों डॉलर की तीस्ता मेगा परियोजना बहुआयामी आपदा को जन्म देगी। साथ ही मुट्ठी भर लोगों के एक समूह को अंतहीन मुनाफा कमाने का अवसर भी प्रदान करेगी। यही नहीं इस परियोजना से लोगों, पर्यावरण, अर्थव्यवस्था और बांग्लादेश के राजनयिक संबंधों को भी नुकसान पहुंच सकता है। ढाका ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, परियोजना सामग्री, व्यवहार्यता अध्ययन और समाचारों को आधार बनाकर विशेषज्ञों ने इसके संभावित पहलुओं का विश्लेषण कर निष्कर्ष निकाला है कि यह न तो तकनीकी रूप से सही है, न ही वैज्ञानिक रूप से सही और न ही पर्यावरणीय रूप से उचित। विशेषज्ञों को आशंका है कि जिन संकटों के कारण इस परियोजना को शुरू से ही लागू करना जरूरी था, जैसे कि अचानक बाढ़, नदी तट का कटाव और कम वर्षा वाले मौसम में पानी की कमी, वे और भी बदतर हो जाएंगे। पेंसिल्वेनिया कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटी में भू-विज्ञान पढ़ाने वाले मोहम्मद खलीकुज्जमां ने कहा, यह परियोजना बांग्लादेश को तीस्ता नदी की निरंतर तलकर्षण और उसके तटों की निरंतर मरम्मत और रखरखाव जैसी जरूरतों से रूबरू कराएगी। उन्होंने कहा, इससे ठेकेदारों, प्रबंधकों, राजनेताओं और चीन की सरकार को लाभ होगा।

उल्लेखीय है कि चीन की सरकारी कंपनी पावर चाइना से पर्याप्त ऋण और तकनीकी सहायता आकार लेने वाली तीस्ता नदी व्यापक प्रबंधन और पुनरुद्धार परियोजना का उद्देश्य 114 किलोमीटर लंबे तटबंध बनाकर और इसकी चौड़ाई को अधिकतम एक किलोमीटर तक करना है। नदी की वर्तमान औसत चौड़ाई तीन किलोमीटर है। इस परियोजना का उद्देश्य 170 वर्ग किलोमीटर भूमि को पुनः प्राप्त करना, बाढ़ और नदी तट के कटाव को नियंत्रित करना और नौवहन एवं सिंचाई को बढ़ाना है। साथ ही एक नहर भी बनाई जाएगी। नदी के किनारों पर 100 किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तक तटबंध बनाए जाएंगे।

विशेषज्ञों का तर्क है कि बांग्लादेश में चाहे जितने जतन किए जाएं तीस्ता की मुख्य समस्या का समाधान नहीं हो सकता। कम वर्षा वाले मौसम में पानी की कमी की समस्या खत्म नहीं होगी। पूर्वी हिमालय से सफर शुरू करने वाली तीस्ता नदी के जलग्रहण क्षेत्र का लगभग 2,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पूरे जलग्रहण क्षेत्र का 17 प्रतिशत है और यह बांग्लादेश के अधीन है। अवरोधों, बैराज और ऊपरी भारतीय राज्यों सिक्किम और पश्चिम बंगाल में पानी की निकासी के कारण पिछले दशकों में तीस्ता में प्रवाह और तलछट जमाव क्रमशः 60 बीसीएम और 49 मीट्रिक टन से घटकर 25 बीसीएम और तीन मीट्रिक टन रह गया है।

बांग्लादेश में डेढ़ लाख से ज्यादा पुलिसकर्मियों को दिया जाएगा चुनाव का प्रशिक्षण

एजेंसी

ढाका (बांग्लादेश)। अगले साल फरवरी में होने वाले संसदीय चुनाव के मद्देनजर डेढ़ लाख (1,50,000) से ज्यादा पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इसका मकसद निष्पक्ष और सुरक्षित चुनाव कराना है। पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) काजी जियाउद्दीन का कहना है, हम स्वतंत्र, निष्पक्ष, तटस्थ और शांतिपूर्ण राष्ट्रीय चुनाव सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसकी सभी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, डीआईजी काजी ने कहा कि 1,50,000 या उससे अधिक पुलिसकर्मियों को सभी जरूरी प्रशिक्षण दिया जाएगा। पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) में तैनात और मुख्य कानून प्रवर्तन एजेंसी के मानव संसाधन (एचआर) विकास का प्रभार संभाल रहे जियाउद्दीन ने कहा कि पिछले तीन महीनों में चुनाव विशेषज्ञों और वकीलों के सुझावों को शामिल करते हुए नौ प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार किए गए हैं। उन्होंने बताया कि बांग्लादेश पुलिस के दे में

130 छोटे और चार बड़े प्रशिक्षण केंद्र हैं। चुनाव ड्यूटी में हिस्सा लेने वाले सभी पुलिसकर्मियों को इन्हीं केंद्रों में प्रशिक्षित किया जाएगा। 31 अगस्त से तीन सितंबर तक ढाका स्थित पुलिस मुख्यालय में इन मॉड्यूल के तहत 150 मास्टर प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित किया है। आने वाले दिनों में देश भर के 19 पुलिस प्रशिक्षण केंद्रों में 1,292 मास्टर प्रशिक्षक तैयार करने की योजना बनाई गई है। पुलिस मुख्यालय इस सप्ताह के अंत में राजारबाग पुलिस लाइन में प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर एक औपचारिक उद्घाटन समारोह आयोजित करेगा।

अफगानिस्तान में फिर लगे भूकंप के तेज झटके, राहत और बचाव कार्य जारी

एजेंसी

काबुल। अफगानिस्तान में एक बार फिर 5.6 तीव्रता का भूकंप आया है। इसका केंद्र नांगरहार प्रांत की राजधानी जलालाबाद से 14 किलोमीटर पूर्व में था। यह जानकारी अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने दी। समाचार एजेंसी के अनुसार, आए भूकंप का केंद्र 34.72 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 70.79 डिग्री पूर्वी देशांतर पर 10 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। जीएफजेड जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने भूकंप की तीव्रता 6.2 मापी। यह ताजा भूकंप हाल के दिनों में नांगरहार और पड़ोसी कुनार, लघमन और नूरिस्तान प्रांतों में आए भूकंपों की एक सीरीज के बाद आया है। सबसे विनाशकारी, 6.0 तीव्रता का भूकंप रविवार देर रात आया, जिससे व्यापक विनाश और जान-माल का भारी नुकसान हुआ। आधिकारिक रिपोर्टों में 2,200 से ज्यादा लोगों की मौत और 3,600 से ज्यादा लोगों के घायल होने की पुष्टि हुई है। अभी भी

प्रभावित क्षेत्रों में बचाव अभियान जारी है। ताजा भूकंप के बाद इलाके को हाई अलर्ट पर रखा गया है। वहीं, अधिकारी और सहायता संगठन बढ़ते संकट से जूझ रहे हैं। तालिबान सरकार के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मरने वालों की संख्या कम से कम 800 हो गई है और 2,500 से ज्यादा घायल हुए हैं। ज्यादातर हताहत कुनार में हुए हैं। अफगानिस्तान में इमारतें आमतौर पर कम ऊंचाई वाली होती हैं। इनमें से ज्यादातर कंक्रीट और ईंटों से बनी होती हैं, ग्रामीण और बाहरी इलाकों में घर मिट्टी की ईंटों और लकड़ी से बने होते हैं। कई घरों का निर्माण तय मानकों के अनुसार नहीं किया जाता है। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त फिलिपो ग्रांडी ने कहा कि भूकंप ने अफगानिस्तान में मौजूदा मानवीय चुनौतियों को और बढ़ा दिया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय दानदाताओं से राहत कार्यों में सहयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, इससे सूखे और पड़ोसी देशों से लाखों अफगानों की जबरन वापसी जैसी अन्य चुनौतियों में मौत और विनाश भी शामिल हो गया है। उम्मीद है कि दान करने वाले राहत कार्यों में सहयोग करने में संकोच नहीं करेंगे। इसके पहले 31 अगस्त को आए भूकंप से अफगानिस्तान में भी काफी तबाही मची थी। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण के अनुसार, यह 6.0 तीव्रता का भूकंप 31 अगस्त की रात 11:47 बजे स्थानीय समय पर, आठ किलोमीटर की गहराई पर आया था।

अमेरिकी न्याय विभाग ने फेडरल रिजर्व की गवर्नर लिसा कुक के खिलाफ आपराधिक जांच शुरू की

एजेंसी

वाशिंगटन (अमेरिका)। अमेरिका के न्याय विभाग ने फेडरल रिजर्व की गवर्नर लिसा कुक के खिलाफ धोखाधड़ी (आपराधिक) की जांच शुरू कर दी है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इस जांच में कौन से अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय शामिल हैं। अदालती रिकॉर्ड के अनुसार, कुक ने पहले अपने खुलासे में बताया था कि उनके जॉर्जिया, मैसाचुसेट्स और मिशिगन में घर हैं। जांच से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि संघीय अभियोजकों ने समन जारी करना शुरू कर दिया है। इसलिए अनुमान है कि इन्हीं क्षेत्रों के कार्यालय जांच में शामिल होंगेद न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, इससे पहले फ़ेडरल हाउसिंग फ़ाइनेंस एजेंसी के निदेशक बिल पुल्टे के कार्यालय ने कुक के खिलाफ जांच कराई थी। इसमें साफ हुआ कि कुक ने एक मामले में अनुकूल शर्तें हासिल करने के लिए बैंक दस्तावेजों में हेराफेरी की। इसके बाद पुल्टे ने इस मामले को आपराधिक जांच के लिए न्याय विभाग को भेजा। इससे पहले ट्रंप ने घोषणा की थी कि वह लिसा कुक को फ़ेडरल रिज़र्व से बाहर कर देंगे। कुछ दिन पहले खबर आई कि कुक को बर्खास्त कर दिया गया। कुक ने प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दायर किया। उनके वकीलों ने उनकी संभावित बर्खास्तगी को फ़ेडरल रिज़र्व की पारंपरिक स्वतंत्रता को कमजोर करने की एक अवैध कोशिश बताया। एक बयान में कुक का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील एब्बे डी. लोवेल ने कहा कि रिपोर्टों से पता चलता है कि ट्रंप प्रशासन अपने अतिक्रमण के लिए नए औचित्य गढ़ने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने न्याय विभाग को अमेरिकी इतिहास में शायद सबसे अधिक राजनीतिकरण वाला विभाग बताया। न्याय विभाग के प्रवक्ता ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

126 देश यूक्रेन में युद्धविराम लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं : इमैनुएल मैक्रों

एजेंसी

पेरिस । फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने घोषणा की है कि 26 देश औपचारिक रूप से यूक्रेन में युद्धविराम लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के साथ बोलते हुए कहा कि ये देश एक आश्वासन बल' में योगदान देंगे, जो यूक्रेन में सैनिकों को तैनात कर सकता है या जमीन, समुद्र या हवा में सहायता प्रदान कर सकता है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इमैनुएल मैक्रों ने आगे कहा कि शिखर सम्मेलन के बाद प्रतिभागियों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बातचीत की और आने वाले दिनों में अमेरिका द्वारा सुरक्षा गारंटी में अपने योगदान को अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है।राष्ट्रपति डोनाल्ड

ट्रंप ने हाल ही में संकेत दिया था कि अमेरिकी सपोर्ट संभवतः हवाई समर्थन के रूप में मिल सकता है, और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने अमेरिकी नेता से 'यूक्रेन के हवाई क्षेत्र की अधिकतम सुरक्षा' के बारे में बात की है। 'स्वैच्छिक गठबंधन' नामक 35 देशों के शिखर सम्मेलन के बाद फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने कहा कि आने वाले दिनों में अमेरिकी समर्थन को अंतिम रूप दिया जाएगा।

जेलेंस्की ने इस घोषणा का स्वागत एक 'ठोस' कदम बताते हुए किया और जोर देकर कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय या त्रिपक्षीय बैठक शांति प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी है। यह घोषणा गठबंधन की एक वर्चुअल बैठक के बाद हुई, जिसकी सह-अध्यक्षता मैक्रों और ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने की। लगभग 30 देशों, जिनमें ज्यादातर यूरोपीय देश शामिल हैं, को एक साथ लाने वाले इस समूह ने यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी प्रदान करने की प्रतिबद्धता जताई है।

वेनेजुएला के दो सैन्य विमान अमेरिकी नौसेना के पोत के पास से गुजरे, पेंटागन ने भड़काऊ कदम माना

एजेंसी

वाशिंगटन (अमेरिका)। वेनेजुएला के दो सैन्य विमानों के अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में तैनात अमेरिकी नौसेना के पोत के पास से गुजरने की घटना को पेंटागन ने गंभीरता से लिया है। पेंटागन इसे बेहद भड़काऊ कदम माना है। गुरुवार रात एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में रक्षा विभाग ने लिखा कि यह कदम हमारे मादक-आतंकवाद विरोधी अभियानों में बाधा डालने के लिए उठाया गया।

एबीसी न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, पेंटागन ने यह जानकारी देते हुए बयान में वेनेजुएला के कार्टेल को सख्त सलाह दी है कि वह अमेरिकी सेना के मादक पदार्थों और आतंकवाद विरोधी अभियानों में हस्तक्षेप करने का प्रयास न करे। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी नौसेना ने हाल ही में कैरिबियन और प्रशांत महासागर में आठ जहाज तैनात किए हैं। इस घटनाक्रम पर सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट में विस्तार से जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में रक्षा विभाग के अनेक अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि वेनेजुएला के दो सशस्त्र एफ-16 लड़ाकू विमानों ने यूएसएस जेसन डनहम (युद्धपोत) के ऊपर से उड़ान भरी। कार्टेल ने एक तरह से शक्ति प्रदर्शन किया। हाल ही में अमेरिकी नौसेना के जहाजों को वेनेजुएला के तटीय जलक्षेत्र में भेजा गया है, क्योंकि राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने ड्रग कार्टेल पर नकेल कसने का संकल्प लिया है। इस वजह से ट्रंप और वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के बीच तनाव बढ़ रहा है। ट्रंप प्रशासन ने मादुरो पर अमेरिका में नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए ड्रग कार्टेल के साथ गठजोड़ करने का आरोप लगाया है। अमेरिकी ने हाल ही में मादुरो की गिरफ्तारी पर इनाम की राशि को दोगुना करके 5 करोड़ डॉलर कर दिया है। उधर, वेनेजुएला सरकार ने इन आरोपों का खंडन किया है।मादुरो ने इस सप्ताह की शुरुआत में अमेरिकी युद्धपोतों को आपराधिक और खतरनाक ख़तरा बताया था। ट्रंप और विदेशमंत्री मार्को रुबियो के अनुसार, मंगलवार को अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला से ड्रग्स ले जा रही थी एक नाव पर हमला किया था। अमेरिकी सेना ने दावा किया था कि उसने नाव पर सवार 11 लोगों को मार डाला।

अमेरिकी रक्षा विभाग का नाम अब युद्ध विभाग होगा

एजेंसी

वाशिंगटन (अमेरिका)। व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप रक्षा विभाग का नाम बदलकर युद्ध विभाग करने संबंधी कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करेंगे। इस तरह द्वितीय विश्व युद्ध के तुरंत बाद तक विभाग का जो नाम था, उसे बहाल करके सैन्य मिशन को पुनर्गठित करने का ट्रंप का वादा पूरा हो जाएगा। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, यह कदम, जिसकी कुछ समय से उम्मीद की जा रही थी, युद्ध-लड़ने की क्षमताओं का प्रदर्शन करके एक अधिक आक्रामक छवि पेश करने के अपने लक्ष्यों के अनुरूप सेना को नया रूप देने के ट्रंप के प्रयासों को रेखांकित करता है। ट्रंप उस जागरुकता के बजाय अपनी ताकत का प्रदर्शन करना चाहते हैं, जिसके बारे में उन्होंने और रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने कहा है कि पूर्व राष्ट्रपति बाइडेन के कार्यकाल में सेना के मनोबल और मिशन पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ा था। ट्रंप ने सबसे पहले अगस्त में ओवल ऑफिस में यह विचार रखा था और कहा था कि यह बस बेहतर लग रहा है। मुझे लगता है कि हमें उसी पर वापस जाना होगा। उन्होंने कहा कि नाम परिवर्तन प्रथम और द्वितीय विश्व युद्धों का हवाला देते हुए पुराने नाम के तहत संघर्षों में देश की जीत के रिकॉर्ड की याद दिलाएगा। इसके अगले महीने, ट्रुथ सोशल पोस्ट में हेगसेथ की प्रशंसा करते हुए राष्ट्रपति ने उन्हें युद्ध सचिव कहा।

हिजबुल से द रेजिस्टेंस फ्रंट तक, पाकिस्तान के लोकल टेररिस्ट नैरेटिव की खुली पोल

एजेंसी

नई दिल्ली । पाकिस्तान लंबे समय से कश्मीर मुद्दे को स्थानीय बनाने की कोशिश करता रहा है। पाकिस्तान ने हिजबुल मुजाहिदीन को एक स्थानीय आतंकवादी संगठन के इरादे से बनाया था। हिजबुल मुजाहिदीन के पतन के बाद उसने लश्कर-ए-तैयबा के लिए एक प्रॉक्सी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) बनाया। पाकिस्तान कई दशकों से यही चाहता रहा है कि स्थानीय लोग जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों में शामिल हों। उसकी मंशा इस बात का फायदा उठाकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना से बचना था कि स्थानीय लोग कश्मीर को भारत से अलग करना चाहते हैं और इसमें पाकिस्तान का कोई हाथ नहीं है। हालांकि, भारतीय एजेंसियां हमेशा पाकिस्तान के इस झांसे को बेनकाब करने में कामयाब रही हैं। हाल ही में पहलगाम हमले में भी राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने साफ शब्दों में कहा था कि हमलावर पाकिस्तान से थे और पूरा हमला इस्लामाबाद समर्थित था। अब एक प्रमुख कश्मीरी गैर-सरकारी संगठन, 'सेव यूथ सेव फ्यूचर फाउंडेशन' की एक विस्तृत रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि जम्मू-कश्मीर में 60 प्रतिशत अचिह्नित कब्रें विदेशी आतंकवादियों की हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 30 प्रतिशत कब्रें स्थानीय आतंकवादियों की हैं। हालांकि, सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह है कि सिर्फ 0.2 प्रतिशत कब्रें (9) नागरिकों की हैं। यह रिपोर्ट दो प्रमुख मुद्दों को सुलझाती है। पहला, कश्मीर में स्थानीय लोगों की तुलना में पाकिस्तानी आतंकी ज्यादा सक्रिय थे। दूसरा, कई लोगों ने नागरिकों की व्यापक हत्याओं के दावों को भी खारिज कर दिया है।

'अनरेवेलिंग द ट्रुथः ए क्रिटिकल स्टडी ऑफ अनमार्क्ड एंड अनआइडेंटिफाइड ग्रेव्स इन कश्मीर वैली' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा गया है कि 2,493 कब्रें विदेशी आतंकवादियों की हैं, जबकि 1,208 स्थानीय लोगों की हैं। 9 कब्रें नागरिकों की हैं, जबकि 70 कब्रें 1947 के युद्ध के कबायली हमलावरों की हैं। पाकिस्तान लंबे समय से यह दिखाने का एजेंडा चला रहा है कि स्थानीय लोग ही आतंकवादी हमले कर रहे हैं। उसने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपने गुर्गों के जरिए यह कहानी गढ़ने की भी कोशिश की है कि जम्मू-कश्मीर में नागरिकों की सामूहिक हत्याएं हो रही हैं। इन लोगों ने यह भी कहा कि नागरिक मारे जा रहे हैं और इसे अज्ञात कब्रों से जोड़ा गया। हालांकि, रिपोर्ट इस मिथक को तोड़ती है।'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान का 'फेक नैरेटिव' अपने चरम पर था। प्रथम फील्ड मार्शल ने दावा किया कि भारत ने ही पाकिस्तान से ऑपरेशन रोकने का अनुरोध किया था। पाकिस्तान ने झूठ फैलाने के लिए आधिकारिक चैनलों और सोशल मीडिया का इस्तेमाल किया। इसका उद्देश्य भारतीय नागरिकों में दहशत और अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भारत की कार्रवाई को लेकर भ्रम पैदा करना था। पाकिस्तान ने भारत में सिखों को नाराज करने की भी कोशिश की, जब उसने झूठा दावा किया कि भारत ने पाकिस्तान स्थित ननकाना साहिब गुरुद्वारे पर हमला किया था। पाकिस्तान के इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने तो यहां तक कह दिया कि भारत ने अमृतसर पर मिसाइलें दागी थीं। भारत हमेशा से पाकिस्तान के झांसे को बेनकाब करने में कामयाब रहा है, लेकिन ऐसी रिपोर्टें और एनआईए की हालिया जांच का इस्तेमाल नई दिल्ली के दृष्टिकोण को सामने लाने के लिए किया जाएगा। इंटेलिजेंस ब्यूरो के अधिकारियों का कहना है कि जिन कब्रों के बारे में पाकिस्तान झूठ बोल रहा है, उनसे जुड़ी यह रिपोर्ट अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने इस्लामाबाद को बेनकाब करने में मददगार साबित होगी।

भारत में मानसून के दौरान कोयला आयात में 16.4 फीसदी की गिरावट

- एक साल पहले सितंबर में कोयला आयात 2.52 करोड़ टन था

नई दिल्ली ।

मानसून के मौसम में सुस्त मांग और स्टॉक की बेहतर उपलब्धता के कारण जुलाई 2025 में भारत का कोयला आयात 16.4 प्रतिशत घटकर 2.10 करोड़ टन रह गया। एक साल पहले इसी महीने यह 2.52 करोड़ टन था। नॉन-कोकिंग कोयले का आयात जुलाई में 1.15 करोड़ टन था, जो पिछले वित्त वर्ष के जुलाई में 1.65 करोड़ टन था। वहीं, कोकिंग कोयले का आयात 58.5 लाख टन रहा, जो पिछले साल की तुलना में बढ़ा है। चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों (अप्रैल-जुलाई) के दौरान भारत का कुल कोयला आयात 9.74 करोड़ टन रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 10.04 करोड़ टन था। इस अवधि में नॉन-कोकिंग कोयले का आयात 6.06 करोड़ टन था, जो पिछले साल के 6.56 करोड़ टन से कम है। वहीं कोकिंग कोयले का आयात 2.22 करोड़ टन रहा, जो पिछले वित्त वर्ष के 2.02 करोड़ टन से अधिक है। 'एमजंक्शन' सर्विसेज के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि मानसून के कारण कोयले की मांग सुस्त रही, लेकिन सितंबर के अंत से शुरू होने वाले त्योहारी सीजन में मांग में तेजी आने की उम्मीद है। इससे कोयला आयात में फिर से वृद्धि हो सकती है। कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि मानसून के दौरान कोयले की किसी भी कमी का सामना नहीं करना पड़ेगा। सरकार बिजली सहित विभिन्न क्षेत्रों में मांग को पूरा करने के लिए पूरी तरह तैयार है। साथ ही, सरकार सतत विकास और कोयले की उपलब्धता बढ़ाने के साथ-साथ आयात पर निर्भरता कम करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह स्थिति भारत की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है।

टेस्ला ने पहली कार महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री को बेची

नई दिल्ली ।

अमेरिकी उदयोगपति एलन मस्क की कंपनी टेस्ला ने भारत में डिलीवरी शुरू कर दी है। टेस्ला ने अपनी पहली कार महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक को बेची है। राज्य के परिवहन मंत्री ने कहा कि कार खरीदने का उनका फैसला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए था। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, मैंने नागरिकों, खासकर युवा पीढ़ी के बीच इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए टेस्ला की डिलीवरी ली है। मैं चाहता हूं कि बच्चे इन कारों को कम उम्र से ही देखें और सस्टेनेबल परिवहन के महत्व को समझें। सरनाइक ने कहा कि वह प्रतीकात्मक रूप से अपने पोते को यह गाड़ी उपहार में देंगे। सरनाईक ने मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में टेस्ला के नए खुले शोरूम से मॉडल वाई की डिलीवरी ली। हालांकि, भारत में टेस्ला के आगमन को लेकर जितनी चर्चा हुई थी, वह उसकी सेल्स में नहीं दिखी है। इस हफ्ते की शुरुआत में आई कई रिपोर्टों के अनुसार, जुलाई के मध्य में बुकिंग शुरू करने के बाद से, कंपनी को केवल 600 से ज्यादा ऑर्डर मिले हैं। वैश्विक स्तर पर, टेस्ला कुछ ही घंटों में इतनी कारें बेच देती है। कंपनी इस साल भारत में 350 से 500 कारें शिप कर सकती है, जिसकी पहली खेप सितंबर की शुरुआत में शंघाई से आ चुकी है। शुरुआत में डिलीवरी मुंबई, दिल्ली, पुणे और गुरुग्राम तक सीमित रहेगी। डिलीवरी के समय सरनाइक ने कहा, भले ही आज लागत थोड़ी ज्यादा हो, लेकिन अधिक महत्वपूर्ण बात सही उदाहरण पेश करना और इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में तेजी लाना है।

फिजिक्सवाला ने सेबी के पास आईपीओ दस्तावेज दाखिल किए

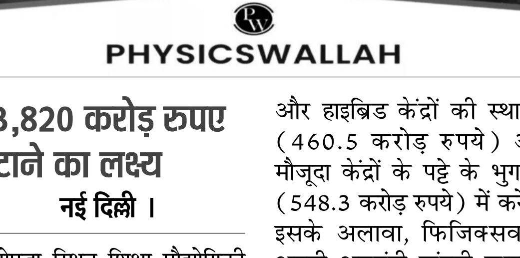

- 3,820 करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

नोएडा स्थित शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी फिजिक्सवाला ने विस्तार और विकास के लिए 3,820 करोड़ रुपये जुटाने के उद्देश्य से बाजार नियामक सेबी के पास अद्यतन दस्तावेज (यूडीआरएचपी) दाखिल किए हैं। इसके तहत कंपनी 3,100 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी करेगी और प्रवर्तक अलख पांडेय व प्रतीक बूब 720 करोड़ रुपये के शेयर बेचेंगे। दोनों प्रवर्तकों के पास कंपनी में लगभग 40.35 फीसीदी हिस्सेदारी है। फिजिक्सवाला ने मार्च में गोपनीय रूप से आईपीओ के लिए दस्तावेज दाखिल किए थे, जिसे जुलाई में सेबी ने मंजूरी दी। इसके बाद अब अद्यतन दस्तावेज दाखिल कर आरएचपी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। जुटाए गए फंड का उपयोग कंपनी नए ऑफलाइन और हाइब्रिड केंद्रों की स्थापना (460.5 करोड़ रुपये) और मौजूदा केंद्रों के पट्टे के भुगतान (548.3 करोड़ रुपये) में करेगी। इसके अलावा, फिजिक्सवाला अपनी अनुषंगी कंपनी ज़ाइलम लर्निंग में 47.2 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। सर्वर और क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए 200.1 करोड़ रुपये, विपणन के लिए 710 करोड़ रुपये और उत्कर्ष क्लासेस में अतिरिक्त हिस्सेदारी के लिए 26.5 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। फिजिक्सवाला जेईई, नीट, गेट और यूपीएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से कोर्स प्रदान करती है। कंपनी के तकनीक-सक्षम केंद्र छात्रों को व्यक्तिगत सहायता के साथ शिक्षा उपलब्ध कराते हैं। यह आईपीओ फिजिक्सवाला के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे कंपनी भारत के शिक्षा क्षेत्र में अपनी पहुंच और प्रभाव को और बढ़ा सकेगी।

एफपीआई ने सितंबर के पहले सप्ताह में शेयर बाजार से 12,257 करोड़ निकाले

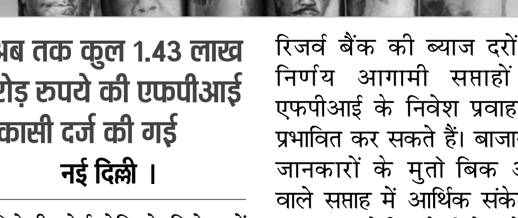

- अब तक कुल 1.43 लाख करोड़ रुपये की एफपीआई निकासी दर्ज की गई

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने सितंबर के पहले सप्ताह में भारतीय शेयर बाजारों से 12,257 करोड़ रुपये (लगभग 1.4 अरब डॉलर) की बड़ी निकासी की है। यह निरंतर प्रवृत्ति रही है क्योंकि अगस्त में 34,990 करोड़ और जुलाई में 17,700 करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। इस तरह, 2025 में अब तक कुल 1.43 लाख करोड़ रुपये की एफपीआई निकासी दर्ज की गई है। विशेषज्ञों के अनुसार डॉलर में मजबूती, अमेरिकी शुल्क संबंधी चिंताएं, और वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव निकासी के प्रमुख कारण हैं। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतियां, अमेरिकी श्रम बाजार के आंकड़े, और भारतीय रिजर्व बैंक की ब्याज दरों पर निर्णय आगामी सप्ताहों में एफपीआई के निवेश प्रवाह को प्रभावित कर सकते हैं। बाजार के जानकारों के मुतो बिक आने वाले सप्ताह में आर्थिक संकेतकों पर नजर रहेगी, जो निवेशकों के निर्णयों को प्रभावित करेंगी। अस्थिरता के बावजूद भारत की मजबूत विकास दर, नीतिगत सुधार और कंपनियों की बेहतर आय के कारण एफपीआई अंततः वापस आएंगे। उन्होंने बताया कि घरेलू संस्थागत निवेशकों की खरीदारी से एफपीआई उच्च मूल्यांकन वाले भारतीय बाजारों से पैसा निकालकर चीन, हांगकांग और दक्षिण कोरिया जैसे सस्ते बाजारों में निवेश कर रहे हैं। समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड सेक्टर में 1,978 करोड़ रुपये का निवेश किया है, जबकि स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग से 993 करोड़ रुपये निकाले गए हैं।

सेंसेक्स की प्रमुख सात कंपनियों का मार्केट कैप 1.06 लाख करोड़ बढ़ा

- बजाज फाइनेंस और रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे आगे

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात कंपे नियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल 1,06,250.95 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। सबसे अधिक लाभ बजाज फाइनेंस और रिलायंस इंडस्ट्रीज में हुआ। बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 37,960.96 करोड़ रुपये बढ़कर 5,83,451.27 करोड़ रुपये हो गया। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्य 23,343.51 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 18,59,767.71 करोड़ रुपये पर पहुंचा। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 17,580.42 करोड़ रुपये बढ़कर 14,78,444.32 करोड़ रुपये हो गया। एलआईसी का मूल्यांकन भी 15,559.49 करोड़ रुपये की वृद्धि के साथ 5,54,607.42 करोड़ रुपये पहुंचा। भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्य 4,246.09 करोड़ रुपये बढ़कर 7,44,864.69 करोड़ रुपये हो गया। भारती एयरटेल और आईसीआईसीआई बैंक के बाजार मूल्य में भी क्रमशः 4,134.02 करोड़ और 3,426.46 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार मूल्य 13,007.02 करोड़ रुपये घटकर 11,02,955.89 करोड़ रुपये रह गया। इन्फोसिस का मूल्यांकन 10,427.47 करोड़ रुपये गिरकर 6,00,036.47 करोड़ रुपये हो गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत भी 6,296.91 करोड़ रुपये घटकर 6,18,694.37 करोड़ रुपये रह गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष स्थान पर कायम रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस और एलआईसी की स्थिति बनी रही।

सरकार ने तय किए 42 जीवनरक्षक दवाओं के खुदरा दाम

नई दिल्ली । राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने जीवनरक्षक दवाओं की कीमतें तय कर दी हैं। इनमें ज़ाइडस हेल्थकेयर की मेरोपीनम एंड सलबेक्टम इंजेक्शन की कीमत 1938.59 प्रति वायल और इप्का लेबोरेट्रीज़ की मायकोफेनोलेट माफे टिल टेबलेट की कीमत 131.58 प्रति टैबलेट तय की गई है। ये दवाएं गंभीर संक्रमण और अंग प्रत्यारोपण के बाद ऑर्गन रिजेक्शन रोकने में इस्तेमाल होती हैं। इसके अलावा, एबॉट हेल्थकेयर की क्ले रिथ्रोमाय सिन ईआर टेबलेट की कीमत 71.71 रुपए प्रति टैबलेट तय की गई है। एनपीपीए ने सभी दवा निर्माताओं को निर्देश दिया है कि वे निर्धारित मूल्य सूची डीलरों, राज्य औषधि नियंत्रकों और सरकार को सौंपें। साथ ही, सभी रिटेलरों और ऑनलाइन फार्मेसियों को यह सूची सार्वजनिक और स्पष्ट स्थान पर प्रदर्शित करनी होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से मरीजों को राहत मिलेगी और दवा विक्रेताओं द्वारा की जाने वाली अनियमित मुनाफाखोरी पर नियंत्रण होगा।

पोस्ट ऑफिस पीपीएफ योजना- सुरक्षित और लाभकारी बचत का विकल्प

- हर साल 50,000 रुपये बचाइए

नई दिल्ली । पोस्ट ऑफिस की पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) योजना केंद्र सरकार द्वारा संचालित एक सुरक्षित बचत योजना है। इस पर वर्तमान में 7.1 फीसदी वार्षिक ब्याज मिलता है, जो निवेशकों के लिए आकर्षक रिटर्न प्रदान करता है। पीपीएफ खाते में न्यूनतम 500 रुपये और अधिकतम 1.5 लाख रुपये सालाना जमा किए जा सकते हैं। खाता 15 साल की अवधि में मैच्योर होता है, जिसे 5-5 साल की अतिरिक्त अवधि के लिए बढ़ाया जा सकता है। यदि आप हर साल 50,000 रुपये जमा करते हैं, तो 15 साल बाद कुल राशि लगभग 13,56,070 रुपये बनती है, जिसमें आपकी जमा राशि और ब्याज दोनों शामिल हैं। पीपीएफ खाते में आपातकालीन जरूरतों के लिए लोन भी लिया जा सकता है। निकासी 5 साल पूरे होने के बाद ही संभव है, हालांकि कुछ विशेष परिस्थितियों में पहले भी निकासी की अनुमति है। यह योजना सरकार द्वारा समर्थित है, इसलिए यह पूरी तरह सुरक्षित है। अगर सालाना न्यूनतम जमा नहीं किया गया तो जुर्माना देकर खाता सक्रिय कराया जा सकता है।

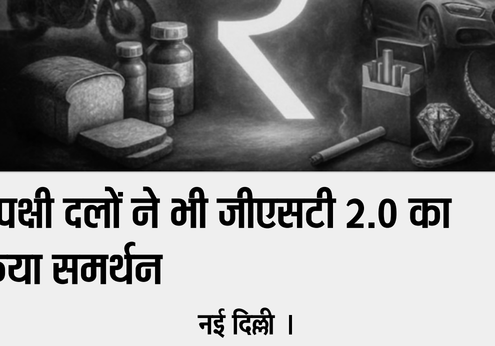

विपक्षी दलों ने भी जीएसटी 2.0 का किया समर्थन

नई दिल्ली ।

विपक्षी दलों ने भी केंद्र सरकार के जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) प्रणाली में ऐतिहासिक बदलाव का समर्थन किया। कांग्रेस ने इसे जीएटी त्रस्ज्ञ 1.5 करार दिया और उम्मीद जताई कि इससे छोटे उद्योगों को राहत मिलेगी। कर्नाटक, केरल, झारखंड जैसे आठ विपक्षी राज्यों ने भी टैक्स दरों में कटौती का समर्थन किया, लेकिन यह भी कहा कि टैक्स राहत का लाभ सीधे आम लोगों तक पहुंचे, इसके लिए निगरानी तंत्र बनाया जाए। अब देश में 12 और 28 फीसदी जैसे टैक्स स्लैब खत्म कर दिए गए हैं। इसके स्थान पर सिर्फ दो मुख्य टैक्स दरें लागू होंगी - 5 और 18 फीसदी। यह नया ढांचा 22 सितंबर 2025 से लागू होगा। इस बदलाव के बाद मक्खन, चॉकलेट, शैंपू, ट्रैक्टर और एयर कंडीशनर जैसी चीजें सस्ती हो जाएंगी। वहीं कुछ घरेलू उपयोग की वस्तुओं से टैक्स पूरी तरह हटा दिया गया है। राज्यों ने राजस्व में संभावित नुकसान की चिंता तो जताई, लेकिन जनहित को प्राथमिकता दी।

वैश्विक आर्थिक आंकड़ों, विदेशी निवेशकों से तय होगी बाजार की दिशा

- कच्चे तेल में उतार-चढ़ाव और रुपये-डॉलर के विनिमय दर की दिशा भी बाजार को प्रभावित करेगी

मुंबई ।

इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की दिशा घरेलू और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों, विदेशी निवेशकों की गतिविधियों और मुद्रास्फीति के आंकड़ों से निर्धारित होगी। पिछले सप्ताह बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में अच्छी बढ़त दर्ज की गई, जिससे निवेशकों में सकारात्मक भावना बनी हुई है। बाजार के` विशेषज्ञों बताया कि 12 सितंबर को भारत की मुद्रास्फीति के आंकड़े जारी होंगे, जो बाजार की चाल के लिए अहम भूमिका निभाएंगे। इसके अलावा, हाल ही में जीएसटी दरों में कटौती से बाजार की धारणा में सुधार हो सकता है, जिससे क्षेत्रीय स्तर पर तेजी आ सकती है। अमेरिका के उपभोक्ता मुद्रास्फीति, बेरोजगारी के दावे और उपभोक्ता धारणा के आंकड़े इस सप्ताह प्रमुख रहेंगे। ये आंकड़े अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक (16-17 सितंबर) के फैसले को प्रभावित करेंगे। यूरोपीय केंद्रीय बैंक का ब्याज दर निर्णय और जापान की दूसरी तिमाही की जीडीपी भी निवेशकों की नजरों में होंगे। बाजार के एक वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक ने कहा कि बाजार इस सप्ताह सतर्क लेकिन आशावादी रुख के साथ खुलेगा।

निवेशक विशेष रूप से उपभोग-आधारित और पूंजीगत व्यय-आधारित क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और रुपये-डॉलर के विनिमय दर की दिशा भी बाजार को प्रभावित करेगी। विशेषज्ञों ने कहा कि बाजार के लिए यह सप्ताह महत्वपूर्ण है, क्योंकि नीतिगत सुधार और मजबूत आर्थिक आंकड़े बाजार धारणा को बेहतर बना सकते हैं। भारत और अमेरिका की मुद्रास्फीति, यूरोपीय केंद्रीय बैंक का ब्याज दर निर्णय और जापान की जीडीपी प्रमुख आंकड़ों में शामिल हैं। इस सप्ताह के आर्थिक और नीतिगत घटनाक्रम भारतीय शेयर बाजार की दिशा तय करने में निर्णायक भूमिका निभाएंगे।

भारत-चीन संबंधों में नरमी से शेयर बाजार को राहत

टैक्स कटौती और ब्याज दरों की उम्मीद से निवेशकों में भरोसा

नई दिल्ली । भारत और चीन के बीच रिश्तों में नरमी का असर भारतीय शेयर बाजार पर सकारात्मक रूप में देखा जा रहा है। 31 अगस्त को चीन के तियानजिन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच प्रतीकात्मक हैंडशेक और बातचीत से निवेशकों में उम्मीद जगी है कि दोनों देशों के व्यापारिक संबंधों में अब सुधार संभव है। मुलाकात के दौरान सीमा विवाद, सीधी उड़ानों की बहाली और व्यापार बढ़ाने जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने प्रतिद्वंद्विता के बजाय सहयोग को प्राथमिकता देने पर सहमति जताई। जानकारों का मानना है कि इससे भारत को निवेश, तकनीक और चीन की क्लीन एनर्जी सप्लाई चेन तक पहुंच के नए अवसर मिल सकते हैं। इसके साथ ही केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में की गई टैक्स कटौती और भारतीय रिजर्व बैंक की संभावित ब्याज दरों में कटौती ने भी शेयर बाजार को मजबूती दी है। इन कदमों से अमेरिकी टैरिफ और कमजोर तिमाही नतीजों के असर को संतुलित करने में मदद मिल सकती है। वर्तमान में निफ्टी 50 इस साल अब तक सिर्फ 4.6 फीसदी बढ़ा है, जबकि एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट्स इंडेक्स 19 फीसदी ऊपर है। विदेशी निवेशक अब तक भारतीय शेयरों से 16 अरब डॉलर की निकासी कर चुके हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि भारत-चीन रिश्तों में सुधार से भारत की उभरते बाजारों में हिस्सेदारी को फिर से मजबूत किया जा सकता है। हालांकि भारत-चीन व्यापार संतुलन अब भी भारत के खिलाफ है, लेकिन यह नरमी आर्थिक दृष्टिकोण से एक नई शुरुआत का संकेत हो सकती है।

गैलेक्सी झेड फोल्ड 3 और झेड फलीप 3 को नहीं मिलेंगे सिक्योरिटी अपडेट्स

नई दिल्ली । दक्षिण कोरियाई कंपनी सैमसंग ने घोषणा की है कि गैलेक्सी झेड फोल्ड 3 और गैलेक्सी झेड फलीप 3 स्मार्टफोन को अब से मंथली सिक्योरिटी अपडेट्स नहीं मिलेंगे। इन दोनों फोन्स को अगस्त 2021 में लॉन्च किया गया था और लगभग चार साल तक इन्हें नियमित मंथली अपडेट्स मिलते रहे। अब ये डिवाइस केवल तिमाही यानी हर तीन महीने में सिक्योरिटी पैच प्राप्त करेंगे। हालांकि, कंपनी ने यह भी साफ किया कि यूजर्स को सुरक्षा के मामले में पूरी तरह निराश होने की जरूरत नहीं है क्योंकि क्वॉर्टरली अपडेट्स जारी रहेंगे। इस बदलाव के बाद अब गैलेक्सी झेड फोल्ड 4 और गैलेक्सी झेड फलीप 4 सबसे पुराने ऐसे फोल्डेबल होंगे जिन्हें मंथली अपडेट मिलते रहेंगे। सैमसंग ने गैलेक्सी एस-सीरीज की अपडेट लिस्ट में भी बदलाव किया है। अब सिर्फ गैलेक्सी एस20 एफई 4जी, एस20 एफई 5जी, गैलेक्सी एस21 5जी, गैलेक्सी एस21प्लस 5जी और एस21 अल्ट्रा 5जी जैसे मॉडल्स को ही मंथली सिक्योरिटी पैच मिलेगा। बाकी पुराने एस20 सीरीज मॉडल्स इस लिस्ट से बाहर हो गए हैं। गैलेक्सी झेड फोल्ड 3 में 7.6 इंच का क्यूएक्सजीए प्लस डायनामिक अमोलेड 2एक्स डिस्प्ले और 120एचझेड रिफ्रेश रेट सपोर्ट है, जबकि झेड फलीप 3 में 6.7 इंच का फुल-एचडी प्लस अमोलेड डिस्प्ले मिलता है।

जीएसटी काउंसिल ने वाहनों और कृषि उपकरणों पर कर दरों में किए बदलाव

नई दिल्ली । हाल ही में जीएसटी काउंसिल ने वाहनों और कृषि उपकरणों पर कर दरों में अहम बदलाव किए हैं। हाल ही में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की कि यह नए नियम 22 सितंबर 2025 से लागू होंगे। फैसले के तहत छोटे वाहनों, 350 सीसी तक की मोटरसाइकिलों, तीन पहिया वाहनों, बसों, ट्रकों और एम्बुलेंस पर जीएसटी 28प्रतिशत से घटाकर 18प्रतिशत कर दिया गया है। इससे मारुति सुजुकी ऑल्टो, हुंडई ग्रैंड आई10 और टाटा टियागो जैसी कारों की कीमतें 10प्रतिशत तक कम हो सकती हैं। इसी तरह, होंडा एक्टिवा, बजाज पल्सर और हीरो स्प्लेंडर जैसी लोकप्रिय टू-व्हीलर भी सस्ती हो जाएंगी। ऑटो पार्ट्स पर अब 18प्रतिशत की एक समान दर लागू होगी, जिससे इंडस्ट्री को राहत मिलेगी। छोटे हाइब्रिड वाहनों को भी इस श्रेणी में शामिल किया गया है। किसानों को ध्यान में रखते हुए ट्रैक्टर और हार्वेस्टर समेत कई कृषि उपकरणों पर जीएसटी 12प्रतिशत से घटाकर 5प्रतिशत कर दिया गया है। इससे उत्पादन लागत घटने की उम्मीद है।

अदाणी समूह 2031-32 तक बिजली क्षेत्र में 60 अरब डॉलर निवेश करेगा

- कंपनी नवीकरणीय ऊर्जा और पारेषण पर दे रही जोर

नई दिल्ली ।

अदाणी समूह उद्योगपति गौतम अदाणी के नेतृत्व में, अगले दशक में भारत के बिजली क्षेत्र में लगभग 60 अरब अमेरिकी डॉलर का बड़ा निवेश करने जा रहा है। यह निवेश विशेष रूप से नवीकरणीय ऊर्जा, उत्पादन तथा पारेषण और वितरण के क्षेत्रों में होगा। समूह की योजना है कि वित्त वर्ष 2029-30 तक नवीकरणीय ऊर्जा में 21 अरब डॉलर का निवेश कर इसकी क्षमता को वर्तमान 14.2 गीगावाट से बढ़ाकर 50 गीगावाट तक पहुंचाया जाए। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ग्रिड से जुड़ी सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाओं के विकास, निर्माण, संचालन और रखरखाव में प्रमुख भूमिका निभाएगी। भारत नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में विश्व में चौथे स्थान पर है और 2031-32 तक इसकी कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 571 गीगावाट तक पहुंचने की संभावना है, जिसमें 300 अरब डॉलर से अधिक निवेश के अवसर हैं। अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) पारेषण और वितरण नेटवर्क के विस्तार में 17 अरब डॉलर निवेश करेगा। कंपनी 2029-30 तक 30,000 किलोमीटर लंबी पारेषण लाइन स्थापित करने की योजना बना रही है, जो वर्तमान में 19,200 किलोमीटर है। एईएसएल र्ट मीटरिंग और शीतलन समाधान जैसे क्षेत्रों में भी सक्रिय है। दाणी पावर वित्त वर्ष 2031-32 तक अपनी तापीय बिजली उत्पादन क्षमता को 17.6 गीगावाट से बढ़ाकर 41.9 गीगावाट तक पहुंचाएगा। अदाणी पावर भारत की सबसे बड़ी निजी ताप बिजली उत्पादक कंपनी है, जो कई राज्यों में सक्रिय है। भारत में तापीय बिजली क्षमता 2031-32 तक 309 गीगावाट तक पहुंचने का अनुमान है, जिसमें कोयला आधारित 80 गीगावाट अतिरिक्त क्षमता की आवश्यकता होगी।

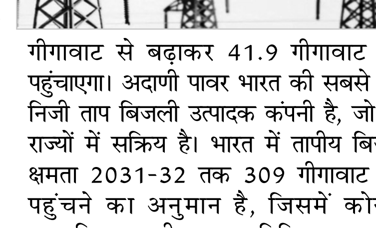

अर्शदीप सिंह इतिहास रचने की दहलीज पर, इस उपलब्धि से एक विकेट दूर

दुबई (एजेंसी)। भारत आगामी एशिया कप 2025 की तैयारी कर रहा है, जो 9 से 28 सितंबर तक दुबई में आयोजित होने वाला है। इस बीच बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह 100 टी20आई विकेट पूरे करने वाले पहले भारतीय बनने की दहलीज पर हैं और कुल मिलाकर, वह ऐसा करने वाले 25वें भारतीय होंगे। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने अब तक 63 टी20आई मैचों में 18.30 की औसत से 99 विकेट लिए हैं, जहां उन्होंने 8.29 की इकॉनमी से रन दिए हैं और दो बार चार विकेट लिए हैं। खेल के सबसे छोटे प्रारूप में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/9 है, जो उन्होंने पिछले साल टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण के मैच में श्व क्रिकेट टीम के खिलाफ बनाया था।

यह तेज गेंदबाज निरंतरता का प्रतीक है जिसने अपनी लाइन, लेंथ और स्विंग से बल्लेबाजों को परेशान किया है। टी20 विश्व कप 2024 के बाद से अर्शदीप ने 11 मैचों में हिस्सा लिया है और 15.15 की औसत से 20 विकेट लिए हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 3/14 रहा है, जबकि उनका इकॉनमी रेट 7.87 का रहा है। अर्शदीप इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड दौरे पर गई भारतीय टीम का हिस्सा थे, जहां उन्होंने 5 टेस्ट मैच खेले थे। प्रशंसकों और पूर्व क्रिकेटरों ने कयास लगाए थे कि अर्शदीप आखिरकार अपना पहला टेस्ट मैच खेलेंगे और लाल गेंद के प्रारूप में अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। हालांकि पहले तीन टेस्ट मैचों में टीम में जगह न मिलने के बाद उनका इंतजार जारी रहा और मैनचेस्टर में चौथे मैच से पहले उनके हाथ में चोट लगने के बाद यह उम्मीद भी धूमिल हो गई।

एशियाई वर्चस्व के लिए टीम इंडिया 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी जिसमें भारत-पाकिस्तान का बहुप्रतीक्षित मुकाबला 14 सितंबर को होगा। भारत अपना आखिरी लीग मैच 19 सितंबर को यूएई के खिलाफ खेलेगा। सुपर 4 चरण 20 सितंबर से शुरू होगा। ग्रुप चरण के बाद टूर्नामेंट सुपर 4 में जाएगा, जहां प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें क्वालीफाई करेंगी। अगर भारत ग्रुप ए में शीर्ष पर रहता है, तो उसके सभी सुपर 4 मैच दुबई में होंगे। अगर भारत दूसरे स्थान पर रहता है तो उसके सुपर 4 मुकाबलों में से एक अबू धाबी में और बाकी दो दुबई में होंगे। सुपर 4 चरण 20 से 26 सितंबर तक चलेगा। दुबई फाइनल की मेजबानी करेगा, जो 28 सितंबर को निर्धारित है।

एशिया कप के लिए भारतीय टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), जसप्रित बुमरा, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, संजू सैमसन (विकेटकीपर), हर्षित राणा, रिंकू सिंह।

रिजर्व खिलाड़ी : प्रसिद्ध कृष्णा, वाशिंगटन सुंदर, रियान पराग, ध्रुव जुरेल, यशस्वी जयसवाल।

भारतीय पुरुष कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने विश्व चैंपियनशिप में पहला स्वर्ण पदक जीता

ग्वांगजू (दक्षिण कोरिया) (एजेंसी)। भारतीय पुरुष कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने रविवार को यहां फाइनल में फ्रांस को हराकर विश्व चैंपियनशिप में अपना पहला स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया।

ज्योति सुरेखा वेन्नम और ऋषभ यादव की मिश्रित टीम को फाइनल में नीदरलैंड्स से 155-157 से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। लेकिन 23 वर्षीय ऋषभ ने इसके तुरंत बाद बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने अमन सैनी और प्रथमेश फुगे के साथ मिलकर भारत को पुरुष कंपाउंड टीम के खिताबी मुकाबले में फ्रांस पर 235-233 से रोमांचक जीत दिलाई।

तीन सेट के बाद स्कोर 176-176 से बराबर था लेकिन दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय टीम ने निर्णायक दौर में अपना धैर्य बनाए रखा और फ्रांस के 57 के मुकाबले शानदार 59 का स्कोर बनाकर ऐतिहासिक स्वर्ण पदक हासिल किया। भारत ने फाइनल तक के अपने सफ़र में ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और तुर्की पर प्रभावशाली जीत दर्ज की थी।

क्रिकेट के बाद धोनी की फिल्मों में जबरदस्त एंट्री, द चेज के टीजर में गोलियां चलाते आए नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय कप्तान और महान विकेटकीपर बल्लेबाज अब फिल्मों में नजर आएंगे। काफी लम्बे समय से धोनी के फिल्म जगत में खबरें आ रही थी और अब धोनी की फिल्म का टीजर रिलीज किया गया है। क्रिकेट के बाद अब धोनी 'द चेज' में दिखाई देंगे। माधवन द्वारा शेयर किए गए 'द चेज' के टीजर में धोनी गोलियां चलाते हुए नजर आए।

इस फिल्म का निर्देशन वासन बाला ने किया है, जिन्होंने इससे पहले आलिया भट्ट और वेदांग रैन की 'जिग्रा' का निर्देशन किया था। इस क्लिप में माधवन और धोनी काले रंग के कपड़े और धूप का चश्मा पहने, बंदूकें पकड़े हुए दिखाई दे रहे हैं। माधवन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'एक मिशन। दो लड़ाके। कमर कस लीजिए - एक रोमांचक, धमाकेदार चेज की शुरूआत। 'द चेज' का टीजर अब रिलीज़ हो गया है। वासन बाला द्वारा निर्देशित। जल्द आ रही है।'

गौर हो कि धोनी ने 15 अगस्त 2020 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था और अब वह IPL में ही नजर आते हैं। धोनी ने कुल 538 मैच खेले हैं जिसमें 90 टेस्ट, 350 वनडे, और 98 टी20 इंटरनेशनल मैच शामिल हैं। धोनी ने 38.09 की औसत के साथ 6 शतकों और 33 अर्धशतकों सहित टेस्ट में 4,876 रन बनाए हैं। वनडे में उन्होंने 50.58 की औसत से कुल 10,773 रन बनाए हैं जिसमें 9 शतक और 73 अर्धशतक शामिल हैं। टी20आई में धोनी ने 37.60 की औसत और दो अर्धशतकों सहित 1,617 रन बनाए हैं। विकेटकीपिंग के मामले में धोनी ने टेस्ट में 256 कैच और 38 स्टंप्स उड़ाए हैं। वहीं वनडे मे यह आंकड़ा 321 कैचों और 123 स्टंपिंग तक जाता है। धोनी ने टी20आई में 57 कैच और 34 स्टंप्स उड़ाए हैं।

भारत और पाकिस्तान ने किया अभ्यास, एशिया कप के लिए बेताबी बढ़ी

दुबई (एजेंसी)। शाम सात बजे के कुछ ही देर बाद आईसीसी अकादमी में सभी की निगाहें पाकिस्तान टीम के नेट एरिया पर टिक गईं। वे रविवार को शारजाह में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल से पहले अपने अंतिम प्रशिक्षण सत्र के लिए पहुंचे थे। क्या भारत के साथ कोई क्रॉस-ओवर होगा, जो पहले से ही अपनी तैयारियों में व्यस्त था? क्या खिलाड़ी एक-दूसरे का अभिवादन करेंगे या दूरी बनाए रखेंगे? जो लोग इस पल को फिल्माने लायक होने की उम्मीद कर रहे थे, वे निराश हो गए क्योंकि दोनों टीमें अपनी-अपनी दिनचर्या में डटी रहीं।

भारत का सत्र लगभग तीन घंटे तक चला, जिसमें उनके प्रत्येक विशेषज्ञ बल्लेबाज ने मैदान पर एक घंटे से अधिक समय बिताया, उसके बाद ऑलराउंडरों ने पैड पहनकर गेंद को सभी कोनों में मारा, जिससे यह नेट सत्र की तुलना में अधिक रेंज-हिटिंग साबित हुआ जिसका उद्देश्य खिलाड़ियों को टच पाने में मदद करना था। पाकिस्तान ने नेट एरिया में एक शांत कोने में किसी की नजरों से दूर बल्लेबाजी की। उन्होंने ऐसी सतहों पर तैयारी की जो टर्न और असमान उछाल दे रही थीं, शायद टीम रविवार को राशिद खान, एएम गजनफर और नूर अहमद के खिलाफ होने वाली चुनौतियों की तैयारियों में थी। नेट से दूर, शाहीन शाह अफरीदी ने कुछ कैच लिए और हल्का वार्म-अप किया, जबकि हारिस रऊफ ने दौड़ लगाई।

आईसीसी अकादमी में विभिन्न प्रकार की पिचें हैं, लगभग 40 पिचें जिनमें से अधिकांश एशियाई हैं, लेकिन कुछ ऐसी भी हैं जो वाका, गाबा जैसी उछाल वाली परिस्थितियों की तरह हैं और कुछ स्विंग और सीम प्रदान करती हैं, जिनका पिछले कुछ दिनों में 60 से अधिक खिलाड़ियों ने अच्छा उपयोग किया, जिनमें ओमान और हांगकांग के खिलाड़ी भी शामिल हैं।

शनिवार को जब प्रशिक्षण समाप्त हुआ, तब आयोजकों ने राहत की सांस ली। पाकिस्तान को रविवार को एक मैच खेलना था और भारत ने विश्राम का दिन घोषित कर दिया था। शाम की शुरुआत भारत द्वारा 20, 40 और 60 मीटर की दूरी पर कोन्स के साथ ब्रोंको ड्रिल के साथ हुई। टीम पांच-पांच के तीन समूहों में बंट गई। ट्रेनर एड्रियन ले रॉक्स ने निर्देश दिए, सितांशु कोटक ने स्कोर बनाए रखा, जबकि मुख्य कोच गौतम गंभीर चीयरलीडर बने।

यह अभ्यास परिणामों के बारे में नहीं था, बल्कि मैच के दिन की परिस्थितियों से सामंजस्य बैठाने के बारे में था, अगर भारत हीट में पहले क्षेत्ररक्षण करता है। जैसे ही लाइटें पूरी तरह से जलीं, खिलाड़ी पूरी तरह से सेंटर विकेट नेट पर आ गए। शुक्रवार को तो सब कुछ आसान लग रहा था, लेकिन शनिवार का खेल और भी तीखा था, शायद हमें उन संयोजनों की भी झलक मिल गई जो धीरे-धीरे उभरने लगे हैं। पहले दो दिनों के प्रदर्शन को देखते हुए, ऐसा लग रहा है कि जितेश शर्मा भारत के पहले पसंद के विकेटकीपर के रूप में संजू सैमसन पर थोड़ा भारी पड़ सकते हैं।

शनिवार को उन्होंने लंबे समय तक बल्लेबाजी की और गंभीर ने नेट्स के पीछे से उन पर कड़ी नजर रखी। एक समय तो ऐसा लगा कि उन्होंने जितेश को स्कूप और पिक-अप शॉट लगाने के उनके कुछ पूर्व-नियोजित प्रयासों के बारे में सलाह दी। इस बीच सैमसन ने शुरुआत में सिर्फ़ थ्रोडाउन लिया और दूसरे बल्लेबाजों को अपनी गति से खेलते हुए देखते रहे। हालांकि, सत्र समाप्त होने से ठीक पहले उन्होंने पैड पहने और गेंद को दूर और लंबी दूरी तक मारा। पुल, फ़्लैट-बैट और कुछ शॉट ऐसे थे जिनसे उन्हें कभी-कभी अपनी शेप खोने पर मुंह बनाना पड़ा।

बीसीसीआई ने बनाया रिकार्ड, पांच साल में 14,627 करोड़ रुपये कमाये

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की कमाई हार साल बढ़ती जा रही है। बीसीसीआई पहले ही दुनिया का सबसे धनी क्रिकेट बोर्ड है पर आईपीएल के आने के बाद उसकी कमाई और भी बढ़ी है। पिछले पांच साल के आंकड़ों पर नजर डालें तो

बीसीसीआई ने 14,627 करोड़ रुपये कमाये हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार बोर्ड का बैंक बैलेंस 12 महीने पहले 20,686 करोड़ रुपये था। बीसीसीआई की संपत्ति पिछले एक साल में काफी तेजी से बढ़ी है। इसका वित्तीय आंकलन 28 सितंबर को होने वाली आम बैठक में आयेगा। साल 2024 की आम बैठक में सामने आये आंकड़े के अनुसार साल 2019 से ही बीसीसीआई की नगदी और बैंक बैलेंस 6,059 करोड़ रुपये से बढ़कर 20,686 करोड़ रुपये पहुंची है। ये रकम राज्य क्रिकेट संघों को बांटी गई राशि से पहले थी। 'इसलिए साल 2019 से ही बीसीसीआई ने पिछले पांच सालों में 14,627 करोड़ रुपये की संपत्ति बनायी है। यह पिछले वित्तीय वर्ष से 4,193 करोड़ रुपये ज्यादा है। इसके अलावा 2019 से ही उसका जेनरल कोष भी 3,906 करोड़ रुपये से बढ़कर 7,988 करोड़ रुपये पहुंच गया इस प्रकार उसमें 4,082 करोड़ रुपये की बढ़त हुई है।'बीसीसीआई ने आयकर के लिए ही 3000 करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया है। बोर्ड के लिए राजस्व और भी अधिक होता पर अंतरराष्ट्रीय मैचों से प्रसारण अधिकार राशि पिछले साल के 2,524.80 करोड़ रुपये की तुलना में घटकर 813.14 करोड़ रुपये रह गई। एक रिपोर्ट के अनुसार, 'यह कमी पिछले साल की तुलना में साल के दौरान खेले गए अंतरराष्ट्रीय घरेलू मैचों की की कम संख्या से आई है।'

पंड्या अभ्यास सत्र में 20 करोड़ की घड़ी पहनकर उतरे

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम एशिया कप के लिए यहां पहुंचने के बाद से ही अभ्यास में लगी हुई है। भारतीय खिलाड़ियों ने यहां जमकर अभ्यास किया। अभ्यास के दौरान भारतीय टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पर सभी की नजरें रही। लंबे समय के बाद वापसी कर रहे पंड्या यहां बदले हुए हेयर स्टाइल के साथ ही 20 करोड़ रुपये की घड़ी पहनकर उतरे जिसे देखकर सभी हैरान रह गये। पंड्या की घड़ी की कीमत एशिया कप विजेता टीम को मिलने वाली रकम से भी ज्यादा है।

इस साल टूर्नामेंट की विजेता टीम को तीन लाख अमेरिकी डॉलर यानी 2.6 करोड़ रुपये मिलेंगे। वहीं हार्दिक पंड्या के हाथ के घड़ी की कीमत इससे करीब 10 गुना ज्यादा निकली है। तकरीबन 20 करोड़ है. जिस घड़ी को हार्दिक ने पहनी थी वो रिचर्ड मिल आरएम 27-04 है। इसकी कीमत तकरीब 2250000 अमेरिकी डॉलर है। जिस घड़ी को हार्दिक ने पहना था वो पूरी दुनिया में केवल 50 लोगों के पास ही है। इसे खास तौर पर स्पेन के महान टेनिस स्टार राफेल नडाल के लिए बनाया गया था। इस घड़ी का वजह केवल 30 ग्राम है। वहीं ये 12,000 जी फोर्स से भी ज्यादा के दबाव का सामन कर सकती है।

जोस बटलर मात्र 43 रन हैं दूर, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में हासिल करेंगे बड़ी उपलब्धि

साउथेम्प्टन (यूके) (एजेंसी)। इंग्लैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज जोस बटलर साउथेम्प्टन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने तीसरे वनडे से पहले अपने देश के लिए 12,000 अंतरराष्ट्रीय रन बनाने से 43 रन दूर हैं। अगर बटलर इस मुकाम तक पहुंच जाते हैं, तो वह ऐसा करने वाले केवल सातवें अंग्रेजी बल्लेबाज होंगे। वर्तमान में 387 मैचों में बटलर ने 36.12 की औसत, 95.49 के स्ट्राइक रेट, 14 शतकों और 73 अर्द्धशतकों के साथ 11,957 रन बनाए हैं। वह इंग्लैंड के अब तक के सातवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला में बटलर ने पिछले दो वनडे मैचों में 15 और 61 रन बनाए थे। इस साल 20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में बटलर ने 35.50 की औसत, 113 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट, 4 अर्धशतकों और 96 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ 639 रन बनाए हैं। इंग्लैंड के लिए 57 टेस्ट मैचों में बटलर ने 100 पारियों में 31.94 की औसत, 2 शतकों और 18 अर्द्धशतकों के साथ 2,907 रन बनाए हैं जिसमें 152* का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। इंग्लैंड के लिए उनका आखिरी टेस्ट 2022 में आया था, लेकिन वह हमेशा से ही सीमित ओवरों के क्रिकेट में थ्री लायंस के लिए लगातार रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे हैं।

उन्होंने 193 एकदिवसीय मैचों में 39.05 की औसत और 115 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 5,350 रन बनाए हैं जिसमें 11 शतक और 28 अर्द्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 162* है। इसके अलावा बटलर टी20आई में इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जो उनके सबसे महान सीमित ओवरों के दिग्गजों में से एक होने की उनकी स्थिति को और पुख्ता करता है। 137 मैचों और 126 पारियों में उन्होंने 35.92 की औसत और 147.05 के स्ट्राइक रेट से 3,700 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और 27 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 101* है। वह टी20आई इतिहास में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड के रन-स्कोरिंग चार्ट में सबसे ऊपर जो रूट हैं जिनके नाम 49.62 की औसत, 57 शतक और 114 अर्धशतकों के साथ 21,637 अंतर्राष्ट्रीय रन हैं। श्रृंखला की बात करें तो इंग्लैंड पहले ही इसे 2-0 से हार चुका है और अपने सम्मान के लिए अंतिम वनडे जीतने का लक्ष्य रखेगा।

तीसरे वनडे के लिए प्लेइंग इलेवन

इंग्लैंड : जेमी स्मिथ, बेन डकेट, जो रूट, हैरी ब्रुक (कप्तान), जोस बटलर (विकेट कीपर), जैकब बेथेल, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्करम, रयान रिकेल्टन (विकेट कीपर), टेम्बा बावुमा (कप्तान), मैथ्यू ब्रीट्ज़के, ट्रिस्टन स्टब्स, डेवाल्ड ब्रेविस, वियान मुल्डर, कॉर्बिन बॉश, केशव महाराज, कोडी यूसुफ, नंद्रे बर्गर

जिम्बाब्वे ने श्रीलंका को दूसरे टी20 में आसानी से हराकर सीरीज 1-1 से बराबर की

हरारे । जिम्बाब्वे ने तीन मैचों की टी20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में श्रीलंका को एकतरफा मुकाबले में हराकर सभी को हैरान कर दिया। इसी के साथ ही उसने सीरीज में 1-1 से बराबरी हासिल कर ली है। एशिया कप ठीक पहले मिली ये हार श्रीलंकाई टीम के लिए एक करारा झटका है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए लंकाई टीम मेजबान टीम के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी और केवल 80 रन ही बना पायी। इसके बाद जीत के लिए मिले छोटे से लक्ष्य को जिम्बाब्वे ने 14.2 ओवर में ही पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। इसी के साथ ही जिम्बाब्वे 1-1 से सीरीज में बराबरी करने में सफल रही है। सीरीज का पहला मैच श्रीलंका ने जीतकर सीरीज में बढ़त ली थी जिसे वह बनाये नहीं रख सकी। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने जीत पर खुशी जतायी है। वहीं श्रीलंका के कप्तान चरिथ असलंका ने कहा कि पावरप्ले में बहुत ज्यादा विकेट खोने से हमें हार मिली। यह पिच आसान नहीं थी पर हमारे बल्लेबाजों की भी गलती थी। कमील मिशारा ने श्रीलंका के लिए सबसे ज्यादा 20 रन बनाये। इसके अलावा असलंका 18 और दासुन शनाका 15 ही दो अंकों तक पहुंच पाये। वहीं मेजबानों की ओर से रजा ने 11 रन देकर 3 जबकि इवांस ने 15 रन देश्कर इतने ही विकेट लिए। 81 रन का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की बल्लेबाजी भी अच्छी नहीं रही और उसने भी शुरुआत में अपने तीन विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद ब्रायन बेनेट 19 और रयान बर्ल 20 नाबाद ने चौथे विकेट के लिए 26 रन जोड़कर टीम को संभाला। ताशिंगा मुसेकिवा ने चौका मारकर टीम को जीत दिलायी।

सीएएफए नेशंस कप 2025 में भारत को तीसरे स्थान के मैच में ओमान से मिलेगी कड़ी टक्कर

अपने पहले प्रयास में सीएएफए नेशंस कप के प्लेऑफ में पहुंची भारतीय फुटबॉल टीम के पास सोमवार को ओमान के खिलाफ तीसरे स्थान के मैच में कड़ी चुनौती मिलेगी। भारतीय टीम अग्रिम पंक्ति में कमजोरी के बावजूद अपने ग्रुप में दूसरे स्थान के साथ प्लेऑफ में जगह पक्की करने में सफल रही। विश्व रैंकिंग में 133वें स्थान पर काबिज भारत को अपने से 54 स्थान बेहतर टीम के खिलाफ मुकाबले में अपनी इस कमजोरी से पार पाने पर ध्यान देना होगा। यह आठ टीमों का टूर्नामेंट उज्बेकिस्तान और ताजिकिस्तान द्वारा सह-आयोजित किया जा रहा है, जिसमें ग्रुप मैच क्रमश : ताशकंद और हिसोर में खेले गए हैं। ओमान और भारत दोनों अपने-अपने ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहे। उज्बेकिस्तान और ईरान की टीमें क्रमश : ग्रुप ए और बी में शीर्ष पर रहीं। ये दोनों टीमें ताशकंद में सोमवार को फाइनल मैच खेलेंगी। ओमान की टीम कागजों पर मजबूत है लेकिन भारत को हिसोर के इस मैदान पर ग्रुप चरण के अपने तीनों मैच खेलने का फायदा मिलेगा। कोच खालिद जमील की देखरेख में पहली बार खेल रही भारत ने ग्रुप बी में सह मेजबान ताजिकिस्तान पर 2-1 की जीत के साथ अपना अभियान शुरू किया। उसे ईरान के खिलाफ 0-3 ये हार का सामना करना पड़ा लेकिन टीम ने अफगानिस्तान को गोलरहित ड्रॉ पर रोककर ग्रुप में दूसरा स्थान हासिल किया। विश्व रैंकिंग में 79वें स्थान पर काबिज ओमान ने फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर चुके उज्बेकिस्तान को 1-1 की बराबरी पर रोकने के बाद किर्गिस्तान और तुर्कमेनिस्तान को एक समान 2-1 के अंतर से हराया। भारत के खिलाफ ओमान का रिकॉर्ड काफी अच्छा है। साल 2000 के बादे दोनों टीमें के बीच नौ मैचों में ओमान ने छह में जीत हासिल की है जबकि तीन मैच बराबरी पर छूटे है। ओमान की टीम यहां एक नए कोच कार्लोस क्विरोज के साथ आई है। उन्होंने इससे पहले ईरान, यूएई और कतर की राष्ट्रीय टीमों का प्रबंधन किया है। अत्यधिक अनुभवी क्विरोज ने स्पेन के शीर्ष क्लब रियल मैड्रिड और पुर्तगाल, मिस्र और दक्षिण अफ्रीका की राष्ट्रीय टीमों को भी कोचिंग दी है। भारत के मुख्य कोच खालिद जमील ने कहा कि उनकी टीम यहां सिर्फ टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए नहीं, बल्कि एक खास मकसद से आई है। मैच से पहले की प्रेस कॉन्फ्रेंस में जमील ने कहा, ''हमारे सभी खिलाड़ी ठीक हैं और इन नतीजों के बाद सभी में सकारात्मकता है। हमें इस सकारात्मकता को अगले मैच में भी बनाए रखना होगा। मुझे पूरी उम्मीद है कि हमें एक अच्छा नतीजा मिलेगा।''

एरिना सबालेंका लगातार दूसरी बार अमेरिकी ओपन चैंपियन बनी, अमेरिका की अनिसिमोवा को हराया

दुबई (एजेंसी)। न्यूयॉर्क - दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा को सीधे सेटों में हराकर लगातार दूसरी बार अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में महिला एकल का खिताब जीता। सबालेंका जब खिताब से दो अंक दूर थीं, तब उन्होंने एक ऐसा ओवरहेड स्मैश लगाया जो आसान शॉट होना चाहिए था लेकिन उन्होंने उसे नेट में उलझा दिया जिससे अनिसिमोवा को ब्रेक का मौका मिल गया। सबालेंका ने हालांकि अपना धैर्य बनाए रखा और आखिर में 6-3, 7-6 (3) से जीत दर्ज करके अपने करियर का चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। इस तरह से उन्होंने इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन और फ्रेंच ओपन के फाइनल में अमेरिकी खिलाड़ियों से मिली हार की पीड़ा भी खत्म कर दी।

सबालेंका ने जीत हासिल करने के बाद कोर्ट पर अपना रैकेट गिरा दिया और मुस्कान बिखेर दी। उन पर भावनाओं का ज्वार उमड़ रहा था क्योंकि एक बार उनके मन में संदेह पैदा हो गया था। उन्होंने मैच के बाद कहा, 'मेरे मन में शक घर कर गया था लेकिन इसके बाद मैं पलटी और मैंने गहरी सांस ली। मैंने खुद से कहा कि चलो ठीक है ऐसा होता है। यह बीती बात है और अब अगले अंक पर ध्यान दो।'

11 वर्षों में खिताब का बचाव करने वाली पहली महिला

सबालेंका पिछले 11 वर्षों में पहली महिला खिलाड़ी बन गई है जिन्होंने अमेरिकी ओपन में अपने खिताब का बचाव किया। उनसे पहले यह कारनामा सेरेना विलियम्स ने किया था। वह 2012 से लेकर 2014 तक लगातार तीन बार चैंपियन बनी थी। अमांडा को लगातार दूसरे ग्रैंड स्लैम के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। वह जुलाई में विंबलडन के फाइनल में इगा स्वियातेक से हार गई थी। उस मैच में वह एक भी गेम नहीं जीत पाई थी लेकिन शनिवार को यहां उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन अवसरों का फायदा नहीं उठा पाई।

सबालेंका कड़ी मेहनत करती है और इसी लिए आज इस मुकाम पर हैं : अनिसिमोवा

अमेरिका की इस 24 वर्षीय खिलाड़ी (अनिसिमोवा) ने सबालेंका की तारीफ करते हुए कहा, 'मैं वास्तव में उनकी बहुत प्रशंसा करती हूं। वह कड़ी मेहनत करती है और इसी लिए आज इस मुकाम पर हैं। मुझे भी मौके मिले थे लेकिन मैं उन्हें नहीं भुना सकी।' बेलारूस की 27 वर्षीय सबालेंका ने अपनी चौथी ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी जीती। उन्होंने अपने सभी खिताब हार्ड कोर्ट पर जीते हैं। इस जीत से वह 2006 में जस्टिन हेनिन के बाद एक सत्र में तीन प्रमुख फाइनल हारने वाली पहली महिला बनने से बच गईं।

मैं हार का यह सिलसिला तोड़ने के लिए प्रतिबद्ध थी : सबालेंका

सबालेंका मेलबर्न पार्क में मैडिसन कीज से तथा रोलैंड-गैरोस में कोको गॉफ से हार गई थी। शनिवार को उनके दिमाग में इन हार की तस्वीर भी बनी हुई थी। उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई ओपन के बाद, मैंने सोचा कि सही यही होगा कि इसे भूलकर आगे बढ़ जाऊं। लेकिन फिर फ्रेंच ओपन में भी यही हुआ। मैंने उन फाइनल को देखा और मैं हार का यह सिलसिला तोड़ने के लिए प्रतिबद्ध थी और मुझे खुशी है कि मैं इसमें सफल रही।'

पोलार्ड ने सीपीएल में 18 गेंदों में नाबाद 54 रन बनाए, अब तक का संयुक्त रूप से तीसरा सबसे तेज अर्धशतक लगाया

जमैका । यहां जारी कैरिबियाई प्रीमियर लीग (सीपीएल) में ट्रिनबागो नाइट राइडर्स की ओर से खेल करे आक्रामक बल्लेबाज कीरोन पोलार्ड ने गुयाना अमेजन वॉरियर्स के खिलाफ मुकाबले में तेजी से अर्धशतक लगा दिया। पोलार्ड ने 18 गेंदों में ही नाबाद 54 रन बना दिये। इस पारी में उन्होंने पांच चौके और इतने ही छक्के लगाये। इस मैच में पोलार्ड छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे। पोलार्ड ने केवल 17 गेंदों में ही अर्धशतक लगाया। यह उनका सीपीएल में सबसे तेज अर्धशतक रहा है। वहीं, इस लीग में अब तक का संयुक्त रूप से तीसरा सबसे तेज अर्धशतक है। इससे पहले केविन लुईस और डेविड मिलर ने 17-17 गेंदों में अर्धशतक लगाये थे। सीपीएल में सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड आंद्रे रसेल के के नाम है। रसेल ने 14 गेंदों में ही ये उपलब्धि हासिल की थी। जेपी डुमिनी ने 15 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। पोलार्ड ने रोमारियो शेफर्ड के अंतिम ओवर में जकर चौके छक्के लगाये।

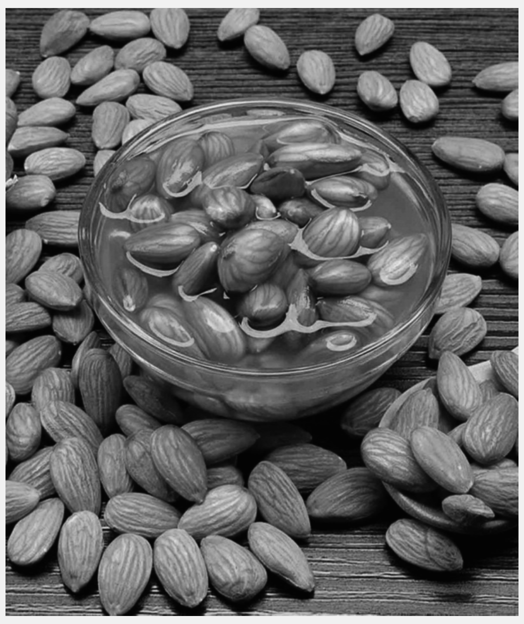

रात को भिगोकर सुबह खाएं बादाम और किशमिश, सेहत पर दिखेगा जबरदस्त असर

आप अपने दिन की शुरूआत किस तरह से करते हैं, इसका काफी असर आपके पूरे दिन और स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। स्वस्थ रहने के लिए सुबह कुछ हेल्दी आदतों को अपनी रूटीन में शामिल करना चाहिए। सुबह के समय अधिकतर लोग भीगे नट्स खाने की सलाह देते हैं। क्योंकि जब आप भीगे हुए नट्स से दिन की शुरूआत करती हैं, तो आप पूरा दिन एनर्जेटिक बनी रहती हैं। हालांकि नट्स खाने के कई फायदे होते हैं।

लेकिन सुबह के समय आपको ये नट्स कितनी मात्रा में खाने हैं। अपनी डाइट में किन नट्स को शामिल करना है। इसके बारे में सही जानकारी होना जरूरी है। सुबह के समय बादाम और किशमिश से दिन की शुरूआत करने से स्वास्थ्य को कई लाभ मिलते हैं। आइए जानते हैं कि सुबह के समय बादाम और किशमिश खाने से सेहत को कई लाभ मिलते हैं।

बादाम और किशमिश खाने के फायदे

–अपने दिन की शुरूआत भीगे हुई बादाम और किशमिश खाने से पूरा दिन शरीर में एनर्जी बनी रहती है।

–बादाम खाने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होता है। बादाम में भरपूर मात्रा में एंटी–ऑक्सीडेंट्स और विटामिन ई पाया जाता है।

–इसके सेवन से शरीर को शुगर मैनेज करने में मदद मिलती है।

–अक्सर इन दोनों चीजों को लोग अलग–अलग डाइट में शामिल करते हैं। इनको भिगोकर एक साथ खाना ज्यादा फायदेमंद होता है।

–कब्ज की समस्या से परेशान लोगों को सुबह के समय इसका सेवन करना चाहिए।

–बादाम और किशमिश खाने से स्किन और बालों की सेहत सुधरती है।

–इसके सेवन से डाइजेशन में सुधार होता है और एसिडिटी की समस्या नहीं होती है।

–बादाम और किशमिश के सेवन से बल्ड प्रेशर कंट्रोल होता है।

–जिन महिलाओं को पीरियड्स से संबंधित परेशानियां होती हैं, उन्हें किशमिश खाना चाहिए।

–आंतों की सेहत और हड्डियों के लिए भी किशमिश फायदेमंद होती है।

कैसे खाएं बादाम और किशमिश

–रात में 4–5 बादाम और 5–6 किशमिश को भिगो दें।

–सुबह बादाम का छिलका उतार दें।

–इसके बाद दोनों को ऐसे ही खा लें।

–इसके बाद पानी पी लें।

सूखे आलूबुखारे खाने के फायदे

इसके अलावा आप अपनी डाइट में आलूबुखारा खा सकते हैं। इसमें पोटेशियम की भरपूर मात्रा पायी जाती है। आलूबुखारे में फाइबर और आयरन भी अधिक मात्रा में होता है। वहीं खून की कमी को पूरा करने के लिए बादाम और किशमिश के साथ इसे भी भिगोकर खाना चाहिए।

बच्चों के कब्ज की समस्या को दूर करेंगे ये उपाय...

कब्ज एक ऐसी समस्या है, जो सिर्फ बड़ों को ही नहीं, बच्चों को भी परेशान कर सकती है। खासतौर से, जब बच्चे फार्मूला मिल्क लेते हैं या फिर सॉलिड फूड लेते हैं तो उनके बाउल मूवमेंट में परेशानी हो सकती है। ऐसे में उन्हें कब्ज की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। यूं तो बच्चों को कब्ज की समस्या होने पर डॉक्टर से सलाह लेने की हिदायत दी जाती है, लेकिन कुछ आसान घरेलू उपाय भी उनकी काफी मदद कर सकते हैं। तो चलिए आज इस आसान उपायों के बारे में ही जानते हैं–

पेट की करें मालिश

शिशुओं और छोटे बच्चों में कब्ज की समस्या होने पर पेट की मालिश करना एक अच्छा विचार हो सकता है। आप बच्चे की हल्की मसाज करें या फिर उसके पैरों को साइकिल चलाने की तरह चलाएं। इससे उसे मल त्याग करने में काफी मदद मिलती है।

नेचुरल लैक्सेटिव की लें मदद

जब बच्चे को कब्ज की शिकायत होती है तो ऐसे में उसे नेचुरल लैक्सेटिव देना अच्छा विचार हो सकता है। इसलिए, आप उसकी डाइट में आलूबुखारा, सेब और नाशपाती आदि को शामिल करें। इन फलों में सोर्बिटोल नामक शुगर पाया जाता है, जो आंतों में पानी खींचकर मल को नरम करती है। जिससे बच्चे को कब्ज में आराम मिलता है।

पानी की मात्रा बढ़ाएं

एक वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों को अपनी डाइट में पानी की मात्रा बढ़ा देनी चाहिए। यह शरीर को हाइड्रेटेड रखता है, जिससे मल त्यागने में भी आसानी होती है। जब बच्चे पर्याप्त मात्रा में पानी पीते हैं, तो इससे कब्ज को रोकने में मदद मिलती है।

बढ़ाएं फाइबर की मात्रा

जब बच्चे की डाइट में फाइबर की मात्रा बढ़ाई जाती है तो इससे बच्चे को स्टूल पास करने में आसानी होती है। कोशिश करें कि आप बच्चे की डाइट में फल व सब्जियों की मात्रा बढ़ाएं। ऐसे फल व सब्जी का सेवन करें, जिनमें पानी व फाइबर भरपूर हो।

डेयरी को करें कम

अगर बच्चा इन दिनों कब्ज से जूझ रहा है तो उसकी डाइट में डेयरी की मात्रा थोड़ी कम कर दें। अत्यधिक डेयरी का सेवन विशेषकर दूध कब्ज पैदा कर सकता है। कई बच्चों में गाय के दूध में पाए जाने वाले प्रोटीन के प्रति संसेटिविटी होती है। इसके अलावा, अन्य डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे पनीर या चीज भी कब्ज पैदा कर सकते हैं।

पर्याप्त नींद नहीं होने से दिमाग होता है प्रभावित

व्यस्त आधुनिक जीवन में आजकल किसी के पास समय नहीं है। ऐसे में लाग पर्याप्त नींद तक नहीं ले पाते। इससे उन्हें कई बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। कम से कम 7 घंटे की नींद न लेने से दिमाग को आराम नहीं मिलता है और हम दिनभर थकान का अनुभव करते हैं। इससे याद रखने की क्षमता भी कम होती है। ऐसे में समय के साथ–साथ दिमाग की काम करने की क्षमता कम हो जाती है। इसका भी दिमाग पर बुरा असर पड़ सकता है। इसके अलावा भी कई अन्य कारणों से दिमाग प्रभावित होता है। ज्यादातर अकेले रहने से दिमाग पर बुरा असर पड़ता है। इससे आगे चलकर अल्जाइमर बीमारी का खतरा भी बढ़ जाता है।

जंक फूड में सोडियम की मात्रा काफी ज्यादा होती है जो दिमाग के न्यूरॉन रिसेप्टर्स को नुकसान पहुंचाता है। ज्यादा मात्रा में जंक फूड खाने पर कंफ्यूजन, सिरदर्द और वॉमटिंग जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लगातार कई घंटों तक हेडफोन या इयरफोन लगाकर तेज आवाज में गाने सुनने से ब्रेन टिश्यूज पर बुरा असर पड़ता है। इससे अल्जाइमर की समस्या भी हो सकती है। हर दिन कोई भी फिजिकल ऐक्टिविटी न करने से डायबीटीज, हार्ट डिजीज और हाई ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है। इनका दिमाग पर बुरा असर होता है। स्मोकिंग के दौरान हमारे शरीर में कई हार्मफुल केमिकल्स आ जाते हैं। ये खून को गाढ़ा कर देते हैं, जिससे दिमाग तक खून की सप्लाई कम हो जाती है। भूख से अधिक खाने का संबंध भी दिमाग से ही है। ज्यादा खाने से दिमाग के सोचने की क्षमता पर भी असर पड़ता है। वहीं प्राकृतिक रौशनी में न रहने और ज्यादातर समय अंधेरे में रहने के कारण अवसाद बढ़ जाता है। इसका भी दिमाग पर बुरा असर पड़ता है।

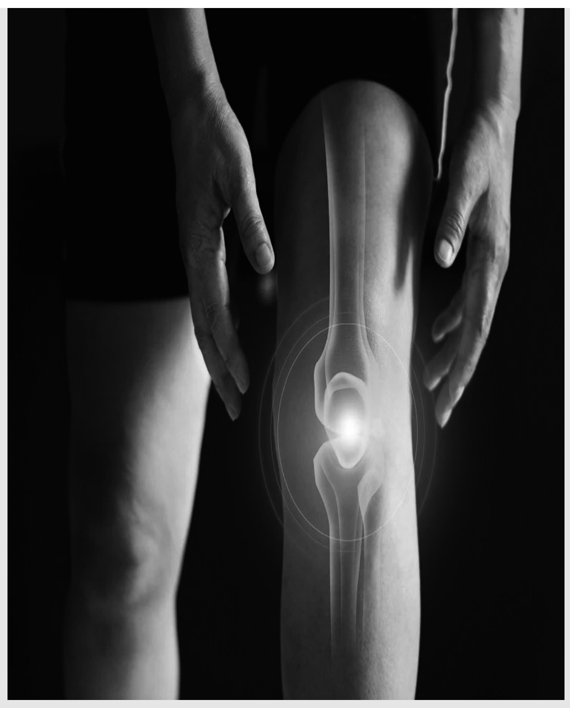

ज्वॉइंट पेन से हो चुके हैं परेशान तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खा

आमतौर पर जोड़ों के दर्द को बुढ़ापे से जोड़कर देखा जाता था। आपने भी बुजुर्ग लोगों को कई बार कहते हुए सुना होगा कि उम्र बढ़ने के साथ ही उन्हें जोड़ों का दर्द परेशान करने लगा है। लेकिन वर्तमान समय में गलत खानपान और अनहेल्दी लाइफस्टाइल के कारण लोगों को कम उम्र में ही जोड़ों का दर्द परेशान करने लगा है। मुश्किल से 30 की उम्र पार करने के बाद से ही लोगों को जोड़ों का दर्द परेशान करने लगा है।

जोड़ों के दर्द होने के पीछे फ्ल्यूड और कोलेजन का कम होना है। हालांकि अपनी डाइट में बदलाव कर ज्वॉइंट पेन की समस्या से राहत पाई जा सकती है। साथ ही इसके लिए एक्सरसाइज भी जरूरी मानी जाती है। ऐसे में अगर आप ज्वॉइंट के दर्द से परेशान हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसे खास मिक्चर के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसके इस्तेमाल से जोड़ों के दर्द को दूर करने में मदद मिल सकती है।

जोड़ों के दर्द को दूर करने वाले मिक्चर की सामग्री

बादाम– 1/2 कटोरी
मखाना– 1/2 कटोरी
भुने हुए चने– 1/2 कटोरी
सौंठ– 1/2 टीस्पून
अजवाइन– 1 टीस्पून
दालचीनी– 1/2 टीस्पून
सूखा हुए खजूर– 5
मिश्री– 1/4 कटोरी

ऐसे बनाकर करें तैयार

इन सभी चीजों के ग्राइंडर कर महीन पाउडर बना लें।
फिर 1 चम्मच पाउडर को 1 गिलास पानी में मिलाएं।
इसके बाद रोजाना दिन में एक बार इसका सेवन करें।

जोड़ों के दर्द से निजात पाने का घरेलू नुस्खा

मखाना शरीर में कैल्शियम लेवल को बढ़ाने में मदद करता है। इसके साथ ही आस्टियो आर्थराइटिस के लक्षणों को भी कम करता है।

बादाम में कैल्शियम और मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा पायी जाती है। यह ज्वॉइंट्स के इंफ्लेमेशन को मजबूत करने के साथ ज्वॉइंट के दर्द में राहत देता है।

भुने हुए चने में विटामिन–के पाया जाता है। यह शरीर को कैल्शियम प्रदान करने के साथ जोड़ों के दर्द में भी आराम देता है।

सूखे हुए खजूर में विटामिन सी और विटामिन डी की भरपूर मात्रा पायी जाती है। इसके सेवन से कोलेजन प्रोजक्शन बूस्ट होता है और ज्वॉइंट में लचीलापन आता है।

अजवाइन में विटामिन–के की प्रचुर मात्रा पायी जाती है। यह मांसपेशियों को आराम पहुंचाता है और जोड़ों का दर्द और सूजन खत्म करता है।

दालचीनी में सिनेमिक एसिड पाया जाता है। इसके सेवन से जोड़ों के दर्द और इंफ्लेमेशन से राहत मिलती है।

मिश्री डाइजेस्टिव जूस को रिलीज करने में सहायक होती है। इससे गैस की समस्या नहीं होती और पाचन में सुधार होता है।

सौंठ में एंटी–इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज पाया जाता है, यह ज्वाइंट में होने वाली ऐंठन को कम करती है।

सिरदर्द की समस्या से हो गए हैं परेशान तो यह हो सकती है वजह

आजकल की भागदौड़ भरी लाइफस्टाइल में सिरदर्द होना एक आम समस्या हो गई है। हालांकि सिरदर्द के कई कारण हो सकते हैं। जिनमें तनाव, गैस, गलत खान–पान, सर्दी–जुकाम और थकान वगैरह भी सिरदर्द की वजह हो सकती है। सिरदर्द के पीछे का एक कारण शरीर में पोषक तत्वों की कमी भी हो सकती है। अक्सर सिर दर्द होने पर हम पेन किलर खा लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसके गंभीर परिणाम भी हो सकते हैं।

ऐसे में अगर आपको भी अक्सर सिरदर्द की समस्या रहती है, तो इसके पीछे का कारण जानना बेहद जरूरी होता है। साथ ही सिरदर्द को दूर करने के तरीकों के बारे में भी जानकारी होना जरूरी है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सिरदर्द होने के कारण और इससे बचने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

जानिए सिरदर्द के पीछे का कारण

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो जब शरीर में सोडियम की कमी होती है, तो सिरदर्द हो सकता है। वहीं अगर आप अक्सर सिर दर्द की समस्या से परेशान रहते हैं, तो आपको सोडियम लेवल की जांच जरूर करवानी चाहिए। क्योंकि शरीर में सोडियम की कमी होने पर थकान, भूख में कमी और चिड़चिड़ापन के लक्षण नजर आ सकते हैं। बता दें कि लंबे समय तक शरीर में सोडियम की कमी होने पर हमारे शरीर के कई फंक्शन्स पर भी असर पड़ता है। यहां तक की कई बार सोडियम की कमी से व्यक्ति बेहोश तक हो जाता है। सोडियम की कमी होने पर लोगों के सिर में दर्द बना रहता है।

ऐसे दूर करें सोडियम की कमी

व्यक्ति के शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी होने पर सोडियम लेवल में कमी आ सकती है। ज्यादा पसीना या ज्यादा यूरिन आने के कारण भी ऐसा हो सकता है। ऐसे में आप अपनी डाइट में सोडियम की मात्रा कम लेते हैं, तो खाने में नमक की मात्रा का खास ख्याल रखना चाहिए। इसके साथ ही शरीर में पानी की सही मात्रा का होना भी काफी जरूरी होता है। क्योंकि शरीर में पानी की कमी होने पर डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है। डिहाइड्रेशन से भी शरीर में सोडियम की कमी हो सकती है।

ऐसे में अगर आपको अक्सर सिरदर्द रहता है, तो हो सकता है कि आप पर्याप्त मात्रा में पानी ना पी रहे हों। वहीं उल्टी व दस्त की समस्या होने पर भी शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का बैलेंस बनाए रखने के लिए आप नमक की सही मात्रा का सेवन करें।

बुजुर्गो की हड्डियों को कमजोरी से बचाता है सीबीएफ-बीटा प्रोटीन

शोधकर्ताओं ने एक ऐसी प्रणाली की पहचान की है जो बताता है कि बुजुर्गो की हड्डियों में कमजोरी क्यों आ जाती है। साथ ही शोधकर्ताओं ने ऐसा तरीका खोज निकाला है, जिसके जरिए बढ़ती उम्र के साथ हड्डियां कमजोर होने के इलाज में काम आ सकता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि ऑस्टियोपोरोसिस यानी हड्डी के पतलेपन और डेंसिटी में कमी के कारण हड्डी टूटने का खतरा बढ़ जाता है। यह बुजुर्गो की एक प्रमुख स्वास्थ्य समस्या है। अक्सर ये हालात बोन मैरो में फैट सेल्सर की वृद्धि के साथ पैदा होते हैं। बर्मिंघम के अलबामा विश्वविद्यालय के प्रोफेसर यू–पिंग ली के एक अध्ययन में सामने आया है कि सीबीएफ–बीटा नामक एक प्रोटीन हड्डियों के बनने में मददगार कोशिकाओं को शरीर में बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

एक परीक्षण में पाया गया कि युवा चूहों की तुलना में वृद्ध चूहों की बोन मैरो सेल्स में सीबीएफ–बीटा का स्तर कम पाया गया। इस निष्कर्ष से पता चलता है कि इस प्रणाली में खराबी आने पर, कोशिकाएं हड्डियों को बनाने में मदद करना बंद कर देती हैं और फैट सेल्स को बनाने में मदद करती हैं। ली ने कहा कि सीबीएफ–बीटा नाम के प्रोटीन को बनाए रखना ह्यूमन लाइफ रिलेटिड ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने में मदद कर सकता है ।शोधकर्ताओं का कहना है कि इस प्रणाली की जानकारी होने से कम से कम साइड इफेक्ट के साथ ह्यूमन बोन मेरो का इलाज किया जा सकता है।

अली गोनी को एक्ट्रेस निया शर्मा ने किया सपोर्ट

टीवी एक्टर अली गोनी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह गणेश उत्सव के दौरान गणपति बप्पा मोरया का जयकारा नहीं लगाते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में उनके साथ निया शर्मा और जैस्मिन भसीन भी दिखाई दे रही हैं।

इसके बाद अली को सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। अब इस मामले में निया शर्मा ने रिएक्शन देते हुए एक्टर का सपोर्ट किया है। निया शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अली और जैस्मिन के साथ एक फोटो शेयर की। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, किसी के त्योहार का हिस्सा बनना ही अपने आप में सबसे बड़ा सम्मान है। और हम भारत में गणपति, ईद और हर त्योहार को एक जैसी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाते हैं।

जानें क्या है पूरा मामला?

मुंबई में हुए गणपति उत्सव के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इन क्लिप्स में देखा गया कि जहां जैस्मिन भसीन और उनके दोस्त जोश से बप्पा के नाम के जयकारे लगा रहे हैं, वहीं अली गोनी चुपचाप एक ओर खड़े नजर आ रहे हैं। वीडियो सामने आते ही अली गोनी को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जाने लगा। एक यूजर ने लिखा, इतना अनकंफर्टेबल फील हो रहा है तो आया क्यों? जैस्मिन को सोचना चाहिए। वहीं एक अन्य ने कमेंट किया, जब बोलना नहीं था तो आया ही क्यों? इसके अलावा भी कई यूजर्स ने इस पर प्रतिक्रिया दी।

डू यू वाना पार्टनर में अभद्र भाषा के इस्तेमाल पर श्वेता तिवारी

वेब सीरीज 'डू यू वाना पार्टनर' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया था। इसमें तमन्ना भाटिया के साथ डायना पेंटी, जावेद जाफरी, नकुल मेहता, श्वेता तिवारी, नीरज काबी, सूफी मोतीवाला और रणविजय सिंह भी अहम किरदार में दिखाई देंगे। सीरीज में दो लड़कियों की कहानी है, जो अपना खुद का स्टार्टअप शुरू करने निकली हैं। इसके लिए उन्हें निवेशकों की जरूरत है। 'डू यू वाना पार्टनर' में अभिनेत्री श्वेता तिवारी भी हैं। उनके किरदार का नाम लैला है। वह एक दबंग महिला गैंगस्टर है। अपने किरदार को रियल बनाने के लिए उन्हें कुछ अभद्र भाषा का प्रयोग भी करना पड़ा। इस सीन को करते समय श्वेता को काफी मुश्किलें हुईं। ऐसे में तमन्ना भाटिया ने आगे बढ़कर उनकी मदद की, उस पल को वो कभी नहीं भूल पाएंगी।

श्वेता तिवारी ने सीन को याद करते हुए कहा, सीरीज में एक सीन है, जहां मुझे खूब अभद्र भाषा का प्रयोग करना था। इसे करते समय मैं वाकई में कांप रही थी। सबके सामने ऐसा करना मेरे लिए सहज नहीं था। मैं कोशिश कर रही थी, लेकिन मुझसे हो नहीं रहा था। तभी, तमन्ना भाटिया आगे आईं और मेरा हाथ पकड़कर जोर-जोर से डायलॉग बोलने लगीं। तमन्ना भाटिया ने ही उन्हें उस सीन को पूरा करने के लिए प्रेरित किया, वह उस मुश्किल वक्त में श्वेता के साथ खड़ी रहीं। अभिनेत्री ने बताया कि तमन्ना की वजह से ही मैं यह सीन कर पाई। जिस तरह से उन्होंने श्वेता को सीन करने में मदद की, उसे वो कभी नहीं भूल पाएंगी। श्वेता ने कहा कि यह सीरीज बहुत ही दिलचस्प है, जो दर्शकों को बहुत पसंद आएगी।

यह सीरीज धर्माटिक एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी है, जिसके निर्माता करण जौहर, अदार पूनावाला और अपूर्व मेहता हैं। इस सीरीज का निर्देशन कॉलिन डी'कुन्हा और अर्चित कुमार ने किया है। इसकी पटकथा नंदिनी गुप्ता, आर्ष वोरा और मिथुन गंगोपाध्याय ने लिखी है। शोमेन मिश्रा और अर्चित कुमार सीरीज के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं। डू यू वाना पार्टनर का प्रीमियर 12 सितंबर को प्राइम वीडियो पर किया जाएगा।

इस इवेंट में बतौर ज्यूरी मेंबर शामिल हुईं दीपिका

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण हाल ही में एक इवेंट में शामिल हुईं। अभिनेत्री बतौर ज्यूरी मेंबर इवेंट का हिस्सा बनीं और विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए दीपिका ने अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जिनमें बेहद स्टाइलिश लग रही हैं। अपने अंदाज और स्टाइल से दीपिका ने फैंस का दिल जीत लिया है। दीपिका ने अपने फैशन सेंस और स्टाइल से न सिर्फ फैंस को दीवाना बनाया है, बल्कि ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर भारत का नाम भी ऊंचा किया है। दीपिका ने स्वीडिश डिजाइनर एलेन होडकवा लार्सन को मेन प्राइज प्रेजेंट किया, साथ ही सभी विनर्स को बधाई दी हैं।

दिशा पाटनी की हॉलीवुड फिल्म 'हॉलीगार्ड्स' का टीजर लॉन्च

अभिनेत्री दिशा पाटनी की हॉलीवुड फिल्म 'हॉलीगार्ड्स' का टीजर रिलीज हो गया है। खास बात यह है कि इसे वेनिस फिल्म फेस्टिवल में लॉन्च किया गया। इस फिल्म से वे हॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। 'हॉलीगार्ड्स' में वे इस फिल्म में जबरदस्त एक्शन करती दिखाई देंगी। फिल्म में दो कबीले मानव के भविष्य को बचाने के लिए लड़ते दिखाई देंगे। इसे ऑस्कर विजेता फिल्म निर्माता केविन स्पेसी ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में डॉल्फ लुंडग्रेन, टायरेस गिब्सन और ब्रायना हिल्डब्रैंड जैसे कलाकार भी हैं। इंस्टाग्राम पर दिशा पाटनी ने कुछ समय पहले इस हॉलीवुड फिल्म में होने की बात कही थी। तब उन्होंने इसके सेट से एक तस्वीर भी फैंस के लिए साझा की थी। इस फिल्म के अलावा दिशा के पास वेलकम 3 भी है, जिसमें बहुत सारे स्टार्स होंगे। इसके साथ ही वे प्रभास की फिल्म कल्कि के पार्ट 2 में भी दिखाई देंगी। वहीं कुछ समय पहले पता चला था कि दिशा पटानी, विशाल भारद्वाज की आने वाली फिल्म में शाहिद कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखाई देंगी। कहा जा रहा है कि फिल्म में दिशा का स्पेशल कैमियो होगा। यह पहली बार होगा जब दिशा पाटनी और शाहिद कपूर पहली बार साथ दिखाई देंगे। इस जोड़ी को साथ देखने के लिए फैंस पहले से ही उत्साहित हैं।

अनुष्का शेट्टी की फिल्म घाटी के लिए उत्साहित हैं प्रभास

साउथ की मशहूर एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी एक बार फिर बड़े पर्दे पर लौट रही हैं। वह इन दिनों अपनी नई फिल्म घाटी को लेकर चर्चाओं में हैं। यह फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है और फैंस की नजरें बस इसी पर टिकी हैं। रिलीज से एक दिन पहले सुपरस्टार प्रभास ने अनुष्का को खास शुभकामनाएं दी। प्रभास ने अपने इंस्टाग्राम पर एक प्यारी सी स्टोरी पोस्ट की है, जिसमें उन्होंने घाटी का ट्रेलर लिंक भी अपलोड किया है और अनुष्का को बड़े ही अपनेपन से स्वीटी कहकर शुभकामनाएं दी हैं। प्रभास ने लिखा है, घाटी बहुत ही दमदार लग रही है। स्वीटी, मैं तो आपको इस ताकतवर रोल में देखने के लिए बहुत उत्साहित हूं। पूरी टीम को मेरी तरफ से ढेर सारी शुभकामनाएं! फिल्म में अनुष्का को एक्शन अवतार में देखा जाएगा।

प्रभास और अनुष्का की दोस्ती किसी से छिपी नहीं है। दोनों ने ब्लॉकबस्टर फिल्म बाहुबली में एक साथ काम किया था। अनुष्का शेट्टी इस फिल्म से करीब दो साल बाद वापसी कर रही हैं। पिछली बार वह 2023 की फिल्म मिस शेट्टी मिस्टर पोलिशेट्टी में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने हल्का-फुल्का किरदार निभाया था। घाटी में उनका अंदाज एकदम अलग है। फिल्म की कहानी में अनुष्का एक ऐसी महिला का किरदार निभा रही हैं, जो नशे के कारोबार में उलझ जाती है और हर कदम उसके लिए खतरा बन जाता है। इसमें अपराध की दुनिया के साथ-साथ संघर्ष, हिम्मत और जीने की जद्दोजहद को भी दिखाया गया है। फिल्म का निर्देशन कृष जगरलामुदी ने किया है। यह जगरलामुदी के साथ अनुष्का की दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों ने हिट फिल्म वेदम में साथ काम किया था। इस फिल्म में अनुष्का शेट्टी के अलावा, विक्रम प्रभु भी लीड रोल में हैं।

दो साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहीं अनुष्का

'घाटी' से अनुष्का शेट्टी लगभग दो साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। अनुष्का आखिरी बार साल 2023 में आई फिल्म 'मिस शेट्टी मिस्टर पोलिशेट्टी' में नजर आई थीं। यह एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म थी, जिसे पसंद किया गया था। अब अनुष्का इस बहुप्रतीक्षित फिल्म से बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं।

धड़क 2 मेरे लिए अहम फिल्म साबित हुई है

फैजाबाद जैसे छोटे से कस्बे से आने वाले साद बिलग्रामी ने टीचरी, मिमिक्री, कोरियोग्राफी, राइटिंग और कॉन्टेंट क्रिएटर के रूप में काफी काम किया, मगर खुदा हाफिज वन और टू के बाद पंचायत, गुल्लक, लूटकांड के बाद वे चर्चा में आए धड़क 2 से। यहां उनके सफर पर खास बातचीत।

साद को ऐसे मिला था काम

साद ने आगे कहा, उस समय मैं काम के लिए लगातार लोगों को मैसेज करता था। तब जिब्रान नूरानी ने मुझे आरवीसीजे में आने का मौका दिया। मैंने एंकरिंग, राइटिंग, एक्टिंग सबकुछ किया। वहां मैंने 4 साल नौकरी की। फिर मैं टीवीएफ में लेखक के रूप में जुड़ा। वहां काम करते-करते खुदा हाफिज मिल गई। घर वापसी, खुदा हाफिज 2, लूटकांड जैसे प्रोजेक्ट्स से मेरे अभिनय का सिलसिला चल निकला।

नेटफ्लिक्स का ऑफर ठुकराया

मुझे नेटफ्लिक्स की एक सीरीज ऑफर हुई थी, जो मैंने की नहीं, क्योंकि मुझे उसका रोल पसंद नहीं आया। लोगों ने मुझे कहा, तुम्हारे पास है क्या? तुम लिखते हो, छोटा-मोटा कॉन्टेंट बनाते हो? क्यों मना कर रहे हो? बीच में मुझे एक बहुत बड़े सुपर स्टार की फिल्म मिली थी, मगर मैं उस रोल के लिए भी हामी नहीं भर पाया, क्योंकि मुझे अपने रोल के बारे में पता ही नहीं था। लोगों ने तब भी मुझे पागल कहा, मगर मेरे लिए सब्र का फल मीठा साबित हुआ।

मिमिक्री करने की नसीहत दी

रिजेक्शन के दौर भी खूब आए साद की जिंदगी में। वे कहते हैं, मैं नाम नहीं बताना चाहूंगा, मगर एक जानी-मानी हस्ती ने मुझे सीधे कहा था, तुम मिमिक्री करने के लिए बने हो। कहां एक्टिंग-वेक्टिंग के चक्कर में पड़े हो। अभिनय एक कला है, जो तुम्हारे बस का नहीं है। तुमको तो बस मिमिक्री करते रहना चाहिए।

अनुराग कश्यप ने गले लगाया

उस दिन मैं टैरेस पर जाकर खूब रोया और मैंने उस बात को अपनी डायरी में लिख दिया। उसके बाद मैंने एफटीआईआई (फिल्म एंड टेलिविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया) जाने का फैसला किया, क्योंकि मुझे खुद पर डाउट होने लगा था। मगर मेरे लेखक दोस्त के कहने पर मैं आरवीसीजे और टीवीएफ से जुड़ा रहा और कई वीडियोज किए। अब धड़क 2 मेरे लिए अहम फिल्म साबित हुई है। धड़क 2 के लिए तो मुझे ईशान खट्टर का मैसेज आया। अनुराग कश्यप गले मिले तो बिजॉय नंबियार से खूब तारीफ मिली। सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी के साथ अपने काम करने के अनुभव के बारे में उनका कहना था, फिल्म के प्रीमियर के बाद सिद्धांत हमें अपने घर लेकर गए और हमारे साथ खूब नाचे, हमें खाना खिलाया। मगर इतना जरूर कहूंगा कि फिल्म में सिद्धांत पर सुसु करने वाला सीन मेरे लिए काफी अनकंफर्टेबल था।

एनिमल के बाद बदलीं तृप्ति

जहां तक तृप्ति की बात है, तो एनिमल की कामयाबी के बाद वे और ज्यादा विनम्र हो गईं। जातीय भेदभाव के मुद्दे पर वे कहते हैं, मैं लखनऊ के खैराबाद से हूं और वहां बहुत ही सेक्युलर माहौल है। मैंने कभी जातीय भेदभाव का सामना नहीं किया। हां अखबार और न्यूज चैनल में तो हम ये चीजें पढ़ते ही रहते हैं। मुझे पता चला कि 70 प्रतिशत इंडिया रूरल एरिया में बसता है और वहां आज भी ये चीजें होती हैं। फिर मेरे एक परिचित ने बताया कि निम्न जाति से होने के कारण लोग उनसे कतराते हैं, उनके साथ खाना-पीना पसंद नहीं करते। मुझे जानकर बहुत अफसोस हुआ, तब मुझे लगा कि मुझे इस तरह की मुद्दे की फिल्म जरूर करनी चाहिए।

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 9210761111 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009